- हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती-10

- जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश-10

- पुतिन की ट्रंप को चेतावनी- ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा-11

- गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर : मुरलीधरन-12

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.33

सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 10:52 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 1 मई 2026, वर्ष 7, अंक 156, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

काले कर्मों से राजमहल सजाने वाले कलंक : योगी

विशेष सत्र में महिला सशक्तीकरण पर योगी का विपक्ष पर वार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महिला सशक्तीकरण पर चर्चा के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग "काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैं" और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बाधा डालकर विपक्ष ने यही भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव को गिराकर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत अन्य दलों ने देश और महिलाओं की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं, तब उन्हें केवल योजनाओं तक सीमित रखना उचित नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण और कानून निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश विधानसभा में 11-12 प्रतिशत है। ऐसे में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने से आधी आबादी को वास्तविक प्रतिनिधित्व मिलेगा और महिला मुद्दों पर प्रभावी निर्णय संभव हो सकेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य से सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया है और इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

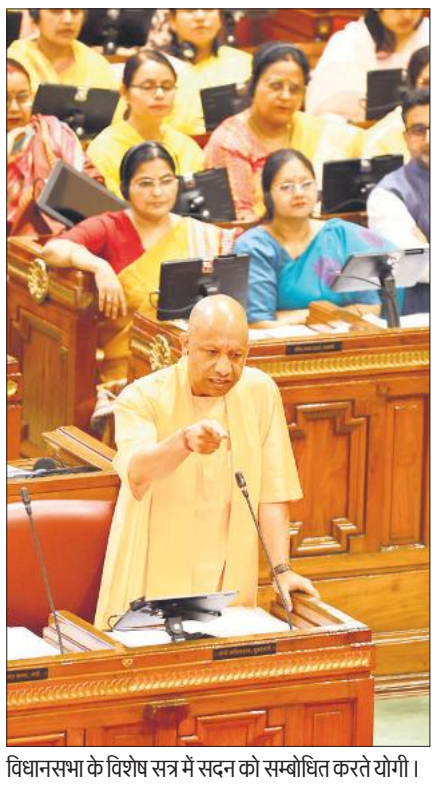

विधानसभा के विशेष सत्र में सदन को सम्बोधित करते योगी।

- सीएम बोले- महिलाओं को वेलफेयर नहीं, अब नीति-निर्धारण में भागीदारी

महिलाओं के श्राप से कांग्रेस की दुर्गति, अब सपा उसी राह पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं के साथ किए गए व्यवहार के कारण कांग्रेस की दुर्गति हुई और अब समाजवादी पार्टी भी उसी राह पर बढ़ रही है। उन्होंने सपा-कांग्रेस के आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दल महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति संवेदनशील नहीं रहे, वे आज राजनीतिक मजबूरी में आरक्षण की बात कर रहे हैं।

सपा का आचरण देख गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोगों के आचरण को देखकर गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी हो जाएगा। संसद में एक रंग और विधानसभा में दूसरा रंग। दिल्ली से लखनऊ पहुंचते ही आप रंग बदल लेते हैं। अब यहां आकर आप 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, जबकि लोकसभा में इसका विरोध किया था। आपका चेहरा बोलने का कुछ और, और दिखाने का कुछ और है। अनावश्यक मुद्दे उठाकर नैरेटिव बदलने का प्रयास करते रहते हैं, लेकिन पूरा देश आपकी हरकतों को जानता है।

जन्मजात महिला-विरोधी हैं कांग्रेस और सपा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल जन्मजात महिला-विरोधी हैं। उनकी रग-रग में नारी का अपमान भरा हुआ है। जब भी सपा को प्रदेश में सत्ता मिली, महिलाओं पर अत्याचार और क्रूर घटनाओं ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। हर व्यक्ति जानता है कि सपा सरकार के समय 'देख सफाई, बिटिया घबराई' जैसे स्लोगन बन गए थे। स्टेट गेस्ट हाउस कांड हो या अन्य महिला संबंधी अत्याचार, इनकी छवि जगजाहिर है।

दोनों सदनों से सपा-कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

- पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन, लेकिन मजहबी आधार पर विरोध करेगी भाजपा
- वेल में नारेबाजी, पोस्टर और टकराव के बीच दिनभर गरमाया रहा सदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र में गुरुवार को सियासत अपने चरम पर रही। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बुलाए गए इस एकदिवसीय सत्र में सत्ता पक्ष ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव दोनों सदनों से ध्वनिमत से पारित करा लिया। दिनभर चले सत्र में वेल में नारेबाजी, पोस्टर प्रदर्शन और तीखे आरोपों के बीच सदन का माहौल बार-बार गरमाता रहा।

सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा में हंगामे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निंदा प्रस्ताव रखते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने महिलाओं को हर क्षेत्र में अवसर दिए हैं, लेकिन उन्हें जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व अभी नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पारित किया गया, लेकिन संसद में इसके क्रियान्वयन में कांग्रेस-सपा समेत इंडी गठबंधन के दलों ने बाधा उत्पन्न की, जिसकी यह सदन निंदा करता है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। सपा विधायकों ने प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इसके जवाब में भाजपा की महिला विधायकों ने पैदल मार्च करते हुए विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और तख्तियां लेकर सदन में पहुंचीं। हालात इतने तीखे हो गए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना को अपने विधायकों को शांत कराना पड़ा, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। अपने समापन वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय की पक्षधर है और अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन करती रही है, लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण का विरोध करती रहेगी।

लखनऊ : विधान भवन के सामने प्रदर्शन करतीं भाजपा महिला विंग की कार्यकर्ताएं। ● अमृत विचार

मौलवियों के सामने नाक रगड़ना सपा-कांग्रेस की प्रवृत्ति : योगी

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी ने विधानमंडल का विशेष सत्र शुरू होने से पहले गुरुवार को प्रेसवार्ता में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'मौलवियों के सामने नाक रगड़ना' सपा-कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है। इनका राजनीतिक चरित्र महिला विरोधी रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संशोधन का विरोध कर विपक्ष ने एक बार फिर अपनी मानसिकता उजागर की है। इसी के विरोध में निंदा प्रस्ताव लाने और चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम ने शाहबानों प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दलों का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड परीक्षा 2027 तक टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वकालत के लिए अनिवार्य 'एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड' (एओआर) परीक्षा 2026 को निरस्त कर दिया गया है। अब यह परीक्षा अगले साल आयोजित की जाएगी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के परीक्षा सेल ने आधिकारिक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी। रजिस्ट्रार और परीक्षा बोर्ड के सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड की कुल संख्या और उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए इस साल परीक्षा न कराने का फैसला लिया गया है।

ब्रह्मोस: राजस्व 5200 करोड़ के पार

नई दिल्ली: रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ के अनुसार, ब्रह्मोस एयरोस्पेस का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 5,200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। साथ ही, कंपनी को इसी अवधि में 4,000 करोड़ रुपये के दो बड़े निर्यात ऑर्डर भी मिले हैं।

आईसीएसई : 99% से अधिक विद्यार्थी सफल, छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

एक नजर में परिणाम

परीक्षार्थी : 3,62,037

उत्तीर्ण (10वीं) : 2,56,590

उत्तीर्ण (12वीं) : 1,02,414

श्रेणीवार उत्तीर्ण प्रतिशत

श्रेणी	आईसीएसई (10वीं)	आईएससी (12वीं)
सामान्य	99.26%	99.17%
अन्य पिछड़ा वर्ग	99.24%	99.12%
अनुसूचित जाति	98.76%	98.77%
अनुसूचित जनजाति	98.07%	98.84%

नई दिल्ली, अमृत विचार नेटवर्क

भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (CISCE) ने गुरुवार को कक्षा 10वीं (ICSE) और 12वीं (ISC) के वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल भी छात्राओं ने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई में 99.18% और आईएससी में 99.13% परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष परीक्षा में शामिल होने वाले कुल 3.6 लाख से अधिक विद्यार्थियों में से अधिकांश ने सफलता हासिल की है। 10वीं में 2,58,721 परीक्षार्थी बैठे थे, जिनमें से 2,56,590 उत्तीर्ण हुए। 12वीं में 1,03,316 परीक्षार्थियों में से 1,02,414 सफल रहे। दोनों ही बोर्ड परीक्षाओं में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रों से अधिक रहा। 10वीं में 99.46% छात्राएं सफल रहीं, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.93 रहा। 12वीं में 99.48% छात्राओं ने सफलता पाई, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.81 रहा। इस वर्ष आईसीएसई की परीक्षा 67 विषयों में और आईएससी की परीक्षा 45 विषयों में आयोजित की गई थी। आईसीएसई में मात्र 2,131 छात्र अनुत्तीर्ण हुए, वहीं आईएससी में यह संख्या केवल 902 रही।

ओजस्वित बने नेशनल टॉपर

कानपुर। शीलिंग हाउस स्कूल के छात्र के ओजस्वित पसरीचा ने आईएससी (बारहवीं) में सौ फीसदी अंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर टॉप किया है। शहर के आजाद नगर निवासी ओजस्वित को इंग्लिश, कंप्यूटर, मैथ और कमेस्ट्री में सौ फीसदी अंक हासिल हुए हैं। ओजस्वित अब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में दाखिले के लिए तैयारी कर रहे हैं।

जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज पलटने से छह पर्यटकों की मौत, 10 लोग लापता

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अचानक आई आंधी के कारण 29 पर्यटकों को लेकर जा रहा एक क्रूज बरगी बांध में पलट गया, जिसमें छह पर्यटकों की मौत हो गई जबकि 10 लापता हैं। इसके अलावा 13 लोगों को बचा लिया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बरगी बांध का निर्माण जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर किया गया है। बरगी शहर के पुलिस अधीक्षक अंजुल मिश्रा ने बताया कि लापता लोगों की तलाश में युद्ध स्तर पर अभियानजारी है। जबलपुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, संभागीय एसीएस, एडीजी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बचाव अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज दुर्घटना की खबर बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता, वह बच्ची है... उसे मां मत बनाओ

नई दिल्ली, एजेंसी/ अमृत विचार ब्यूरो

एक 15 साल की बच्ची, जिसे इस वक्त स्कूल की बेंच पर होना चाहिए था, हम उसे मां बनने के लिए मजबूर करना चाहते हैं? उस बच्ची की पीड़ा और अपमान की कल्पना कीजिए, जो लोकलाज के डर से दो बार मौत को गले लगाने की कोशिश कर चुकी है।

उच्चतम न्यायालय ने यह झकझोर देने वाली टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार को कहा कि वह दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए गर्भपात कानून में व्यापक बदलाव करे। अदालत ने दोटूक कहा कि बलात्कार जैसी वीभत्स त्रासदी झेल चुकी पीड़िताओं पर 20 या 24 सप्ताह की समय सीमा के बाद भी अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एम्स की उस पुनर्विचार याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें एक नाबालिग की 30 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने के अदालती आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए गहरा मानसिक आघात और असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ेगी।

अदालत का कड़ा रुख: 'डॉक्टर सेवा दें, शासक न बनें': सुनवाई के दौरान जब एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि 30 सप्ताह का भ्रूण अब 'जीवित जन्म' की स्थिति में है और इसे गोद दिया जा सकता है, तो अदालत ने इसे 'अमानवीय' करार दिया। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, "नागरिकों के जीवन के फैसले लेना अस्पताल का काम नहीं है।

प्रजनन स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता : अदालत ने दोहराया कि मां बनने वाली महिला की प्रजनन स्वायत्तता सर्वोपरि है। यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ेगी। एम्स को निर्देश दिया कि वे बच्ची के माता-पिता की काउंसलिंग करें, लेकिन यदि वे गर्भपात पर कायम रहते हैं, तो पूरी प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूरी की जाए। अदालत ने याद दिलाया कि यह मामला साधारण नहीं है।

- दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए कानून बदले केंद्र, समय सीमा की बेड़ियां खत्म हों: सुप्रीम कोर्ट

अदालत की बड़ी बातें

1. हम एक बच्ची पर मातृत्व थोपकर उसे उस उम्र में मां बनाना चाहते हैं जब उसे पढ़ाई करनी चाहिए।
2. सड़कों पर पहले से ही कई परित्यक्त बच्चे हैं, माफिया सक्रिय हैं। हम एक और अनचाहे जन्म के लिए किसी को मजबूर नहीं कर सकते।"
3. गर्भावस्था के हफ्ते बीत जाने के आधार पर अनुमति न देना 'शारीरिक स्वायत्तता के अधिकार' को निरर्थक बना देता है।"

क्या है वर्तमान गर्भपात कानून

गर्भपात कानून (MTP Act, 2021) के तहत 20 सप्ताह तक डॉक्टर की सलाह पर गर्भपात कराया जा सकता है। 20 से 24 सप्ताह तक विशेष श्रेणियों (जैसे दुष्कर्म पीड़िता, नाबालिग, दिव्यांग महिलाएं, या विधवा/तलाकशुदा) के लिए दो डॉक्टरों की अनुमति अनिवार्य है। 24 सप्ताह के बाद गर्भपात की अनुमति नहीं है। केवल तभी संभव है जब राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड भ्रूण में गंभीर विकृति की पुष्टि करे। यदि मामला दुष्कर्म का है और गर्भ 24 सप्ताह से अधिक का हो चुका है, तो वर्तमान कानून में स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण पीड़िताओं को अक्सर हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

कच्चा तेल 125 डॉलर के पार पर भारत को बड़ी राहत

- ईरान ने दिया जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का भरोसा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण सैन्य तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर आई है। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने स्पष्ट किया है कि संघर्ष के बावजूद ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देकर कहा कि भारत सहित सभी मित्र देशों के जहाजों पर किसी तरह की रोक नहीं है और उन्हें सुरक्षित मार्ग दिया जा रहा है।

ईरानी राजदूत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच चुकी हैं। डॉ. फतहाली ने कहा कि ईरान अपनी समुद्री सीमाओं में वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। इस आश्वासन के बाद भारतीय ऊर्जा क्षेत्र में फैली चिंताएं कम होने की उम्मीद है।

भारत सरकार ने कहा- नहीं बढ़ेंगे दाम

एक तरफ ईरान से सुरक्षा का भरोसा मिला है, तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने घरेलू मोर्चे पर राहत दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उबाल के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

शिक्षा से ही आएगा परिवर्तन: आनंदीबेन

- एक दिवसीय बरेली दौरे पर पहुंचीं राज्यपाल ने पढ़ाया तकनीकी शिक्षा और सेवा-सरोकार का पाठ

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एक दिवसीय बरेली दौरे पर पहुंचीं यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नई पीढ़ी के साथ शिक्षकों को सबको नवाचार, तकनीकी शिक्षा, सेवा एवं सरोकार का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर ऐसा भारत बनाना है, जो पहले से ही विश्वगुरु था। दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक साइंस जैसी तकनीक के सहारे आगे बढ़ रही है। हमें भी उसी हिसाब से तकनीक शिक्षा बढ़ाने, नए कोर्स लाने और शिक्षकों को प्रशिक्षित करना चाहिए।

राज्यपाल ने यह बातें रामगंगा नगर में लखनऊ पब्लिक स्कूल के उद्घाटन और रुहेलखंड विश्व विद्यालय में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि जब किसी राष्ट्र को नयी दिशा देनी होती है तो उसकी शुरुआत शिक्षा से होती है। शिक्षा का मतलब मात्र

किताबी ज्ञान नहीं बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना भी है। आधुनिकता की राह में अपनी जड़ों को नहीं भूलना है। जड़ों के बिना कोई वृक्ष हरा-भरा नहीं रह सकता।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में जनभवन के नाम से गरीब-असहाय बच्चों के लिये विद्यालय संचालित किया जा रहा है। शिक्षक मात्र पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ने वाला शिल्पकार होते हैं। मौजूदा परिवेश में हालात कुछ ऐसे हो चले हैं कि करोड़ों की सम्पत्ति होकर भी माता-पिता को घर में रखने की क्षमता नहीं है। बहुएं, सास-ससुर के साथ नहीं रहना चाहती हैं। यह सब हम अच्छी शिक्षा से बदल सकते हैं, जेलों से नहीं। शिक्षा जब समाज के अंतिम बच्चे तक पहुंचती है तो वह परिवर्तन का आधार बन जाती है। जहां शिक्षा होगी वहां नए भारत का उदय होगा। उन्होंने कहा कि बैंको में रुपये रखना जरूरी नहीं है, बल्कि जरूरत जरुरतमंद लोगों की मदद करने की है। राज्यपाल ने मुडिया अहमद नगर स्थित दिशा स्कूल में दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की। साथ ही राजकीय संप्रेक्षण गृह में बच्चों से भी मिलीं।

HARTMANN COLLEGE

Affiliated to I.C.S.E. & I.S.C Board, New Delhi

• Izzat Nagar, Bareilly •

Congratulations

to all the students on your excellent success
& Good Luck for your bright future.

ISC Topper

Anirudh Johari

Rank: 1st

96.75%

PCM GROUP

ICSE Topper

Raghav Purohit

Rank: 1st

99%

ISC TOPPERS

RANK 1st — Nitya Mishra — 93% — PCB GROUP

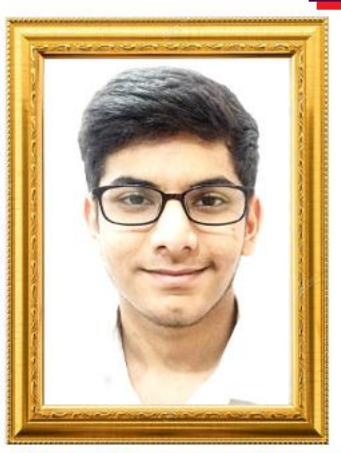

RANK 1st — Praganya Garg — 93% — PCB GROUP

RANK 1st — Sarvagya Khandelwal — 93.5% — COMMERCE GROUP

RANK 1st — Samaksh Lunial — 93.5% — COMMERCE GROUP

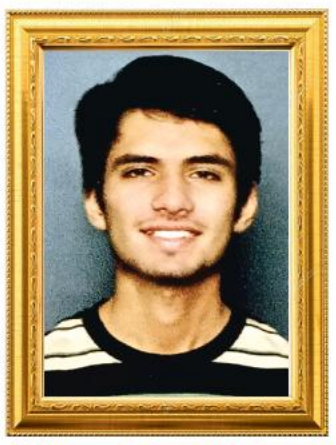

RANK 1st — Swarit Tiwari — 93.75% — HUMANITIES GROUP

Shiv Bhasin — Rank : 2nd — 96.25% — PCM GROUP

Gurchit Singh — Rank : 2nd — 92% — PCB GROUP

Ishika Bang — Rank : 2nd — 93.25% — COMMERCE GROUP

Anushka Srivastava — Rank : 2nd — 85.25% — HUMANITIES GROUP

Shreyasi Garg — Rank : 3rd — 95.75% — PCM GROUP

Suboohi Fatima — Rank : 3rd — 90% — PCB GROUP

Kushagra Agarwal — Rank : 3rd — 90% — PCB GROUP

Ashmeet Singh — Rank : 3rd — 93% — COMMERCE GROUP

Kavya Sharma — Rank : 3rd — 75.25% — HUMANITIES GROUP

ICSE TOPPERS

Aparna Agarwal

Rank: 2nd

98.4%

Parth Pandey

Rank: 3rd

98.2%

Syed Iqan Hasan

Rank: 3rd

98.2%

Fr.Anil Kullu

Principal

Congratulations

on passing your exams.
I am very proud of you my dear students,
hope to see you succeed more in the future.

न्यूज ब्रीफ

संविधान सम्मत नहीं है नारी वंदन प्रस्ताव

लखनऊ, अमृत विचार : उप्र. विधान परिषद में नारी वंदन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सपा के सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे त्रुटिपूर्ण और संविधान सम्मत न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था, न कि केवल एनडीए सरकार द्वारा। सपा सदस्य ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैला रही है और वास्तविक आरक्षण लागू करने के बजाय परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। सपा की विचारधारा को राममनोहर लोहिया से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी शुरू से महिला समानता और आरक्षण की पक्षधर रही है।

महिला आरक्षण पर सरकार का समर्थन

लखनऊ, अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी देने के मुद्दे पर केंद्र और राज्य की पहल का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में लंबित होने पर चिंता भी व्यक्त की, उन्होंने महिला आरक्षण बिल न पास होने को अति-दुःखद, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंतनीय बताया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बसपा प्रमुख ने कहा कि इस विषय पर उत्तर प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बहुजन समाज पार्टी इस पहल का समर्थन करती है और महिला आरक्षण के पक्ष में है।

पॉलीटेक्निक : आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

लखनऊ, अमृत विचार : संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी, जिसे अभ्यर्थियों के हित में बढ़ाकर अब 10 मई 2026 कर दिया गया है। अब अभ्यर्थी 8 मई से 11 मई 2026 तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। परिषद के अनुसार, प्रदेश में पॉलीटेक्निक की कुल 2,71,093 सीटों के मुकाबले अब तक करीब 3.5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया है।

पंकज और धर्मपाल ने देखी कार्यवाही

लखनऊ, अमृत विचार : महिला आरक्षण के मुद्दे पर बुलाए गए उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने राज्यपाल दीर्घा में बैठकर कार्यवाही देखी। कार्यवाही के बाद मीडिया से बातचीत में पंकज चौधरी ने विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर राजनीति कर सपा अपना वास्तविक चेहरा उजागर कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता और इसकी मूल भावना समानता व न्याय पर आधारित है।

आयुष कॉलेजों में शुरू होगा सोवा रिग्पा पाठ्यक्रम

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रदेश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रदेश सरकार आयुष कॉलेजों में 2500 वर्ष पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली सोवा रिग्पा (अमची) और सिद्ध पद्धति के पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है। यह तिब्बती मूल की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। इसका उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा को संस्थागत पहचान देना और मरीजों को आसान वैकल्पिक उपचार उपलब्ध कराना है। सरकार की योजना है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के साथ सोवा रिग्पा को भी मुख्यधारा में शामिल किया जाए। ये पद्धतियां कैंसर, गठिया, मानसिक रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों के पूरक उपचार में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण, मानकों के निर्धारण और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान परिसर में विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करते सत्ता पक्ष के सदस्य।

सरकार के खिलाफ विरोध जताते विपक्षी पार्टियों के सदस्य। अमृत विचार

राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बना विशेष सत्र

विधानसभा : सत्ता और विपक्ष में सीधा टकराव, तेज रही बयानों की धार, इतिहास से लेकर नीयत तक पर उठाए गए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा का माहौल गुरुवार को पूरी तरह सियासी टकराव में तब्दील रहा। कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए।

विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा के लोग महिला सम्मान की बात करते हैं, लेकिन यही लोग थे जब बसपा ने सपा से समर्थन वापस ले लिया था तो सपा के गुंडे स्टेट गेस्ट हाउस में मायावती को सिलिंडर लीक कर जान से मारना चाहते थे। ये लोग अब महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं। स्व. फूलन देवी को डाकू बना देने में इन्हीं सपा के लोगों का हाथ था। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा ने लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया और अब राजनीतिक कारणों से सवाल उठा रहे हैं। मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने बहस को और तीखा करते हुए कहा कि "इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने संघर्ष किया, लेकिन कुछ लोग हर दौर में विरोध की राजनीति करते रहे।" उन्होंने विपक्ष पर सामाजिक विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। इस बीच सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने भी विपक्षी दलों पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि "मर्यादा भी लौट आए तो कांग्रेस और सपा के आचरण पर शर्माएगी।" उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में नारी शक्ति को कमजोर करने का काम इन्हीं दलों ने किया। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने सदन के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा थी कि महिलाओं को राजनीति में भी अवसर मिले पर सपा-कांग्रेस के कारण ऐसा नहीं हो सका। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने कहा कि विपक्ष की ओर से महिला आरक्षण का विरोध करना लोकतंत्र का काला दिन है।

सदन में बोलते मुख्यमंत्री योगी।

मुद्दा और तेज होने के संकेत

दिनभर चली बहस में साफ दिखा कि महिला आरक्षण का मुद्दा अब केवल विधायी चर्चा नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति और जनसंदेश का माध्यम बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश कर रहा है, वहीं विपक्ष इसकी टाइमिंग और क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर रहा है। महिला आरक्षण पर यह विशेष सत्र नीतिगत बहस से ज्यादा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन में बदलता दिखा। आने वाले चुनावी माहौल में यह मुद्दा और तेज होने के संकेत साफ हैं।

सपा-कांग्रेस महिला विरोधी थे और रहेंगे : पूजा पाल

सपा विधायक पूजा पाल ने कहा कि पीएम मोदी ने देश की आबादी को सम्मान दिलाने का प्रयास किया। विपक्ष में बैठे सपा और कांग्रेस जो खुद को महिला हितैषी बताते हैं, यही लोग इसका विरोध करने लगे। ये लोग दिखा रहे कि ये महिला विरोधी थे, हैं और रहेंगे। उस दिन महिलाएं टीवी पर टकटकी लगाकर देख रही थीं, ये वो महिलाएं थी जो गरीब थीं, किचन में काम कर रही थीं, लेकिन जब बिल पास नहीं हुआ तो उनके मन को ठेस पहुंची। उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाए जाने का जिक्र करते हुए सीएम योगी को धन्यवाद दिया।

सपा कांग्रेस के लोग महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते हैं। कांग्रेस के प्रमुख परिवार की दो-दो महिलाएं संसद की सदस्य हैं और यूपी के प्रमुख विपक्षी दल के नेता के घर की महिला सांसद है, लेकिन वो गरीब महिलाओं का विरोध करते हैं। पूर्व मंत्री राजा भइया ने कहा कि एक दिन वह भी आ सकता है, जब पुरुषों को आरक्षण मांगना पड़ेगा। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने तंज कहा कि बेटा बचाओ अभियान शुरू होगा।

विपक्ष ने भी पलटवार में कोई कमी नहीं छोड़ी। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की घोषणा की जाए। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने इसे "राजनीतिक दिखावा" बताते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर होती तो बिल लागू करने में देरी नहीं होती। सपा के संग्राम यादव ने मुख्यमंत्री के भाषण को "दोहराव" बताते हुए नई नीति की मांग की। सत्र के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान और राजभर के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे माहौल और गरमा गया। विधानसभा अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो सकी।

विधान परिषद में महिला आरक्षण पर गरमाई बहस, कई सदस्यों ने रखे विचार

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए सरकार प्रयासरत : केशव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रस्तुत नारी सशक्तीकरण विरोधियों के आचरण संबंधी निंदा प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में महिला सशक्तीकरण को लेकर गुरुवार को बुलाए गए विशेष सत्र की शुरूआत हुई। नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'नारी सशक्तीकरण विषय पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिस पर पांच घंटे की चर्चा निर्धारित की गई। साथ ही प्रमुख सचिव ने वर्ष 2026 के तेरहवें से अठारहवें अधिनियमों की घोषणा की।

चर्चा की शुरुआत करते हुए नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने की और सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री ने जून 1995 में वीआईपी गेस्ट हाउस प्रकरण से शुरुआत की, 2013 में आरोपी तत्कालीन विधायक अरुण वर्मा गैंगरेप पीड़िता की हत्या का जिक्र किया, संदिग्ध परिस्थितियों में होने वाली मौत को लेकर तत्कालीन सपा सरकार को घेरा। बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या की घटना, बुलंदशहर में ईंट-भट्टा हत्याकांड फरवरी 2014, जब महिला ने रेप का विरोध किया तो उस भट्ठे के मालिक आस मोहम्मद ने जिंदा जला दिया था, आदि की चर्चा करते हुए समाजवादियों को महिला आरक्षण बिल का विरोधी की संज्ञा दी।

शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है और इसे लागू किया जाना चाहिए। रालोद के योगेश चौधरी ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए समर्थन किया। सुभासपा के विछे लाल राम ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग दोहराई। भाजपा की प्रज्ञा त्रिपाठी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विधेयक का विरोध महिलाओं का अपमान है। भाजपा सदस्य रमा निरंजन और वंदना वर्मा ने भी महिला सशक्तिकरण में सरकारी प्रयासों को रेखांकित किया। राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी विधेयक के समर्थन में विचार रखे। इसके अलावा भाजपा के भूपेंद्र चौधरी, सपा के राजेंद्र चौधरी और भाजपा के देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी चर्चा में भाग लिया।

दूसरे पहर में जयपाल सिंह व्यस्त की अध्यक्षता में पुनः शुरू सदन की कार्यवाही के दौरान संजय कुमार निषाद, आशीष पटेल, मान सिंह यादव, विजय लक्ष्मी गौतम, हरी सिंह ढिल्लों, अशोक कटियार, अश्वनी त्यागी, संतोष सिंह, नरेन्द्र कश्यप, आकाश अग्रवाल, गोविंद नारायण शुक्ल और लालजी प्रसाद निर्मल सहित कई सदस्यों ने नारी सशक्तीकरण पर अपने विचार रखे।

लोकसभा में पारित बिल लागू हो : सपा

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने महिला विधेयक को अपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश में महिला अपराध के मामले अधिक हैं और सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। महिला सम्मान को "दिखावा" करार दिया। उन्होंने बिना परिसीमन के महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने तथा पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को आरक्षण में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की। सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने महिला आरक्षण विधेयक की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए बताया कि 19 सितंबर 2023 को लोकसभा में पेश होकर 20 सितंबर को पारित, 21 सितंबर को राज्यसभा से मंजूर और 28 सितंबर को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद भी अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

कार्यवाही के दौरान पूर्व सदस्य अरुण कुमार सिंह मुन्ना और आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। साथ ही पूर्व सदस्य महेन्द्र यादव और मोहसिना खलील किदवई के निधन पर सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

सात विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी, सदन पटल पर दी गई जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को विधायी कार्यवाही के दौरान नए विधेयकों के पारित होने के साथ-साथ पूर्व सत्र में पारित महत्वपूर्ण प्रस्तावों को राज्यपाल की मंजूरी मिलने की औपचारिक जानकारी भी सदन पटल पर दी गई। सदन की कार्यसूची के क्रमांक-10 के अंतर्गत प्रमुख सचिव ने घोषणा करते हुए बताया कि विधानसभा और विधान परिषद से पूर्व में पारित कई विधेयकों को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है और वे अब अधिनियम का रूप ले चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन विधेयक 2026, नगर निगम संशोधन विधेयक 2026, नगर पालिका संशोधन विधेयक 2026, विनियोग विधेयक 2026 तथा राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2026 शामिल हैं। इन सभी को फरवरी 2026 के सत्र में विधानसभा व विधान परिषद से पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया था, जहां 24 फरवरी 2026 को स्वीकृति मिलने के बाद ये विधेयक कानून बन गए। सदन में दी गई इस सूचना का उद्देश्य सदस्यों को यह अवगत कराना था कि जिन विधेयकों पर पूर्व में चर्चा कर मंजूरी दी गई थी, वे अब विधिक रूप से लागू हो चुके हैं। यह प्रक्रिया विधानमंडल की औपचारिकता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है, जिसके तहत पारित विधेयकों की अंतिम स्थिति सदन के समक्ष रखी जाती है।

बागपत के दिगंबर जैन मंदिर में शालीन वस्त्र पहनने की अपील

बागपत, एजेंसी: जिले के बड़ा गांव स्थित एक दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धालुओं से शालीन वस्त्र पहनने की अपील की गई है और इस संबंध में एक बोर्ड लगाया गया है। मंदिर प्रबंधन द्वारा लगाए गए बोर्ड के जरिये श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि मंदिर में प्रवेश करते समय हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी स्कर्ट और जींस-टॉप जैसे छोटे या आधुनिक पश्चिमी परिधान पहनकर न आएं।

मंदिर प्रबंधन समिति के मंत्री अंकुश जैन ने बताया कि यह पहल धार्मिक स्थल की गरिमा और पवित्रता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है और इसका मकसद किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय मंदिर समिति द्वारा श्रद्धा और अनुशासन की भावना को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है।

मंदिर के प्रबंधक प्रभात जैन ने गुरुवार को बताया कि मंदिर में बोर्ड लगाने के साथ ही उस पर लिखे निर्देशों का अनुपालन भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आधुनिक पश्चिमी परिधान पहनकर आने वाली महिलाओं और बालिकाओं से शालीन वस्त्र पहनकर तथा सिर ढककर ही मंदिर परिसर में प्रवेश करने का अनुरोध किया जा रहा है।

मंदिर में दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

आदि कैलाश यात्रा आज से प्रारंभ

पिथौरागढ़ : जनपद पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा आज शुक्रवार से विधिवत प्रारंभ होगी, जिसके तहत पंजीकृत यात्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा पर प्रस्थान करेंगे। डीएम आशीष भटगांई ने बताया कि गुरुवार से यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) जारी किए जा चुके हैं।

पिथौरागढ़ में पत्नी की गला काटकर हत्या

पिथौरागढ़ : सीमांत जनपद के अस्कोट थाना क्षेत्र अंतर्गत द्वालीसेरा गांव में बुधवार देर रात दिल दहला देने वाली घटना में घरेलू विवाद में पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से गला काटकर मौत के घाट उतार दिया। दंपती विवाह समारोह से घर लौटा था तो दोनों के बीच हुई मामूली कहासुनी हिंसक झगड़े में बदल गई। पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

लूट के बाद ठेकेदार व थानेदार को गोली मारी मुठभेड़ में बदमाश ढेर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **मारा गया बदमाश शामली निवासी अकरम रह चुका 50 हजार का इनामी**

अमृत विचार: राजधानी देहरादून में लूटपाट के बाद पहले ठेकेदार और फिर घेराबंदी पर थानेदार को गोली मारने वाले बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। इसपर पचास हजार का इनाम था।

आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप और एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि बुधवार देर रात प्रेमनगर क्षेत्र में झाझरा, देहरादून निवासी ठेकेदार देवराज को कार सवार बदमाशों द्वारा गोली मारकर लूटपाट की सूचना मिली थी। देवराज ने पुलिस को बताया था कि, गुजरात नंबर की कार में सवार तीन बदमाश उससे बैग लूटकर ले गए हैं जिसमें दो लाख रुपए, मोबाइल और जरूरी कागज थे। घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद पुलिस टीमों ने बदमाशों का पीछा किया तो कुछ ही दूरी पर देवराज द्वारा बतायी गयी कार में बदमाश दिखायी दिए।

पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाश फायरिंग करते हुए जंगल में भागे। इस दौरान बदमाशों द्वारा की फायरिंग में एक गोली थाना प्रभारी राठौर को लगी, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की तो एक बदमाश घायल हो गया जबकि उसके दोनों साथी फरार हो गए।

घायल थाना प्रभारी और बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बदमाश की उपचार के दौरान मौत हो गई।

आईजी के अनुसार, मारे गए बदमाश की शिनाख्त अकरम (32) पुत्र मासूम अली निवासी शामली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। अकरम पर शामली, सहारनपुर और देहरादून में हत्या, लूट, डकैती के एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे।

तिहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

बुलंदशहर, एजेंसी: जिले के खुर्जा इलाके में पिछले सप्ताह एक जन्मदिन की पार्टी में एक ही परिवार के तीन युवकों की हत्या के मामले में वांछित 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश गुरुवार सुबह पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ में एक इंस्पेक्टर समेत दो पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुए हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मृत बदमाश की पहचान खुर्जा नगर थाना क्षेत्र के पंजाबियान मोहल्ले के रहने वाले जीतू सैनी के रूप में हुई है और वह हाल में खुर्जा इलाके में हुए तिहरे हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी था तथा उस पर 50 हजार का इनाम था।

जालसाजी साइबर ठगों को म्यूल खाते मुहैया कराने का फर्जीवाड़ा करते थे, कई बैंकों की मिलीभगत, फर्जी फर्म बनाकर ठगी की रकम ट्रांसफर कराई जाती थी

चार बैंकों के मैनेजर, डिप्टी मैनेजर और तीन अन्य आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता कानपुर

अमृत विचार। साइबर ठगों को म्यूल खाते मुहैया कराने वाले तीन युवकों समेत चार बैंकों के मैनेजर, डिप्टी मैनेजर व अन्य आरोपियों को बर्रा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गिरोह साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट और फर्जी फर्म बनाकर ठगी की रकम ट्रांसफर कराते थे। साइबर ठगों को मदद करने में बैंककर्मियों की भी बड़ी भूमिका सामने आई है, जिसपर पुलिस ने स्वरूप नगर स्थित सीएसबी बैंक के ब्रांच मैनेजर गुजैनी निवासी अमित कुमार, कन्नौज के एक्सिस बैंक में ऑपरेशन हेड (सीनियर मैनेजर) के रूप में कार्यरत बहराइच के आगापुर गांव, थाना जरवलरोड निवासी धर्मेंद्र सिंह, कन्नौज के एक्सिस बैंक में डिप्टी मैनेजर रसूलाबाद के गांव रतनपुर निवासी अमित सिंह, यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक में पीआर मैनेजर कल्याणपुर के साहब नगर निवासी आशीष कुमार व बैंक एजेंट वरुण विहार निवासी तनिष गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस कमिश्नर ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि पिछले दिनों ऑनलाइन गेमिंग एप के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा पुलिस ने किया था, जिसमें वरुण विहार, बर्रा 8 निवासी तनिष गुप्ता का नाम प्रकाश में सामने आया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि तनिष के संबंध संजय और राजकुमार वर्मा से हैं, जो ठगी का की रकम हवाला के जरिये व्हाइट करने का काम करते थे। कानपुर में गिरोह का सरगना बर्रा सात निवासी राजवीर सिंह यादव है, जो कि फरार है। राजवीर ठगों को म्यूल अकाउंट मुहैया कराता था, जिसमें ब्लिंकिट में डिलीवरी बॉय वरुण विहार निवासी सोनू शर्मा के खाते में 67 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन किया था। सोनू का अकाउंट फर्जी सिस्को कॉमर्स इंडिया कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड की गई थी। सोनू के खाते में 93 लाख रुपये मिले है, जिन्हें होल्ड करा दिया गया है।

अक्टूबर 2025 में नवीं मुंबई में डिजिटल अरेस्ट कर 58 करोड़ की ठगी के बाद गुजैनी निवासी शुभम के खाते में 2.5 करोड़ रुपए भेजे थे। इसी तरह देश में 17 अन्य हुए साइबर क्राइम में भी शुभम के खाते का इस्तेमाल हुआ था। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि खाते फ्रीज कराने की जानकारी बैंककर्मी साइबर ठगों तक पहुंचाते थे, जिसपर ठग खाते से रकम निकाल लेते थे। साइबर ठगी से संबंधित खातों की जानकारी होने पर जब पुलिस बैंकों में होल्ड एप्लीकेशन देती थी, तो पकड़े गए बैंककर्मी ठगों को जानकारी दे देते थे। जिस पर खाते होल्ड होने से पहले ठग ज्यादा से ज्यादा रकम निकाल लेते थे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सीएसबी बैंक के खाते होल्ड पर लगवाने के दौरान प्रति घंटे 4 से 5 लाख की रकम निकाली गई थी। 14 दिन में 90 लाख रुपए का खाते से लेन-देन किया गया, जिसकी खाताधारक को जानकारी नहीं है। ठगी से मिली रकम का 5 से 10 प्रतिशत हिस्सा बैंककर्मियों जाता था।

आगरा से भी जुड़े हैं तार

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि राजवीर को आगरा का अनचित गोयल हैंडल करता था। अनचित के ड्राइवर सतीश पांडेय के नाम आगरा के एसबीआई बैंक में राजाराम ट्रेडर्स के नाम से फर्जी फर्म रजिस्टर्ड है, उसके खाते में 53 करोड़ का ट्रांजेक्शन पाया गया है। वहीं टैटू बनाने वाले गोविंद नगर 5-ब्लॉक निवासी साहिल विश्वकर्मा के खाते में एक करोड़ का ट्रांजेक्शन मिला है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि चार माह में ठगों ने 125 करोड़ की ठगी की है। सोनू, सतीश व साहिल को ठगी की रकम का 10 प्रतिशत कमीशन मिलता था, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। राजवीर सिंह फिनो बैंक में फाइनेंस का काम करता था, जिस कारण वह कई बैंक कर्मियों के संपर्क में था।

इन बैंकों की पाई गई संलिप्तता

पुलिस की जांच में यूपी ग्रामीण बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, सीएसबी बैंक, यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक, यूको बैंक, सिटी यूनियन बैंक की संलिप्तता सामने आई है। इसके साथ ही पकड़े गए आरोपियों के पास 24 फर्जी जीएसटी फर्म, 16 म्यूल अकाउंट, 22 फर्जी सिम कार्ड, 9 मोबाइल मिले हैं।

कार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, छह घायल

बरात से लौटते समय सुबह बरखन के पास हुआ हादसा, दो गंभीर

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : बरात से लौट रहे लोगों की कार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे कार सवार छह लोग घायल हो गए। हादसा बरखन के पास धर्मकांटा मोड़ पर हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरिता सिंह, अनुपम सिंह, शीतल सिंह और साक्षी सिंह पुत्री शमशेर सिंह, निवासी ग्राम सब्जीपुर, खाता धौराटांडा, थाना भोजीपुरा की रहने वाली हैं। ये सभी नवादा इकरा मुल्ला निवासी अपने मौसेरे भाई आशीष बाबू की बरात में शामिल होने के लिए बहेड़ी स्थित शिव शक्ति बारात घर गई थीं। गुरुवार सुबह बरात से लौटते समय सभी लोग कार में सवार थे। कार में लड़कियों के मौसा छेदालाल आगे की सीट पर बैठे थे, जबकि चरन सिंह वाहन चला रहे थे।

इसी दौरान बरखन के पास धर्मकांटा मोड़ पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई हादसे में कार में सवार सरिता सिंह, अनुपम सिंह, शीतल सिंह और साक्षी सिंह, लोगों को चोटें आई हैं, और चालक चरन सिंह, और छेदालाल की हालत बहुत गंभीर बनी हुई है जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

घायल अनुपम ● अमृत विचार

शीतल ● अमृत विचार

सरिता ● अमृत विचार

साक्षी ● अमृत विचार

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग घायल

शेरगढ़, अमृत विचार : दावत खाकर घर वापस लौट रहे एक बुजुर्ग बाइक की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल बुज़ुर्ग को शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज को भर्ती कराया है। जहां उनकी हालत गंभीर बताई जाती है। थाना क्षेत्र के गांव जशनपुर निवासी बुजुर्ग लालता प्रसाद बृहस्पतिवार दोपहर गांव के निकट शेरगढ़–बहेड़ी मार्ग स्थित एक परिवार में आयोजित कार्यक्रम में दावत खाकर लौट रहे थे। तभी बाइक सवारों ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गये।

भाजपा नेता पर दर्ज मुकदमे की फाइल हुई बंद

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : पिछले वर्ष नगर पंचायत ईओ और भाजपा नेता आशीष अग्रवाल के बीच तनातनी से जुड़े चर्चित प्रकरण में बड़ा मोड़ सामने आया है। पुलिस विवेचना में मुकदमे को निराधार मानते हुए अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई है। वहीं, गृह विभाग ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए विधान परिषद की संसदीय सद्भावना समिति को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। चार मई को प्रस्तावित समिति की बैठक में इस प्रकरण पर सुनवाई होनी है।

गृह (पुलिस) अनुभाग-12 द्वारा जारी पत्र में विशेष सचिव पवन अग्रवाल ने समिति को अवगत कराया कि थाना फतेहगंज पश्चिमी में दर्ज मुकदमा की विवेचना के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान और घटनास्थल के निरीक्षण के आधार पर आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी। जांच में यह भी सामने आया कि शिकायत में लगाए गए गंभीर आरोपों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले।

मामले में शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप, जिनमें रिश्वत मांगने और अन्य गंभीर आरोप शामिल थे। जांच में असत्य पाए गए। इतना ही नहीं, जांच कमेटी की रिपोर्ट में भी आरोपों को निराधार बताया गया है। समिति की चार मई की बैठक में इस मामले पर विस्तृत चर्चा होने के बाद झूठी कार्यवाही पर विचार किया जा सकता है।

फतेहगंज पूर्वी में विवाहिता को घर से निकाला

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : शादी के 15 दिन बाद ही दहेज की मांग पूरी न करने पर ससुराल वालों ने विवाहिता को घर से निकाल दिया। विवाहिता ने अधिकारियों के आदेश पर ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्र के ग्राम टिसुआ निवासी समरीन पत्नी शैजेव ने लिखाई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी शैजेव से हुई थी। शादी में माता-पिता ने भरपूर दान दहेज दिया था परंतु ससुराल वाले दो लाख रुपए अतिरिक्त की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न करने पर ससुराल वालों ने समरीन को घर से निकाल दिया। समरीन ने ससुरालवालों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर
डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क | ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा | गर्दन दर्द (सर्वाइकल) | रीढ़ की चोट, टी.बी | सिर दर्द, माइग्रेन | कमर दर्द, कंधों में दर्द | पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ | सिर की चोट (हेड इंजरी) | हाथ पैरों में झनझनाहट | फालिज (लकवा) | नसों का दर्द | सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द) | दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
24 X 7 इमरजेंसी
NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डॉ. जतिन कुमार एम.बी.बी.एस. एम.डी. जनरल मेडिसिन कन्सलटेंट फिजिशियन एवं क्रिटिकेयर स्पेशलिस्ट
डॉ. जयन्त वर्मा बी.डी.एस., एम.डी.एस. (ओरल एण्ड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
डॉ. राम निवास एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता जनरल फिजिशियन
डाक्टर्स पैनल
डा. ओमवती | डा. सुजाय मुखर्जी | डा. आशुतोष कुमार | डा. अमन अग्रवाल | डा. कुन्दन कुमार | डा. प्रिया सिंह | डा. संजय सिंह | डा. अमित कुमार
उपलब्ध सुविधायें
निःशुल्क शिविर 1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक निःशुल्क जांच एवं परामर्श
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीर वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूं रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
कैशलेस इलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
8077344353
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डॉ. विनय गंगवार हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डॉ. आंचल अग्रवाल फीजिशियन
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बसंल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पीठ में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

न्यूज ब्रीफ

अशद ने किया 10वीं में स्कूल टॉप

टॉपर अशद

रिटौरा, अमृत विचार : दोआबा कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खजुरिया घाट का आईसीएसई हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम बृहस्पतिवार को घोषित हुआ। परीक्षा परिणामों में छात्र अशद खान ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर स्कूल टॉप किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया। निदेशक डॉ. हिमांशु गुप्ता और चेयरमैन बृजेंद्र कुमार गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षिका अलका कुमारी, कोमल, शकील, राहुल और प्रदीप ने सफल छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कोचिंग पढ़ने गए छात्र लापता, कानपुर में मिले

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के नकटिया से कोचिंग पढ़ने गए छठी तथा दूसरे क्लास के छात्र लापता हो गए। मामले में अज्ञात के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस हरकत में आई और छानबीन शुरू की। पुलिस तथा परिजनों द्वारा दोनों बच्चों की तलाश हेतु रिश्तेदारों से संपर्क स्थापित किया गया। पता चला कि बच्चे कानपुर में अपनी बुआ के घर चले गए थे। बच्चों को सकुशल बरेली लाया गया।

संदिग्ध हालात में किसान का शव नहर से बरामद

ससुराल में दावत से लौट रहे थे, शव के ऊपर बाइक गिरी मिली

संवाददाता,शेरगढ़

मृतक श्यामवीर

अमृत विचार : बाइक से देर रात ससुराल से वापस घर लौट रहे एक 45 वर्षीय व्यक्ति की पिपौली-रम्पुरा नहर में बाइक समेत गिरकर संदिग्ध मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेजा है।

मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र की पिपौली-सुकटिया पश्चिमी नहर में पिपौली के ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह एक व्यक्ति को नहर में मृत अवस्था में पड़ा देखा। मृतक के ऊपर बाइक पड़ी थी। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची और बाइक हटवाकर मृतक को बाहर निकाला। जिसकी पहचान श्यामवीर उर्फ श्याम बिहारी पुत्र रामस्वरूप (45 वर्ष) निवासी गांव रम्पुरा थाना शेरगढ़ के रुप में हुई। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेजा है। परिजनों ने बताया कि श्यामवीर थाना शाही के गांव बिहारीपुर अपने साले के बेटे की गोद भराई कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जो देर रात्रि अपने घर वापस लौट रहे थे। गुरुवार सुबह पिपौली-रम्पुरा नहर में मृत अवस्था में पड़े पाए गये । शव के ऊपर बाइक पड़ी थी। परिजन ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे । बताया कि परिजनों की ओर से मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

शव घर पहुंचने पर लगी ग्रामीणों की भीड़ और मौके पर पहुंची पुलिस ।

- साले के लड़के की गोद भराई कार्यक्रम में गये थे
- परिजन ने जताई है हत्या की आशंका, नहीं दी तहरीर

ज़िकरा हाई स्कूल और एमन बनी इंटर की टॉपर

संवाददाता, बहेड़ी

असीसी कांवेट में शिक्षकों ने बेहतर रिजल्ट आने पर छात्राओं के साथ खुशी मनाई । ● अमृत विचार

अमृत विचार :आईसीएसई बोर्ड परीक्षा के गुरुवार को आए रिजल्ट में असीसी कान्वेंट स्कूल के बच्चों का शानदार प्रदर्शन रहा।कक्षा 10 की छात्रा ज़िकरा ने 97.4 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल टॉप किया। कक्षा 12 (विज्ञान वर्ग) की स्टूडेंट एमन निशात ने 97.25 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में पहली पोजीशन हासिल की, वहीं कॉमर्स वर्ग में प्रियांशी ने 93.5 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल में पहला स्थान पाया। रिजल्ट में स्कूल की छात्राओं का दबदबा रहा।

आईसीएसई बोर्ड का रिजल्ट आने पर स्कूल में ख़ुशी का माहौल रहा। शानदार प्रदर्शन पर स्टूडेंट्स के साथ टीचर्स भी काफी खुश थे। कक्षा 10 में स्कूल टॉप करने वाली ज़िकरा नूरी ने हिस्ट्री और केमिस्ट्री सब्जेक्ट में 100-100 नम्बर हासिल किए। दूसरे नम्बर पर मंशाद कबीर रहे, जिन्होंने 88.6 प्रतिशत अंक हासिल किए।मोहम्मद अरीब

एमन निशात

ज़िकरा

ने 85.8 अंक लाकर तीसरा तो 85.4 प्रतिशत अंक लाकर हर्षिता चौथे स्थान पर रही।कक्षा 12 (विज्ञानं वर्ग) में स्कूल टॉप करने वाली एमन निशात ने अंग्रेजी में 98,फिज़िकल एजुकेशन में 99 और फिज़िक्स में 93 अंक हासिल किए। दूसरे नम्बर पर रिया चौधरी और ज़ियाउल रहमान रहे, जिन्होंने 94-94 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि मुर्शिदा और आयशा 93-93 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहीं। कक्षा 12 कॉमर्स वर्ग में ज़ुबिया फातिमा ने 91 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि ज़ुबैबा 90 प्रतिशत अंक तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रिंसिपल सिस्टर सिंधिया ने अच्छा प्रदर्शन करने पर स्टूडेंट्स को बधाई दी। वाइस प्रिंसिपल सिस्टर जोन्स, संजय ढोडियाल,टंडन सर,योगेंद्र सर और नेगी सर आदि मौजूद रहे।

टीम को मिला ठेले पर सड़े आम का जूस

संवाददाता, नवाबगंज,

- एसडीएम और सीओ आवास के पास बिक रहा था सेहत के लिए हानिकारक जूस
- खाद्य विभाग के छापे से मचा हड़कंप, नष्ट कराया दो डिब्बो में बनाया गया जूस
- शिकायतों पर हुई खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाई से कई दुकानों के शटर गिरे

अमृत विचार: एसडीएम और सीओ आवास के पास संचालित जूस की दुकानों पर गुरुवार को खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर सैंपल लिए और साफ-सफाई व गुणवत्ता की जांच की। टीम के पहुंचते ही जूस विक्रेताओं में हड़कंप मच गया ।

नगर में आम, मौसमी, अनार और बेल का मिलावटी जूस बेचने की लगातार शिकायत के आधार पर फूड इंस्पेक्टर तेज बहादुर के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आईं।

जांच के दौरान एसडीएम आवास के पास एक ठेले पर सड़ा हुआ आम का जूस पाया गया, जिससे तेज दुर्गंध आ रही थी। फूड इंस्पेक्टर ने मौके पर ही उसकी गुणवत्ता जांची और उसे अनुपयोगी पाते हुए जूस से भरे दो डिब्बों को नष्ट करा दिया।

इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुछ दुकानदारों को नोटिस भी जारी किए गए।

छापेमारी अभियान नगर पालिका क्षेत्र, खारजा मार्ग और मुख्य बाजार तक चलाया गया। कार्रवाई की सूचना फैलते ही किराना, मिठाई और जूस की कई दुकानों के शटर गिर गए और बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

नाली में आम का सड़ा जूस बहाते फूड इंस्पेक्टर ● अमृत विचार

खेत की पैमाइश में हुए झगड़े में दो भाई गंभीर घायल

फतेहगंज पूर्वी,अमृत विचार : खेत की पैमाइश करने पर हुए झगड़े में दो भाई घायल हो गए । पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को उपचार हेतु भेजा है ।

क्षेत्र के ग्राम डगरोली निवासी चरण सिंह ने बताया कि उनका भाई अपने खेत की पैमाइश राजस्व विभाग की टीम द्वारा करा रहा था । उसी दौरान गांव के ही कप्तान, प्रदीप ,लवेश ,आदि लोग वहां आ गए और पैमाइश करने का विरोध करने लगे जब उसने विरोध करने को मना किया तो उक्त लोगों ने चरण सिंह को व उसके भाई पेशकार को जमकर मारा पीटा जिससे दोनों भाई घायल हो गए । थाने पहुंचे चरण सिंह ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है । पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिना मान्यता चल रहा स्कूल,नोटिस

संवाददाता, शीशगढ़

बगैर मान्यता के चल रहे स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे बीईओ ● अमृत विचार

- बीईओ टीम के साथ पहुंचे दस्तावेज नहीं दिखा पाएं स्कूल संचालक, अब होगी कार्रवाई

अमृत विचार: स्कूल का छज्जा गिरने के बाद जांच को पहुंची शिक्षा विभाग की टीम को स्कूल संचालक मान्यता के कागज नहीं दिखा सके। बीईओ ने मामले में जांच के आदेश दिये हैं और अभियान चलाकर क्षेत्र में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों की जांच करने की बात कही है।

मंगलवार को कस्बे के मोहल्ला दर्जी चौक मे बिना मान्यता के मिशन स्कूल में दोपहर छज्जा गिरने से तीन छात्राएं घायल हो गई थी। गुरुवार दोपहर बीईओ मुकेश भारती के साथ टीम ने स्कूल का स्थलीय निरीक्षण किया। वहां स्कूल संचालक अफसरों को कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। स्कूल में सौ से डेढ़ सौ बच्चे पढ़ने आते हैं। स्कूल के प्रबंधक अशद ने कस्बे के अतीकुरहमान से उनकी दो मंजिला बिल्डिंग किराए पर ली और उसमें कक्षाएं शुरू कर दी ,घटना का खुलासा तब हुआ जब घायल छात्राओं की पहचान शादिका (13 वर्ष, कक्षा 7), लेजी (14 वर्ष, कक्षा 8) और कसीदा (13 वर्ष, कक्षा 7) के रुप में हुई।

स्कूल संचालक अशद ने बताया कि उनके पास मान्यता नहीं है और उन्होंने इसके लिए आवेदन किया है। फिलहाल वे इसे कोचिंग सेंटर के तौर पर चलाकर बच्चों को शिक्षा देते हैं, जिसमें लगभग 120 बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं।

बीईओ मुकेश भारती ने बताया कि कस्बे में अजीज फातिमा एकेडमी और मिशन एकेडमी का निरीक्षण किया दोनों ही स्कूल संचालक दस्तावेज नहीं दिखा पाए दोनों पर जांच कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी ।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

हम पति पत्नी अपने पुत्र मो. फहीम खान को उसके दुर्व्यवहार के कारण उससे सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। वह अपने कृत्यों व लेनदेन का स्वयं जिम्मेदार होगा। **मकबूल खान पुत्र मकसूद खां एवं हाजरा पत्नी मकबूल खान निवासीगण ग्राम भिन्डौलिया पो. पदारथपुर थाना बिथरी चैनपुर, जिला बरेली।**

BIMT
BADAUN INSTITUTE OF MANAGEMENT & TECHNOLOGY
(Affiliated to M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly)
REQUIRED
Candidates for B.Ed. Course
1- Principal/HOD 01
2- Perspectives in Education 01
3- Pedagogy Subject 03
(Math, Science, Social Science, Language)
4- Health and Physical Education 01
5- Fine Art 01
6- Performing Arts (Music/Dance) 01
Qualification/Experience as per NCTE/UGC Norms. Submit your Resume within 07 Days in the BIMT.
Campus: Kakrala road, near Mandi Samiti, Badaun (U.P.)
E-mail: bimtbudaun@gmail.com
Contact: 9897777709, 9897777797

सूचना

मैंने अपने पुत्र हसीम खां को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **कयूम खां पुत्र मुस्तजाब खां नि मो. हुसैनीनगर वार्ड नं. 15 कस्बा व पोस्ट भीरा परगना भूड़ तहसील पलिया जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में नाम संजू अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम राखी है। संजू और राखी यह दोनों नाम मेरे ही है और मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **राखी पत्नी श्री लाला राम निवासी ग्राम व पोस्ट चनेहटी थाना कैंट बरेली।**

NOTICE

I, Gaurav Kumar, son of Mr. Jay Prakash Rastogi resident of 16, Laxmi Nagar, Bareilly, hereby declare that in my son Pranav Rastogi's School (Hartmann College, Bareilly) documents, my name has been incorrectly recorded as "Gaurav Rastogi", whereas my correct name is "Gaurav Kumar", Gaurav Rastogi and Gaurav Kumar are the names of one and the same person.

सूचना

मैंने अपने पुत्र अतुल कश्यप व उसकी पत्नी काजल कश्यप को गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखलकर संबंध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में ये अपने समस्त कृयों व लेनदेन के स्वयं जिम्मेदार होंगे। **लुसी पत्नी राजकुमार निवासी गंगानगर कॉलोनी नंदोषी सीबीगंज बरेली।**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
सम्पर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

कैंट में सैन्य कर्मी को घूंसा मारकर चेन लूटी, बदमाश फरार

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में खाना खाकर टहल रहे व्यक्ति से मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात बदमाशों ने रोककर गले से सोने की चेन झपट्टा मार कर छीन ली। जब पकड़ने का प्रयास किया, तो बदमाश ने चेहरे पर घूंसा मार कर गिरा दिया और फरार हो गए। पीड़ित ने कैंट थाने में दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लखनऊ थाना पीजीआई तेलीबाग के सेनानी बिहार निवासी ऋषभ गुप्ता ने बताया, कि वह बरेली के रक्षा संपदा अधिकारी के उपमंडल अधिकारी कार्यालय में कार्यरत हैं। बुधवार रात करीब 8:15 बजे खाना खाकर छावनी चिकित्सालय के सामने से टहलते हुए तक्षशिला स्कूल की तरफ पहुंचे थे। इसी दौरान बाइक पर आए दो बदमाशों ने टहलने का कारण पूछा वह कुछ बोल पाते इसके पहले ही पीछे बैठे बदमाश ने कंधे पर हाथ रखा, और अचानक उनके गले में पहने सोने की चेन पर झपट्टा मार कर छीन लिया। उन्होंने उसे पकड़ने का प्रयास किया, तो उसने दूसरे हाथ से उनके चेहरे पर जोरदार घूंसा मार दिया। जिससे वह गिर गए, और उन्हें चेहरे पर अंदरूनी गुम चोटें आई हैं।

महिलाओं ने निकाली जनाक्रोश पदयात्रा

संवाददाता, क्योलड़िया,

क्योलड़िया में जनाक्रोश यात्रा में शामिल सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ।

अमृत विचार : भदपुरा मंडल एवं सुंदरी मंडल क्षेत्र में गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा "जनाक्रोश महिला पदयात्रा" में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। पदयात्रा का नेतृत्व भाजपा जिला मंत्री एवं जिला कार्यक्रम संयोजक डॉ. मीनाक्षी गंगवार ने किया। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार मुख्य अतिथि रहे। पदयात्रा केला डांडी से शुरू होकर एसएसटी पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष जयदीप सिंह, सुरेंद्र वीर, रविंद्र गंगवार, पीतांबर, प्रधान जयवीर सहित रेनू, जशोदा, गायत्री समेत काफी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

भमोरा,में गुरुवार को जन आक्रोश महिला पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा का शुभारंभ ब्लॉक सभागार भमोरा से हुआ, जो मुख्य चौराहे भमोरा तक पहुंच कर संपन्न हुई। भाजपा जिला उपाध्यक्ष आंवला शिव प्रताप सिंह मुख्य अतिथि रहे संयोजन ब्लॉक प्रमुख आरती यादव ने किया। इस अवसर पर आरती यादव ने कहा कि नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर उन्हें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख वेद प्रकाश यादव, मं रामेंद्र सिंह चौहान, गौरव शर्मा, रामफूल सिंह चौहान, डॉ. तिलक राम गोले समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चार मौतों के बाद वर्कशाप संचालक हुआ गिरफ्तार

नवाबगंज,अमृत विचार: बरखन रोड स्थित श्मशान भूमि के पास अवैध रूप से चल रहे एक वर्कशॉप में गैस रिफिलिंग के दौरान हुए भीषण हादसे में चार किशोरों की मौत के बाद आखिरकार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है,

घटना 18 अप्रैल की शाम एसके बाबू के वर्कशॉप में एक ईको कार के टैंक में गैस भरते समय अचानक आग लग गई। इसमें वहां मौजूद कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

हादसे के अगले दिन प्रभात नगर निवासी अजीत (13) की मौत हो गई। इसके बाद यासीन नगर बस्ती के अर्सिल (14) और फिर साहिल रजा ने भी दम तोड़ दिया। लगातार तीन मौतों के बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। 21 अप्रैल को घायल छात्र अरमान के पिता बाबू ने वर्कशॉप संचालक समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस की कार्रवाई सुस्त रही। 28 अप्रैल को इलाज के दौरान अरमान की भी मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या चार हो गई। अरमान का शव जब बस्ती पहुंचा तो लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। स्थिति बिगड़ती देख कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया गया।, पुलिस ने वर्कशॉप संचालक एसके बाबू को हिरासत में लेकर गुरुवार को जेल भेज दिया।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
8445507002
9756905552

BASUBARAL SARASWATI VIHAR
SENIOR SECONDARY SCHOOL
AFFILIATED TO C.B.S.E. DELHI
Air-Conditioned Kindergarten Classrooms
NC, LKG & UKG No Admission Fee
(For Classes NC, LKG, UKG, I & II)
Entrance Test for Admission For Classes III to IX
Admission Fee Discount (Based on Test Criteria)
PCM/PCB/Commerce/Humanities Session 2026-27
7983035601, 8791688082, 8869098082
More Information : www.basubaral.com

ST. XAVIER SCHOOL
(Affiliated to ICSE)
CHANETI, SAINIK VIHAR, BAREILLY CANTT.
Rishabh Saxena 99.82 Percentile JEE 2026
NO ADMISSION FEES
NO COMPOSITE FEES
ONLY TUITION FEES
Rs. 2400/- Per Month Class-XI (Science/Commerce)
ADMISSION OPEN M. 9997697263
Munshi Nagar Akansha Enclave
DELAPEER KAILASH PURAM
M. 7310623798 M. 7310623798

केवि इफ्को में तीन दिनी खेलकूद महाकुंभ का समापन

संवाददाता, आंवला

इफ़को आंवला में हुए खेल महाकुंभ में विजई प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि । ● अमृत विचार

अमृत विचार : केन्द्रीय विद्यालय इफ्को आंवला के प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय 55वीं संभागीय (लखनऊ संभाग) खेलकूद प्रतियोगिता (बालक वर्ग- 14, 17 एवं 19 वर्ष) का समापन हुआ। खेल महाकुंभ में लखनऊ संभाग के विभिन्न विद्यालयों से आए 27 स्काउट्स और 140 प्रतिभागियों ने बैडमिंटन और बास्केटबॉल जैसी स्पर्धाओं में अपना दमखम दिखाया।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन बास्केटबॉल का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का रिजल्ट भी घोषित किया गया। बास्केटबॉल में केवि जेआरसी बरेली और केवि अलीगंज के बीच हुए कड़े मुकाबले में जेआरसी ने 43-13 से जीत दर्ज कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बैडमिंटन में अलग-अलग आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें 14 वर्ष आयु वर्ग के अन्वय (केवि बीकेटी लखनऊ) प्रथम रहे। आयु वर्ग 17 में अरिंजय सिंह (पीएम केवि अलीगंज प्रथम पाली) ने बाजी मारी। आयु वर्ग 19 में अमन (केवि एनईआर बरेली) प्रथम स्थान पर रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इफ्को आंवला इकाई के प्रमुख सत्यजित प्रधान ने विजयी प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण खेल में प्रतिभाग करना और अनुशासन सीखना है। विशिष्ट अतिथि आर.के. शर्मा (वरिष्ठ महाप्रबंधक, इफ्को) ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के समापन पर छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, ।

इस दौरान प्रदर्शन के आधार पर प्रत्येक श्रेणी से उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जहाँ वे लखनऊ संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।कार्यक्रम का संचालन ज्योति राठौर द्वारा किया गया। खेल शिक्षक नूतन सिंह, शिव शंकर सिंह, अम्भोज वाजपेयी और दीपक त्रिपाठी भी शामिल रहीं।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवक को छत से धकेला

भमोरा, अमृत विचार : महिला से छेड़छाड़ का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि पड़ोस के दो युवकों ने विरोध करने पर उसे छत से नीचे फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना पुलिस को तहरी दे कार्रवाई की मांग की। थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार सुबह करीब 11 बजे वह घर में स्नान कर रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले दो युवक छत पर चढ़ गए और उसे देखकर अश्लील हरकतें करने लगे। यह देख महिला के जेठ श्यामलाल छत पर पहुंचे और दोनों युवकों का विरोध किया। आरोप है कि इससे नाराज युवकों ने महिला के जेठ को छत से नीचे धक्का दे दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। एसएसआई धर्मेंद्र पवार ने बताया कि महिला की तहरीर मिली है। घायल को उपचार हेतु सीएचसी भेजा गया है जांच की जा रही है।

नाबालिग को फुसला कर ले गया युवक

बहेड़ी, अमृत विचार : शहर से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हार्दिक शर्मा पुत्र राम सरन निवासी ग्राम हरदुआ थाना नवाबगंज जनपद बरेली सहित एक अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि ये लोग बहेड़ी नगर से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गए। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच प्रेम प्रसंग होने की चर्चा है। हालांकि लड़की के नाबालिग होने के चलते पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली, और मामले की गंभीरता से जाँच कर रही है। फिलहाल हर पहलू पर जांच कर रही है।

शिक्षक की हादसे में मौत पर शोकसभा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में राजनीति शास्त्र के शिक्षक मिन्नी यादव की सड़क हादसे में हुई मौत, एडवोकेट इमरान अंसारी के आवास पर तमाम लोगों ने शोकसभा कर जताया दुख दी भावभीनी श्रद्धांजलि, बुधवार की दोपहर जौनपुर में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बरेली कालेज के शिक्षक मिन्नी यादव की मौत हो गई, और उनके भाई गंभीर रूप से घायल हो गये। शोकसभा में महेश गंगवार, अब्दुल इमरान, अरुण यादव, विशाल यादव, अशोक यादव, मोहम्मद जहीर, हेमंत यादव, असद अंसारी, आफताब आलम आदि तमाम लोगों ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक मिन्नी यादव सरल, सौम्य और सामाजिक स्वभाव के व्यक्ति थे उनको हमेशा याद रखा जाएगा।

रूविवि के इंजीनियरिंग छात्र किसानों को सिखाएंगे इफ्को नैनो तकनीक

रुहेलखंड विश्वविद्यालय इफको नैनो तरल उर्वरक जागरुकता महाभियान

संवाददाता, आंवला

इफको नैनो तरल उर्वरक जागरुकता महा अभियान की जानकारी देते एमएस करुणा

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र इफको नैनो तरल उर्वरक की गुणवत्ता और अन्य लाभ को सीखकर किसानों को बताएंगे कि ड्रोन से फसलों पर कैसे नैनो उर्वरक का छिड़काव किया जाएगा। छिड़काव से अधिकतम लाभ कैसे मिल सकेगा। किफायती खेती के गुर सीखकर किसान अपनी उपज और आय को कैसे दोगुना कर सकते हैं इसकी भी जानकारी युवा इंजीनियर किसानों को देंगे। यह जानकारी रुहेलखंड केमिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष एमएस करुणा ने दी।

बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय इफको नैनो तरल उर्वरक जागरुकता महाभियान से जुड़ने बाद युवा इंजीनियर किसानों को नैनो तकनीक से सफल और किफायती खेती कैसे की जा सकती है इसे किसानों को सिखाएंगे।

इसके लिए रुहेलखंड विश्वविद्यालय के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में हुए व्याख्यान में आधुनिक कृषि और तकनीक के संगम की नई दिशा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में युवा इंजीनियरों को इफको के नैनो उर्वरकों की गुणवत्ता और ड्रोन आधारित छिड़काव तकनीक की उपयोगिता से रूबरू कराया गया, जिससे खेती को अधिक किफायती, वैज्ञानिक और परिणामकारी बनाने की संभावनाओं पर जोर दिया गया।

व्याख्यान में इफको के विशेषज्ञों ने नैनो उर्वरकों और आधुनिक कृषि तकनीकों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इफको आंवला इकाई के प्रमुख डॉ. अरविंद ढाका ने बताया कि मिट्टी का स्वास्थ्य और उसमें मौजूद नाइट्रोजन, फास्फोरस व

• व्याख्यान में केमिकल इंजीनियरिंग के छात्रों को बताई नैनो इफ्को की गुणवत्ता और तकनीक

पोटेशियम फसलों की वृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने किसानों को बुवाई से पहले मिट्टी परीक्षण कराने की सलाह दी, ताकि रासायनिक उर्वरकों की खपत कम कर कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम में ड्रोन तकनीक के माध्यम से नैनो तरल उर्वरकों के छिड़काव के फायदे भी समझाए गए। जनसंपर्क अधिकारी विनीत शुक्ल ने बताया कि इफको द्वारा देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने ड्रोन के जरिए उर्वरक छिड़काव का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

आपत्तिजनक वीडियो से सिख समाज में गुस्सा

बहेड़ी, अमृत विचार : गुरु ग्रंथ साहिब और गुरु नानक देव जी को लेकर एआई से बनाई गई एक आपत्ति जनक वीडियो से सिख समाज में भयंकर रोष है। एआई से बनाई गई यह वीडियो इंस्टाग्राम पर डाली गई है। वीडियो को किसने अपलोड किया है, यह जानकारी नहीं है, अलबत्ता इस वीडियो से मजहबी भावनाएं आहत हो रही हैं। सिख समाज में इस वीडियो को लेकर जबरदस्त गुस्सा है।

असीसी कांवेंट में इंटर/ हाईस्कूल के टॉपर

रिया चौधरी 94 प्रतिशत

जियाउर रहमान 94 प्रतिशत

आयशा 93 प्रतिशत

मुर्शिदा 93 प्रतिशत

प्रियांशी गंगवार 93.75 प्रतिशत

जुबिया फातिमा 91 प्रतिशत

जुबैबा 90 प्रतिशत

मंशद कबीर कक्षा 10 88.6 प्रतिशत

अरीब रजा कक्षा 10 85.8 प्रतिशत

इंटर कॉलेज के मेधावियों का हुआ सम्मान

संवाददाता, मीरगंज

कालेज में हुए समारोह में मेधावी छात्रा को स्मृति चिन्ह देते निदेशक।

अमृत विचार: यूपी बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए एक स्वामी दयानंद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुए कार्यक्रम में विद्यालय का गौरव बढ़ाने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं हाईस्कूल में प्रथम स्थान उत्सव वन, द्वितीय स्थान गरिमा शर्मा, और तृतीय स्थान सतेंद्र सिंह ने प्राप्त किया।

वहीं इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान करिश्मा गंगवार, द्वितीय स्थान कीर्ति शर्मा, व तृतीय स्थान प्रिंस ने प्राप्त किया।

सम्मान समारोह में विशेष सम्मान भी दिए गए जिसमें इंटरमीडिएट के छात्र अनुज कुमार ''इंस्पायर अवार्ड योजना'' में चयन होने पर व छात्रा सलोनी गंगवार को हाई स्कूल 2025 की बालिकाओं में जिले में चौथा स्थान प्राप्त करने पर ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' अभियान के तहत प्रबंध समिति द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक डॉ सत्यवीर गंगवार एवं निदेशक पंकज गंगवार, संरक्षक डा. वीरेन्द्र प्रताप गंगवार, प्रधानाचार्य आदेश पाल गंगवार व उप प्रधानाचार्य जसवीर गंगवार, ने सभी सफल विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया।

बिना हेलमेट रोकने पर युवक से मारपीट

अलीगंज, अमृत विचार : अलीगंज में पुलिस पर अभद्रता और मारपीट के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस की कथित ज्यादती का शिकार हुए एक युवक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम युवक दवा लेने घर से निकला ही था कि करीब 40 मीटर दूर पुलिस ने उसे बिना हेलमेट के रोक लिया। आरोप है कि मौके पर मौजूद दरोगा और कांस्टेबल ने चालान काटने के बजाय 2000 रुपये की मांग की। युवक का कहना है कि जब उसने इसका वीडियो बनाना शुरू किया तो पुलिसकर्मी उसे जबरन थाने ले गए, जहां एक कमरे में ले जाकर उसके साथ मारपीट की गई और झूठे मामले में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी गई। पीड़ित के अनुसार, मारपीट में उसके कान में गंभीर चोट आई है, जिससे सुनने में दिक्कत हो रही है। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसकी बाइक को अवैध रूप से थाने में रोक लिया गया थाना प्रभारी निरीक्षक जगत सिंह ने आरोपों को निराधार बताया। युवक नशे की हालत में वाहन चला रहा था कोई वैध कागजात भी नहीं थे।

बीडीएम स्कूल में हुआ छात्र संगठन का गठन। • अमृत विचार

छात्र परिषद का गठन कर पदभार ग्रहण कार्यक्रम

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: गुरुवार को बीडीएम पब्लिक स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्र परिषद के गठन किया गया। इसमें कक्षा 12 के आफताब को हेड बॉय तथा गौरिका सिंह को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। हाउस कैप्टन के रूप में रेड हाउस से देवांश गौर एवं जिज्ञासा, ब्लू हाउस से प्रिंस शर्मा एवं श्रद्धा, ग्रीन हाउस से फर्दीन एवं रिद्धि तथा येलो हाउस से आशमित एवं आयुषी रस्तोगी को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने किया

• समारोह में आफताब हेड ब्याय गौरिका बनी हेड गर्ल

समारोह में छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नृत्य प्रस्तुतियों ने और भी आकर्षक बना दिया, निदेशक अचल मिश्रा ने नेतृत्व और अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थापक रमेश चंद्र मिश्रा ने नवनिर्वाचित परिषद को शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि ने विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।प्रधानाचार्या डॉ. चारु खन्ना ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

रंजिश में युवक से मारपीट, मुकदमा दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम पनवडिया में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता के अनुसार, उसका पति देवेन्द्र खेत पर अकेला था। इसी दौरान गांव के ही लक्ष्मन, कपिल और देवदत्त वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर तीनों ने देवेन्द्र को पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की। मारपीट के दौरान लक्ष्मन ने जान से मारने की नीयत से देवेन्द्र का गला दबाने का प्रयास किया।

डोडा छिलका समेत दो तस्कर गिरफ्तार

भमोरा, अमृत विचार : पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8 किलो 289 ग्राम डोडा छिलका बरामद किया। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक लाख रुपये है। गुरुवार सुबह चांडपुर बल्लिया मार्ग पर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो युवक पुलिस को देख भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

सड़क किनारे चारपाई पर सो रहे पिता-पुत्री को कार ने रौंदा, मौत

संभल, अमृत विचार: जुनावई थाना क्षेत्र में मेरठ-बदायूं मार्ग पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर चारपाई पर सड़क किनारे सो रहे पिता और मासूम पुत्री को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

तहसील गुन्नौर के थाना जुनावई क्षेत्र के गांव दुवारी कलां में सलीम (40) और उनकी आठ वर्षीया पुत्री अलशिफा रोज की तरह घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे बदायूं नंबर की एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे आ गई और घर के बाहर चारपाई पर सो रहे सलीम (40) और उनकी पुत्री अलशिफा को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारपाई के परखच्चे उड़ गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद भी कार नहीं रुकी और आगे जाकर बिजली के खंभे और एक ई-रिक्शा से टकरा गई। दुर्घटना के बाद चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। परिजन घायल पिता-पुत्री को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

नाबालिग को दूसरी बार ले गया आरोपी, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया। आरोपी ने दूसरी बार घटना को अंजाम दिया है। जब आरोपी युवक उसी लड़की को अपने साथ ले गया है।

मीरगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग बेटी को रात करीब 10 बजे आरोपी अमन बहला-फुसलाकर ले गया। अमन किला थाना क्षेत्र के अलखनाथ का रहने वाला है। बेटी के घर से गायब होने पर परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी अमन पहले भी उनकी बेटी को इसी तरह अपने साथ ले जा चुका है। परिवार को किसी अनहोनी की आशंका सता रही है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी अमन के खिलाफ अपहरण और प्रलोभन से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

अलग-अलग सड़क हादसों में नव विवाहिता समेत आठ लोगों की मौत, तीन गंभीर घायल

संवाददाता, खुटार/पुवायां

• शाहजहांपुर-पलिया हाईवे पर टैंकर ने कार को मारी टक्कर, चार की मौत

• दूसरे हादसे में पति-पत्नी और दो बच्चों की जान गई

अमृत विचार : अलग-अलग सड़क हादसों में नव विवाहिता और दंपती समेत आठ लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। शाहजहांपुर-पलिया रोड पर टैंकर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में नव विवाहिता समेत चार लोगों की मौत हो गई। कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं पलिया हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दंपती और दो बच्चों की मौत हो गई।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव अगौना खुर्द निवासी अनिल वर्मा ने बताया कि उनके इकलौते बेटे रुहबिल वर्मा की शादी 25 अप्रैल को खुटार के गांव पिपरिया भागवत निवासी रामनरेश की पुत्री कल्पना वर्मा (22) से हुई थी। गुरुवार को अनिल वर्मा अपनी बहन रीता वर्मा, अनिमेष उर्फ सार्थक वर्मा निवासी बरबर थाना मोहम्मदी, श्रेष्वी वर्मा निवासी पुरैना पुवायां, आयांश वर्मा निवासी महमदपुर खीरी, 30 वर्षीय निर्देश वर्मा निवासी उधनापुर खीरी के साथ पुत्र वधू की दूसरी विदा कराकर घर वापस आ रहे थे तभी रौतापुर कला गांव के सामने डीजल भरे टैंकर ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार पलट गई। कार में सवार कल्पना वर्मा, रीता वर्मा (32) और श्रेष्वी वर्मा (20) की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अनिल वर्मा, निर्देश, अनिमेष उर्फ सार्थक को सीएचसी भेज दिया। हालत गंभीर होने पर निर्देश वर्मा को मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

दूसरा हादसा पलिया स्टेट हाईवे पर मैनारी गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार निगोही के मोहल्ला रामनगर बगिया निवासी अरुण कुमार (40) की ससुराल पुवायां के गांव सिरखिड़ी में है। गुरुवार को अरुण अपनी पत्नी सीमा (35) बेटी दीक्षा (8) और बेटे नैतिक (6) के साथ अपने घर निगोही बाइक से आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पुवायां थाना क्षेत्र के भूड़ा मैनारी ओवरब्रिज के पास पहुंची वैसे ही तेज गति से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 01 वर्ष 2026-27

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **कार्यों का विवरण:-** 1. इज्जतनगर मंडल के भोपतपुर स्टेशन पर प्राईवेट साइडिंग के कारण Hitachi STS मेक इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग में आल्ट्रेशन एवं अन्य विभिन्न सिगनलिंग कार्य।, **अनुमानित लागत:-** ₹ 46,92,553.10, **बयाना राशि:-** ₹ 93,900, **कार्य समापन अवधि:-** 3 माह, **कार्यों का विवरण:-** 2. इज्जतनगर मंडल छह स्टेशनों (बरेली जं., भोजीपुरा, खटीमा, बिलासपुर, फतेहगढ़ एवं कायमगंज) पर कोच गाइडेन्स डिस्पले सिस्टम का प्रावधान।, **अनुमानित लागत:-** ₹ 2,69,87,925.51, **बयाना राशि:-** ₹ 5,39,800, **कार्य समापन अवधि:-** 9 माह, **ई-निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:-** दिनांक 19.05.2026 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर, इज्जतनगर
मुजाधि/सिग्नल-20

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **क्रं०सं०:-** 1, **ई-प्रापण निविदा संख्या:-** उपमु०ई०-नि०-मुख्या०-गोर०-02 -2026, **कार्य का नाम:-** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल के गोरखपुर कैण्ट-वाल्मिकिनगर दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत फेज-I व II (गोरखपुर कैण्ट (सहित) से कप्तानगंज (सहित)) के मध्य बचे हुए विविध कार्य।, **अनुमानित निविदा मुल्य:-** 44266761.72, **बयाना राशि (रु०):-** 885300.00, **निविदा प्रपत्र का मुल्य (रु०):-** 0.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:-** 04 (चार) माह, • **बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथि** - 08.05.2026, • उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि- दिनांक 22.05.2026 को 15.00 बजे तक, • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक 22.05.2026 को 15.30 बजे, • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।, • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/नि0/मुख्या0/गोरखपुर
मुजाधि/डब्लू-58

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्रा.पं. भवानीपुर नगला विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भवानीपुर नगला में गौवंश आश्रय स्थल विकास खंड इस्लामनगर जिला बदायूं में गोबर खाद की नीलामी दिनांक 04.05.2026 को पंचायत भवन पर दोपहर 12:00 बजे की जाएगी।

प्रधान सचिव

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गौरव गुप्ता व श्री सौरभ गुप्ता निवासी-9ए लोहिया विहार आवासीय योजना सी0बी0 गंज, बरेली द्वारा भूखण्ड स0-9ए लोहिया विहार योजना, क्षेत्रफल 316.50 वर्गमी0, पर व्यवसायिक क्रिया के अन्तर्गत स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना 2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग आवासीय दर्शित है। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण माडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा माडल जोनिंग रेग्यूलेशन-2025 के प्रस्तर 15.3.2 के क्रम स0-2.2 के अन्तर्गत व्यवसायिक क्रिया आवासीय भू-उपयोग 12.00 मी0 चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है। स्थल के सम्मुख 60.00 मी0 चौड़ा मार्ग स्थित है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु सं0-(iv) में उल्लेख है कि "महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित लेआउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित करने के उपरांत दी जाएगी।" उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति / सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव को स्वीकार नही किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गौरव गुप्ता व श्री सौरभ गुप्ता निवासी-9 लोहिया विहार आवासीय योजना सी0बी0 गंज, बरेली द्वारा भूखण्ड स0-9 लोहिया विहार योजना, क्षेत्रफल 351.50 वर्गमी0, पर व्यवसायिक क्रिया के अन्तर्गत स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना 2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग आवासीय दर्शित है। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण माडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा माडल जोनिंग रेग्यूलेशन-2025 के प्रस्तर 15.3.2 के क्रम स0-2.2 के अन्तर्गत व्यवसायिक क्रिया आवासीय भू-उपयोग 12.00 मी0 चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है। स्थल के सम्मुख 60.00 मी0 चौड़ा मार्ग स्थित है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु सं0- (iv) में उल्लेख है कि "महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित लेआउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित करने के उपरांत दी जाएगी।" उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति / सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव को स्वीकार नही किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत सुरला विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - सुमन देवी सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत रहपुरा करीम बक्श विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - शशि गंगवार सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत सफरी विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - अंजली गंगवार सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत खितौसा विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - मुनीश गंगवार सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत गोपालपुर अजीजपुर विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 12.05.2026 को अपरान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 12.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - नीतू कुमारी सचिव- अजय वंश

न्यूज ब्रीफ

मतगणना केंद्रों में प्रवेश के लिए क्यूआर आधारित फोटो आईडी

नई दिल्ली। हाल में संपन्न उपचुनाव के बाद चार मई को मतगणना केंद्रों में अनधिकृत लोगों के प्रवेश की संभावना को समाप्त करने के लिए निर्वाचन आयोग ने क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र व्यवस्था की शुरुआत की है। आयोग ने बताया कि यह व्यवस्था चार मई को पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना के साथ प्रभावी होगी और भविष्य के सभी लोकसभा, विधानसभा और उपचुनावों में एक मानक प्रक्रिया होगी। आयोग के मुताबिक मतगणना केंद्रों पर पहचान सत्यापन के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। पहले और दूसरे स्तर पर फोटो पहचान पत्रों की जांच की जाएगी। सबसे भीतरी सुरक्षा घेरे में क्यूआर कोड की सफल स्कैनिंग के बाद ही कर्मी को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

ओडिशा: सहकर्मी के यौन उत्पीड़न पर दो अधिकारी गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा के बरगढ़ जिले में सरकारी स्कूल और जन शिक्षा विभाग की महिला कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में दो शिक्षा सेवा अधिकारियों और एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। इनमें जिला शिक्षा अधिकारी ज्योति कांत साहू, बरगढ़ ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र साहू और सतलमा स्कूल के शिक्षक समीर पाणिग्रही शामिल है। पीड़िता के यौन उत्पीड़न के आरोप की विभागीय जांच में पुष्टि होने के बाद तीनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार उपजिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट में तीनों के खिलाफ यौन उत्पीड़न, पद के दुरुपयोग और वसूली करने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

लद्दाख को राज्य के दर्जे की मांग पर चुप क्यों सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह की लद्दाख यात्रा के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार लद्दाखवासियों की मांगों पर चुप है और उसे केंद्र से संविधान की छठी अनुसूची के तहत संरक्षण प्रदान करने और राज्य का दर्जा देने की मांग पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार यह समझ नहीं पाती कि भारत विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों वाला देश है। राहुल गांधी ने लद्दाख के कुछ युवाओं के साथ संवाद का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, लद्दाख के युवाओं ने मुझे बताया कि किस तरह उनके खूबसूरत आशियाने को एक पुलिस राज में बदल दिया गया है।

तृणमूल कांग्रेस ने लगाया स्ट्रांगरूम खोलकर ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप, भारी हंगामा

निर्वाचन आयोग के साथ नया टकराव, स्ट्रांगरूम के बाहर धरने पर बैठे पार्टी उम्मीदवार

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद अब तृणमूल कांग्रेस और निर्वाचन आयोग के बीच अवैध रूप से स्ट्रांगरूम खोलने और ईवीएम तथा मतपत्रों में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर ठन गई है। मूसलाधार बारिश के बीच स्ट्रांगरूम पहुंची मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके कार्यकर्ताओं को हटाने के बाद अवैध रूप से स्ट्रांगरूम खोला गया और मतपत्र अंदर ले जाए गए। देर शाम तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बने स्ट्रांगरूम के बाहर इकट्ठे हो गए जिसके बाद जय बांग्ला तथा जय श्री राम की नारेबाजी शुरू हो गई। भारी हंगामे के बीच मौके पर पहुंची पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी ने भीड़ को तितर-बितर कर दिया। तृणमूल उम्मीदवार कुणाल घोष और शशि पांजा खुदीराम अनुशीलन केंद्र में धरने पर बैठ गए हैं।

मतदान के बाद ईवीएम खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बनाए गए स्ट्रांगरूम में रखी गई हैं। ममता बृहस्पतिवार को भवानीपुर के स्ट्रांगरूम पहुंचीं और ईवीएम में छेड़छाड़ और धांधली का आरोप लगाया। बेलेघाटा से तृणमूल उम्मीदवार कुणाल घोष ने कहा, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक अपराह्न 3:30 बजे तक स्ट्रांगरूम के बाहर मौजूद थे। अचानक एक ईमेल आया, जिसमें बताया गया कि स्ट्रांगरूम शाम चार बजे फिर से खोला जाएगा। इसके बाद उनके कार्यकर्ताओं को वहां से हटा दिया गया। सूचना मिलते ही हम तुरंत वहां पहुंचे। अब हमें अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं को बुलाया जा रहा है। घोष ने प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लाइव स्ट्रीमिंग में स्ट्रांगरूम के अंदर की गतिविधियां दिखाई दे रही थीं। मतपत्र अंदर ले जाए जा रहे हैं। अगर डाक मतपत्रों से जुड़ी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं तो वे आए कहां से। अगर ईमेल भेजा गया था, तो हमें सूचित क्यों नहीं किया गया। श्यामपुकुर से पार्टी प्रत्याशी पांजा ने कहा, स्ट्रांगरूम अगर खोला जाता है तो सभी राजनीतिक दलों को सूचित किया जाना चाहिए। किसी को सूचित नहीं किया गया।

पार्टी ने कहा, सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि भाजपा कैसे निर्वाचन आयोग के साथ सक्रिय मिलीभगत के जरिए राजनीतिक दलों के किसी भी अधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति के बिना मतपेटियों को खोल रही है। यह घोर चुनावी धोखाधड़ी है, जो निर्वाचन आयोग की पूरी जानकारी और संरक्षण में खुलेआम की जा रही है। तृणमूल ने कहा, भाजपा ने हर तरह की गंदी चाल चली, नाम मिटाने की कोशिश की, मतदाताओं को डराया-धमकाया, केंद्रीय बलों का आतंक फैलाया, धन की बाढ़ ला दी, लेकिन बुरी तरह नाकाम रहे। अब हताशा में आकर वे ईवीएम के साथ छेड़छाड़ पर उतर आए हैं। लेकिन बंगाल महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार नहीं है। हम चुपचाप बैठकर उन्हें हमारे लोकतंत्र को लूटते हुए नहीं देखेंगे।

मूसलाधार बारिश के बीच भवानीपुर में स्ट्रांगरूम पर पहुंचीं ममता बनर्जी

कोलकाता में खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बने स्ट्रांगरूम पर पहुंचे तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से पुलिस की जद्दोजहद।

ममता ने अपने उम्मीदवारों को किया आगाह ईवीएम बदलने की योजना है, हल्के में न लें

ममता बनर्जी ने ताजा घटनाक्रम से पहले एक वीडियो संदेश में पार्टी नेताओं, उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं से अत्यधिक सतर्क रहने और स्ट्रांगरूम की गतिविधियों पर करीबी नजर रखने का आग्रह किया था। कहा था, आपको मतगणना केंद्रों की निगरानी करनी होगी। मैं भी अपने क्षेत्र में निगरानी के लिए जाऊंगी। अगर मैं निगरानी कर सकती हूं तो आप भी कर सकते हैं। ईवीएम मशीन को ले जाते समय उन्हें बदलने की योजना है। इसे हल्के में न लें। तृणमूल ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में इस घटनाक्रम को दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या बताया और भाजपा पर चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतपेटियों और ईवीएम के साथ छेड़छाड़ करने के लिए निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। दावा किया कि सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति के बिना मतपेटियों को खोला जा रहा है, यह घोर चुनावी धोखाधड़ी है। तृणमूल ने आरोप लगाया कि मतदाताओं को डराने-धमकाने, मतदाता सूची से उनके नाम हटाने और केंद्रीय बलों के दुरुपयोग जैसे प्रयास विफल रहे, जिसके कारण भाजपा को ईवीएम में छेड़छाड़ जैसे हताशापूर्ण उपायों का सहारा लेना पड़ रहा है।

निर्वाचन आयोग ने कहा- सबकुछ ठीकठाक, स्ट्रांगरूम के गलियारे में अलग किए जा रहे थे मतपत्र

निर्वाचन आयोग ने केंद्र में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सभी प्रक्रियाओं का विधिवत पालन किया गया और स्ट्रांगरूम सुरक्षित हैं। आयोग के एक अधिकारी ने कहा, खुदीराम अनुशीलन केंद्र के अंदर विधानसभा क्षेत्रवार सात स्ट्रांगरूम हैं, जिनमें से सभी को मतदान पूरा होने के बाद उम्मीदवारों, उनके चुनाव एजेंट और सामान्य पर्यवेक्षक की उपस्थिति में बंद कर दिया गया है और सील कर दिया गया है। अंतिम स्ट्रांगरूम को बृहस्पतिवार तड़के करीब 5:15 बजे सील कर दिया गया। आयोग ने कहा कि उसी परिसर के भीतर एक अलग स्ट्रांगरूम डाक मतपत्रों के लिए निर्धारित किया गया है, जहां विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से मतपत्रों को संग्रहीत किया गया है, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित डाक मतपत्र प्रणाली (ईटीबीपीएस) के माध्यम से प्राप्त मतपत्र भी शामिल हैं। कथित वीडियो में दिख रही गतिविधि के बारे में निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्धारित प्रक्रिया के रूप में शाम चार बजे से स्ट्रांगरूम के बाहर गलियारे में मतपत्रों को अलग किया करने जा रहा था।

टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल में भाजपा को पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत

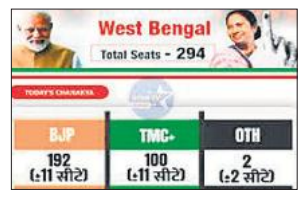

- तमिलनाडु में द्रमुक तय, केरल में कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों में मतदान के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को जारी टुडेज चाणक्य के एग्जिट पोल में संभावना जताई गई है कि भाजपा पश्चिम बंगाल और असम में प्रचंड जीत हासिल करेगी जबकि द्रमुक तमिलनाडु में सत्ता बरकरार रखेगी। केरल में सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ के कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी की गई है।

एग्जिट पोल में अनुमान है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 69 सीट और माकपा की अगुवाई वाला एलडीएफ 64 सीटें जीत सकता है। केरल के उसके अनुमान में नौ सीटें कम या ज्यादा हो सकती हैं। केरल में विधानसभा की कुल 140 सीटें हैं। पश्चिम बंगाल के लिए 'न्यूज 18' द्वारा किए गए एक अन्य एग्जिट पोल में भाजपा को 143-163 सीटें और तृणमूल कांग्रेस को 127-147 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। टुडेज चाणक्य ने पश्चिम बंगाल में भाजपा को 192 सीटें और तृणमूल कांग्रेस को 100 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। पश्चिम बंगाल में कुल 294 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 148 है। टुडेज चाणक्य ने असम के लिए भविष्यवाणी की है कि भाजपा को 102 सीटें और कांग्रेस को 23 सीटें मिलेंगी। असम विधानसभा में 126 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 64 है।

टुडेज चाणक्य ने तमिलनाडु को लेकर आकलन किया है कि द्रमुक तमिलनाडु में सत्ता में वापसी करेगी और अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके अपने पहले ही चुनाव में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में स्थापित हो जाएगी। इस सर्वेक्षण में कहा गया है कि द्रमुक गठबंधन को 125 सीटें, टीवीके को 63 सीटें और एआईएडीएमके प्लस को 45 सीटें मिलेंगी। तमिलनाडु में कुल 234 सीटें हैं और जादुई आंकड़ा 118 है।

मतगणना में केंद्रीय कर्मियों को लगाने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई पूरी

- कोलकाता हाईकोर्ट ने दोनों पक्ष सुनकर सुरक्षित किया फैसला

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को उस याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली जिसमें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मतगणना पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय कर्मियों को नियुक्त करने के निर्वाचन आयोग के निर्देश को चुनौती दी गई है।

याचिकाकर्ता के वकील कल्याण बनर्जी ने न्यायमूर्ति कृष्णा राव की अदालत के समक्ष कहा कि निर्वाचन आयोग की अधिसूचना में कहा गया है कि मतों की गिनती के दौरान अनियमितताओं की आशंका को देखते हुए प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक टेबल पर मतगणना पर्यवेक्षकों और मतगणना सहायकों में से कम से कम एक केंद्र सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों का कर्मचारी होगा। तृणमूल सांसद बनर्जी ने दावा किया कि यह पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। याचिका को खारिज करने का अनुरोध करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के वकील जिष्णु चौधरी ने अदालत के समक्ष कहा कि यह निर्वाचन आयोग के विवेक की न्यायिक जांच का प्रश्न है।

दक्षिण कोलकाता के कस्बा विधानसभा क्षेत्र में मतगणना केंद्र में अंतिम समय में बदलाव किए जाने का दावा करते हुए न्यायमूर्ति राव की अदालत में एक और याचिका दायर की गई। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जावेद अहमद खान ने इसमें दावा किया कि कस्बा सीट के लिए मतगणना केंद्र को निर्वाचन क्षेत्र के भीतर स्थित गीतांजलि स्टेडियम से अलीपुर के बिहारीलाल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया है। अदालत ने दोनों याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

एग्जिट पोल के अनुमान टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए, ध्यान न दें : ममता

- कहा- टीवी चैनलों पर चलाए जा रहे हैं भाजपा कार्यालय से दोपहर 1 बजे प्रसारित परिणाम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए भाजपा के निर्देश पर एग्जिट पोल के पूर्वानुमान प्रसारित किए गए। उन्होंने भरोसा जताया कि सत्तारूढ़ पार्टी राज्य के चुनावों में 294 विधानसभा सीटों में से 226 से अधिक सीटें जीतेगी।

टीएमसी प्रमुख ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बल भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुधवार को दिए गए उस बयान पर भी सवाल किया जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव परिणाम एक विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि मतदान के दिन वह ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में ममता बनर्जी ने दावा किया कि टेलीविजन चैनल भाजपा कार्यालय से प्रसारित चुनावी परिणामों के अनुमानों को प्रसारित कर रहे हैं। टीएमसी प्रमुख ने आरोप लगाया, टेलीविजन पर जो दिखाया जा रहा है, उसे दोपहर एक बजकर आठ मिनट पर भाजपा कार्यालय से प्रसारित किया गया था। इसे प्रसारित करवाने के लिए पैसे दिए गए थे। मेरे पास इसकी पुख्ता जानकारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि एग्जिट पोल चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले लोगों की राय को प्रभावित करने की बड़ी साजिश का हिस्सा हैं।

बंगाल में 77 बूथों पर पुनर्मतदान करा सकता है निर्वाचन आयोग

कोलकाता। निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को हुए दूसरे चरण के चुनाव के बाद दक्षिण 24 परगना जिले की चार विधानसभा सीटों के 77 बूथ पर पुनर्मतदान की मांग पर गंभीरता से विचार कर रहा है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग को पुनर्मतदान के लिए 32 शिकायतें फाल्टा से मिलीं, इसके बाद डायमंड हार्बर से 29, मगरहाट से 13 और बज बज से तीन शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें ईवीएम से छेड़छाड़, मशीनों पर संदिग्ध पदार्थों के इस्तेमाल और निगरानी कैमरों को बाधित करने के प्रयासों के आरोप शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता को पुनर्मतदान पर किसी अंतिम निर्णय से पहले मौके का निरीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। गुप्ता की रिपोर्ट पर आयोग पुनर्मतदान पर अंतिम निर्णय लेगा। जरूरी हुआ तो इनमतदान केंद्रों पर शुक्रवार को ही पुनर्मतदान कराया जा सकता है।

नागरिकता नियमों में बदलाव अधिसूचित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नागरिकता नियम, 2009 में संशोधन अधिसूचित किए, जिसके तहत प्रवासी भारतीय नागरिक कार्डधारकों और नागरिकता आवेदनों से संबंधित प्रक्रियाओं में डिजिटल माध्यम का उपयोग शुरू किया गया है।

सरकार ने बच्चों के नागरिकता आवेदनों के लिए विशेष प्रावधान जोड़ा है कि नाबालिग बच्चा किसी भी समय भारतीय पासपोर्ट के साथ किसी अन्य देश का पासपोर्ट नहीं रख सकता। नए नियम, नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 के तहत अब ओसीआई कार्ड पंजीकरण और उसे छोड़ने के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन पोर्टल पर होंगे। ओसीआई छोड़ने की घोषणा पर अपना मूल कार्ड भारतीय मिशन, पोस्ट या विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी के पास जमा करना होगा।

कर्नाटक में फिलहाल मुख्यमंत्री पद पर कोई बदलाव नहीं: खरगे

कलबुर्गी, एजेंसी

- कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्य में चल रहीं अटकलों को किया खारिज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्नाटक में फिलहाल मुख्यमंत्री पद पर कोई बदलाव नहीं हो रहा है और राज्य में नेतृत्व का मुद्दा जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। उनका यह बयान उस वक्त आया है जब कर्नाटक की सत्तारूढ़ पार्टी और राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि चार मई को विधानसभा चुनावों के नतीजों के साथ कर्नाटक की दो विधानसभा के उपचुनावों के परिणाम आने के बाद नेतृत्व परिवर्तन और कैबिनेट फेरबदल पर फैसले की संभावना है।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ सत्ता साझा किए जाने के समझौते से जुड़ी चर्चा को हवा दे रहे हैं। उनका कहना है कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद यह सहमित बनी थी कि पांच साल के कार्यकाल के दौरान सिद्धरमैया और शिवकुमार मुख्यमंत्री पद बारी-बारी से संभालेंगे। इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि अगर काफी अनुभव वाले वरिष्ठ नेता खरगे मुख्यमंत्री बनते हैं तो सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में हर कोई स्वागत करेगा।

राजस्थान में गालीगलौज करने पर भाजपा विधायक को पीटा

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने गंगानगर से भाजपा के विधायक जयदीप बिहाणी से मारपीट करने के आरोप में एक सहायक अभियंता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इलाके में कई दिनों से चल रही पानी की दिक्कत के लिए चल रहे जनसुनवाई कार्यक्रम में विधायक की ओर से गालीगलौज किए जाने के बाद यह घटना हुई।

भाजपा विधायक बिहाणी ने आरोप लगाया कि पूर्वाह्न करीब 11 बजे जवाहर नगर इलाके में एसडी बिहाणी कॉलेज में जन सुनवाई के दौरान तीन लोगों ने उन पर हमला किया था। बिहाणी ने कहा कि सुनवाई के दौरान राजस्थान शहरी बुनियादी ढांचा विकास परियोजना (आयूआईडीपी) के एक सहायक अभियंता ने दो और लोगों के साथ मिलकर उन पर हमला किया, जिससे उनकी आंख व चेहरे पर चोटें आईं तथा उनका चश्मा भी टूट गया। विधायक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सहायक अभियंता जगनलाल बैरवा, परियोजना प्रबंधक शाहनवाज और सोहेल परमार को गिरफ्तार किया। परमार निजी कंपनी लार्सन एंड टुब्रो से जुड़ा योजना प्रबंधक है।

मणिपुर हिंसा: पूर्व सीएम के ऑडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- बीरेन सिंह पर है राज्य में जातीय हिंसा भड़काने का आरोप

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को गुजरात स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) को मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा से जोड़ने वाले एक ऑडियो क्लिप की जांच करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह निर्देश तब दिया जब याचिकाकर्ता एनजीओ कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि वे पूरा ऑडियो क्लिप रिकॉर्ड पर रख रहे हैं, जो दो घंटे से ज्यादा लंबा है। पीठ ने एनएफएसयू को रिकॉर्डिंग का विश्लेषण करने और उसमें मौजूद आवाज के नमूने का मिलान सिंह के स्वीकार किए गए आवाज के नमूने से करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि दो घंटे और 36 मिनट की पूरी ऑडियो क्लिप को मूल उपकरण से एक पेन ड्राइव में कॉपी किया गया है। पेन ड्राइव, जो मूल की पहली प्रति है, दूसरे पक्ष को दी जाएगी, ताकि संबंधित व्यक्ति की मानी गई आवाज की रिकॉर्डिंग से मिलान के लिए एनएफएसयू को भेजा जा सके।

शीर्ष अदालत ने सात जनवरी को 48 मिनट की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया था, जिसके बारे में एनजीओ ने आरोप लगाया था कि यह मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा में बीरेन सिंहकी भूमिका की ओर इशारा करती है।

केरल: विहिप नेता समेत चार पर पॉक्सो का मामला दर्ज

कोच्चि। प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान सुर्खियों में आई और बाद में केरल के एक मंदिर में मुस्लिम दोस्त से शादी करने वाली एक लड़की की शिकायत पर पॉक्सो कानून के तहत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता और वकील अनिल विलायिल तथा फिल्म निर्देशक सनोज मिश्रा शामिल हैं।

यह प्राथमिकी बुधवार को लड़की की शिकायत के बाद दर्ज की गई, जिसमें निर्देशक पर अपनी फिल्म ''द डायरी ऑफ मणिपुर'' की शूटिंग के दौरान उसके साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने कहा कि यह मामला शादी को लेकर हुए विवाद से भी जुड़ा है, जब लड़की के माता-पिता ने दावा किया कि वह 16 साल की है और उसके पति फरमान के खिलाफ मध्य प्रदेश के महेश्वर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, लड़की ने दावा किया है कि वह 18 साल की है। मध्य प्रदेश पुलिस की एक टीम हाल में मामले की जांच के लिए केरल आई थी। केरल उच्च न्यायालय ने आठ अप्रैल को फरमान को 20 मई तक गिरफ्तारी से अस्थायी संरक्षण प्रदान किया था।

पंजाब में दबोचे ड्रग्स और हथियारों के दो तस्कर, पाकिस्तान से थे संपर्क

- चार किलो हेरोइन और चार अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को सीमा पार से मादक पदार्थ और हथियार तस्करी करने वाले मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से चार किलोग्राम हेरोइन बरामद की। इसके साथ चार अत्याधुनिक पिस्तौल और पांच कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार लोगों की पहचान तरनतारन के लाहुका गांव के निवासी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श (21) और तरनतारन के मोहल्ला जसवंत सिंह नगर के निवासी तरसेम सिंह उर्फ कैरन उर्फ पहलवान (31) के रूप में हुई है। दोनों सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। डीजीपी ने बताया कि अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप ड्रोन के जरिए पहुंचाई जाती थी, जिसे बाद में आरोपी इकट्ठा कर उसकी तस्करी करते थे। अधिकारी के अनुसार, यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि गिरोह के तार कहां तक फैले हैं तथा इसमें और कौन लोग शामिल हैं।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि आरोपी अर्शदीप के पास से 2.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि अर्शदीप से पूछताछ के बाद तरसेम को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

कार में आग लगने से छह की मौत, एक ही परिवार के पांच लोग

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में एक कार में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों सहित छह लोगों की मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर बुधवार रात लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाना में मौजपुर चैनल पर कार में लगी आग की हुई घटना में चालक विनोद ने भी आज जयपुर के एसएमएस अस्पताल में दम तोड़ दिया। वह 90 प्रतिशत तक झुलस गया था। इसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के श्योपुर के चैनपुरा गांव निवासी एक परिवार वैष्णो देवी दर्शन करने गया तो वापसी में यह हादसा हो गया।

करगिल नेताओं का आरोप | राज्य आंदोलन को कमजोर करने के लिए उठाया गया है सुनियोजित कदम

लद्दाख में नए जिले बनाना मुस्लिम-बौद्धों को बांटने की कोशिश

श्रीनगर, एजेंसी

लद्दाख में पांच नए जिले बढ़ा दिए गए हैं जिसके बाद इस केंद्रशासित प्रदेश में जिलों की संख्या दो से बढ़कर सात हो गई है। गुरुवार को उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नए जिलों का औपचारिक उद्घाटन किया, वहीं दूसरी ओर जिलों के पुनर्गठन का विरोध शुरू हो गया है। करगिल के कई राजनीतिक नेताओं ने इस कदम को सांप्रदायिक और क्षेत्रीय आधार पर क्षेत्र के विभाजन का सोचा-समझा प्रयास करार दिया है।

उप राज्यपाल की ओर से जारी अधिसूचना के बाद नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास सहित पांच नए जिले बनाए गए हैं। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के नेता सज्जाद करगिली ने कहा कि जिलों की संख्या को दो से बढ़ाकर सात करना प्रशासनिक सुधार से ज्यादा लद्दाख के लोगों के एकजुट लोकतांत्रिक और राज्य आंदोलन को विभाजित करने के उद्देश्य से उठाया गया सुनियोजित कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विशेष रूप से बौद्ध और मुस्लिम समुदायों की सामूहिक आवाज को कमजोर करने का प्रयास है। लेह सर्वोच्च निकाय (एलएबी) के साथ केडीए केंद्र सरकार से बातचीत कर रहा है और लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग कर रहा है जिनमें राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची का दर्जा, रोजगार सुरक्षा और संसदीय प्रतिनिधित्व शामिल हैं।

लद्दाख का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिला।

सांकू और शकर चिकतान-शारगोल भी बने जिला

तरफ लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद करगिल के मुख्य कार्यकारी पार्षद मोहम्मद जाफर अखून ने सांकू उपमंडल और शाकर चिकतान शारगोल उपमंडल को बाहर रखे जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह बहिष्कार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अखून ने कहा कि करगिल जिले में 80 गांव शेष हैं, जबकि लेह में 44 हैं। उन्होंने कहा, अपनी जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार को देखते हुए कारगिल अधिक प्रशासनिक राहत का हकदार है। नवगठित जिलों में गांवों का आवंटन मनमाना है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 1 मई 2026

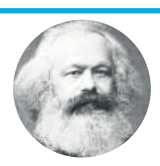

अब तक के सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है।
–कार्ल मार्क्स, जर्मन दार्शनिक

विकास का महामार्ग

उत्तर प्रदेश का गंगा एक्सप्रेस वे केवल 594 किमी लंबा राजमार्ग नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक संरचना को पुनर्परिभाषित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसे एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की धुरी कहना अतिशयोक्ति नहीं, परंतु यह तभी संभव होगा, जब सड़क निर्माण के साथ-साथ औद्योगिक, सामाजिक और संस्थागत सुधार समान गति से और साथ-साथ आगे बढ़ें। मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे यूपी के पश्चिमी, मध्य व पूर्वी हिस्सों को एक आर्थिक गलियारे में बदलने की क्षमता रखता है।

पहले जहां इन क्षेत्रों के बीच यात्रा में 13 से 14 घंटे लगते थे, अब यह दूरी 6 से 7 घंटे में सिमट सकती है। 120 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति केवल यात्रियों की सुविधा नहीं बढ़ाएगी, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर व्यापार की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ाएगी। तेजी से माल की ढुलाई होने से कृषि उत्पाद, डेयरी, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को नए और बड़े बाजार मिलेंगे। यह कहना भी सर्वथा उचित है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के बदलते विकास मॉडल की अभिव्यक्ति है। जो राज्य कभी पलायन और अवसरहीनता के लिए जाना जाता था, वह अब निवेश आकर्षित करने की दिशा में सक्रिय है। एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों— जिनमें लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई क्लस्टर शामिल हो सकते हैं— स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगे, हालांकि इन क्षेत्रों में वास्तविक निवेश और रोजगार सृजन इस बात पर निर्भर करेगा कि भूमि, बिजली, श्रम और नीति स्थिरता कितनी प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाती है। धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। मेरठ से प्रयागराज, जो कुंभ और संगम के कारण वैश्विक पहचान रखता है का सीधा जुड़ाव तीर्थ यात्रियों के लिए वरदान होगा, परंतु टोल शुल्क का सवाल यहां प्रासंगिक है। यदि टोल अत्यधिक हुआ, तो आम यात्रियों के लिए यह सुविधा सीमित हो सकती है, इसलिए टोल नीति में संतुलन आवश्यक है, ताकि लागत वसूली और सामाजिक समावेशन दोनों साथ चल सकें।

रणनीतिक दृष्टि से शाहजहांपुर के पास 3.5 किमी की हवाई पट्टी इस परियोजना को विशेष बनाती है। आपातकालीन या युद्ध की स्थिति में यह लड़ाकू विमानों के लिए आपातकालीन वैकल्पिक रनवे के रूप में काम कर सकती है, जिससे हिंडन, आगरा और बरेली एयरबेस को लाभ पहुंचेगा, युद्ध या ऐसी स्थितियों में इन सैन्य एयर बेस पर दबाव कम होगा और सामरिक लचीलापन बढ़ेगा। जहां तक इस एक्सप्रेस वे की लागत का प्रश्न है, इसके निर्माण में करीब 37,350 करोड़ रुपये, यानी लगभग 63 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर खर्च हुए हैं। पहली नजर में अधिक लग सकता है, लेकिन भूमि अधिग्रहण, उच्च गुणवत्ता निर्माण, पुलों, इंटरचेंज और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखें, तो यह लागत राष्ट्रीय औसत के अनुरूप ही है। असली सवाल लागत नहीं, बल्कि निवेश पर मिलने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रतिफल का है। वस्तुतः गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए 'सड़क' से अधिक 'संभावनाओं का मंच' है। यह विकास का गेटवे तभी बनेगा, जब इसके किनारे उद्योग, कौशल और निवेश की वास्तविक धारा बहे।

प्रसंगवश

गौतम बुद्ध एवं उनके समकालीन मत

जिस वक्त सिद्धार्थ ने प्रव्रज्या ली, उस समय मानसिक जगत में बहुत उथल-पुथल मची हुई थी। देश में अलग-अलग दर्शन की बासठ परंपराएं विद्यमान थीं। इनमें से कम से कम छः ध्यान देने योग्य थीं। इन दार्शनिक परंपराओं में से पहली परंपरा के मुखिया का नाम पूर्ण-काश्यप था। इनका मत अक्रियावाद कहलाता था। उनका विचार था कि 'कर्म' का 'आत्मा' पर किसी भी तरह से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दूसरी परंपरा नियतिवाद के नाम से जानी जाती थी। इसके मुख्य उपदेशक मक्खली गोसाल थे। इनका मत 'भाग्यवादी' या 'पूर्व निश्चयवादी' था। इनके अनुसार न कोई कुछ कर सकता है और न होने से रोक सकता है।

तीसरी परंपरा 'उच्छेदवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रस्तुतकर्ता अजित केसकंबल थे। इनका मत 'सर्वनाशवाद' का था। इनके अनुसार यज्ञ, होम बेकार हैं। कर्मफल जैसी कोई चीज नहीं होती, जिन्हें 'आत्मा' भोग सके या उसे भुगतने पड़े। चौथी परंपरा 'अन्योन्यवाद' कहलाती थी। इस मत के मुखिया पकुध कच्चायन थे। इनके अनुसार प्राणी सात तत्वों- पृथ्वी, जल, तेज, वायु, सुख, दुःख और आत्मा के समुच्चय से मिलकर बना है। ये सारे तत्व स्वतः निर्मित हैं और नित्य हैं। इनका किसी भी तरह से नाश नहीं हो सकता है। पांचवी परंपरा 'विक्षेपवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रवर्तक संजय बेलठ्ठिपुत्त थे। इनके दर्शन में घोर संदेहवाद था।

डॉ. सुभाष चंद्र
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

छठी परंपरा 'चातुर्याम संवरवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रमुख निगण्ठनाथ पुत्त थे, जो उस समय जीवित थे, जब गौतम प्रकाश की खोज में रत थे। इनका मानना था कि 'आत्मा' को अपने पूर्व जन्मों के कर्म तथा वर्तमान जन्म के कर्मों के परिणाम स्वरूप ही पुनर्जन्म ग्रहण करना पड़ता है, इसलिए इन्होंने सलाह दी थी कि तपश्चर्या के द्वारा बुरे कर्मों को समाप्त कर देना चाहिए।

बुद्ध ने अपने समकालीन दार्शनिकों के मतों को स्वीकार नहीं किया। बुद्ध का उनकी शिक्षाओं को अस्वीकार करना सकारण था। बुद्ध का कहना था यदि पूर्ण-काश्यप के सिद्धांत को माना जाए, तब तो कोई कुछ भी बुरा कर सकता है, किसी को भी हानि पहुंचा सकता है, एक, दूसरे की हत्या कर सकता है और उस पर किसी भी प्रकार का सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं होगा। यदि मक्खली गोसाल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए, तो मनुष्य भाग्य का गुलाम हो जाएगा तथा वह किसी भी तरह से अपने को बंधनों से मुक्त नहीं कर सकेगा।

यदि अजित केसकंबल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए तो इंसान के लिए खाने, पीने और मौज करने के अलावा कोई कार्य शेष नहीं रहता। यदि संजय बेलठ्ठिपुत्त का सिद्धांत सत्य मान लिया जाए तो मनुष्य केवल जल की तरह यों ही बहता रहेगा तथा उसका जीवन निरूद्देश्य हो जाएगा। यदि निगण्ठनाथ पुत्त का मत सही मान लिया जाए तो मनुष्य का जीवन कायक्लेश और तपश्चर्या के अधीन हो जाएगा, जिससे उसकी इच्छाओं और मूल भावनाओं का सर्वथा निच्छेद हो जाएगा।

इसीलिए इन दार्शनिकों का कोई भी मत बुद्ध को उपयुक्त प्रतीत नहीं हुआ और आपने अन्यत्र ही कहीं से प्रकाश पाने की उम्मीद रखी। बुद्ध के अनुसार चार आर्य सत्य हैं। पहला- दुःख है, दूसरा दुःख का कारण है, तीसरा दुःख के कारण का निवारण है तथा चौथा दुःख निवारण का मार्ग है। चारों आर्य सत्य से निजात पाने के लिए बुद्ध ने आष्टांगिक मार्ग का अनुसरण बताया था। वे हैं सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वचन, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। बुद्ध के अनुसार इसी मार्ग के अनुसरण से मानव का कल्याण संभव है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एग्जिट पोल्स: कहीं हैट्रिक तो कहीं सत्ता परिवर्तन के आसार

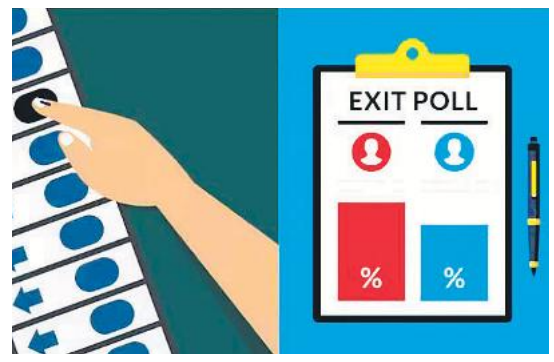

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी, इन पांच महत्वपूर्ण राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का एक महत्वपूर्ण अध्याय संपन्न हो गया है। अब जनता का जनादेश ईवीएम में सुरक्षित है और पूरे देश की नजर चार मई को आने वाले अंतिम परिणामों पर टिकी है, लेकिन परिणामों से पहले, विभिन्न सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। इन आंकड़ों ने कहीं जश्न का माहौल बना दिया है, तो कहीं रणनीतियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। ये एग्जिट पोल्स न केवल संभावित परिणामों का संकेत देते हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं, क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं को भी उजागर करते हैं, हालांकि एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। फिर भी इन अनुमानों के जरिए हम राजनीतिक रुझानों और संभावित सत्ता संतुलन को समझने की कोशिश कर सकते हैं।

पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर हुआ मुकाबला इस साल का सबसे दिलचस्प चुनाव रहा है। यहां बहुमत के लिए 148 सीटों की आवश्यकता है। एग्जिट पोल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो अपने एग्जिट पोल में चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 150-160, टीएमसी को 130-140, कांग्रेस को शून्य तथा अन्य को 6-10 सीटें दी हैं। केवल पीपुल्स पल्स का एग्जिट पोल ऐसा सामने आया है, जिसमें टीएमसी की सत्ता वापसी का अनुमान लगाया गया है। इस एग्जिट पोल में टीएमसी को 117-187, भाजपा 95-110, कांग्रेस 1-3, लेफ्ट 0-1 तथा अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान है। पीपुल्स पल्स को छोड़कर बंगाल के सभी एग्जिट पोल्स राज्य में सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा कर रहे हैं। भाजपा को यहां स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। 'प्रजापोल' जैसे सर्वेक्षण तो भाजपा को 200 के पार ले जा रहे हैं। यदि ये आंकड़े सही साबित होते हैं, तो यह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बड़ा उलटफेर होगा। भाजपा का ध्रुवीकरण और 'परिवर्तन' का नारा जमीनी स्तर पर काम करता दिख रहा है, जबकि टीएमसी के लिए सत्ता विरोधी लहर और भ्रष्टाचार के आरोप बड़ी चुनौती बन गए हैं।

असम की 126 सीटों पर मतदान नौ अप्रैल को ही संपन्न हो गए थे। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। यहां हिमंत बिस्वा सरमा का नेतृत्व और विकास के साथ-साथ पहचान की राजनीति का मेल भाजपा के लिए 'विनिंग फॉर्मूला' साबित होता दिख रहा है। असम में सभी एग्जिट पोल्स एक स्वर में भाजपा की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यहां भाजपा गठबंधन न केवल सत्ता बचाए रखने में सफल दिख रहा है, बल्कि उसकी सीटें पिछली बार के मुकाबले बढ़ने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन यहां काफी पिछड़ता नजर आ रहा है। एग्जिट पोल्स के अनुसार, भाजपा गठबंधन को 68 से लेकर 100 सीटों तक मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 22-36 सीटों तक सीमित दिख रहा है।

केरलम की 140 सीटों पर भी नौ अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां सत्ता की चाबी पाने के लिए 71 सीटों की जरूरत है। केरलम का रिवाज रहा है कि यहां हर पांच साल में सत्ता बदलती है, जिसे पिछले चुनाव में वामपंथी मोर्चे (एलडीएफ) ने तोड़ा था, लेकिन इस बार के एग्जिट पोल्स संकेत दे रहे हैं कि जनता फिर से 'यूडीएफ' (कांग्रेस गठबंधन) की ओर लौट रही है। पिनाराई विजयन की सरकार को तगड़ा झटका लगने का अनुमान है। यहां पर एग्जिट पोल्स अपेक्षाकृत एकमत दिखाई देते हैं और पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाला एलडीएफ 49-65 सीटों तक सिमटता दिख रहा है, जबकि यूडीएफ को 70-90 सीटों के बीच स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां बहुमत का आंकड़ा 118 है। तमिलनाडु में मुकाबला हमेशा की तरह दो द्रविड़ दिग्गजों के बीच है। यहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला डीएमके गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है, हालांकि एआईएडीएमके गठबंधन भी कुछ पोल्स में कड़ी टक्कर देता नजर आ रहा है, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े के करीब फिलहाल डीएमके ही दिख रही है। स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके गठबंधन को 122-160 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन 65-110 सीटों के बीच रह सकता है।

पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक्सिस माई इंडिया का पोल भाजपा गठबंधन (16-20 सीटें) को स्पष्ट बहुमत दे रहा है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 6-8 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। यह संकेत देता है कि छोटे, लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस केंद्रशासित प्रदेश में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है।

यद्यपि एग्जिट पोल एक रोमांचक तस्वीर पेश करते हैं, लेकिन इनकी विश्वसनीयता पर हमेशा प्रश्नचिह्न लगा रहता है। इतिहास गवाह है कि एग्जिट पोल कई बार पूरी तरह धराशायी हुए हैं। हाल के वर्षों में हरियाणा, महाराष्ट्र (जहां महायुति की जीत का अंतर पोल्स से कहीं ज्यादा था) और झारखंड (जहां एनडीए की हार हुई) के नतीजों ने दिखाया है कि साइलेंट वोटर की नब्ज पकड़ना सर्वे एजेंसियों के लिए कितना कठिन है। इन सर्वे की अपनी सीमाएं भी हैं। दरअसल एग्जिट पोल एक बहुत छोटे 'सैंपल साइज' पर आधारित होते हैं। करोड़ों मतदाताओं वाले राज्यों में कुछ हजार लोगों की राय पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती। कई बार मतदाता अपना असली झुकाव नहीं बताते या मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय दबाव महसूस करते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं।

आमने

पीएम नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आते ही महिलाओं के नाम जनधन खाते खोले, तो सपा के लोगों ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि कहां हैं 15 लाख रुपये, जबकि इन्हीं अकाउंट में कोविड के दौरान महिलाओं को शासन की सहायता दी गई। सपा के लोग महिलाओं के सम्मान के प्रति कभी संवेदनशील नहीं हैं।

–योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

सदन का विशेष सत्र बुलाया गया, तो उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री जी नारी सशक्तिकरण पर अपनी बात रखेंगे, पर उन्होंने यहां प्रवचन किया। यही बातें मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहीं। यही बातें मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहीं। मुख्यमंत्री ने यहां भी वही पुराना कैसेट जारी कर दिया।

–संग्राम यादव
सपा विधायक

मजदूर दिवस: श्रमिक अधिकार व खोता बचपन

संध्या राजपुरोहित
लेखिका

हर वर्ष पहली मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। यह दिन श्रमिकों के अधिकारों, उनके सम्मान और उनके संघर्षों को याद करने का अवसर है, किंतु इसी अवसर पर यह प्रश्न और तीखा हो उठता है कि क्या हमने उन बच्चों को देखा है, जिनका बचपन मजदूरी के बोझ तले दब गया है? मध्य प्रदेश, जहां देश की बड़ी आदिवासी आबादी निवास करती है, इस प्रश्न को और गहराई देता है। झाबुआ, अलीराजपुर, धार, डिंडोरी, मंडला और बड़वानी जैसे जिलों में बचपन अक्सर समय से पहले ही वयस्कता का बोझ उठाने लगता है। बच्चे परिवार की आय में हाथ बंटाने के लिए खेतों में काम करते हैं, जंगल से संसाधन जुटाते हैं, या शहरों में जाकर निर्माण स्थलों पर मजदूरी करते हैं।

इस समस्या की गंभीरता केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखाई देती है। यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की संयुक्त रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में लगभग 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलग्न हैं, जिनमें से लगभग आधे खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं। देश में 2011 की जनगणना के अनुसार पांच से 14 वर्ष आयु वर्ग के एक करोड़ से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में श्रम में लगे थे और विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

हालिया अभियानों और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023–24 के दौरान देशभर में 44,000 से अधिक बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जिनमें बड़ी संख्या आदिवासी और वंचित वर्गों से संबंधित थी। मध्य प्रदेश में भी 2024 के दौरान रायसेन जिले से 50 से अधिक आदिवासी बच्चों को जबरन मजदूरी से छुड़ाया जाना इस समस्या की जड़ों की गहराई को उजागर करता है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह समस्या केवल बाल श्रम नहीं, बल्कि जीविका संकट का परिणाम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी समुदायों में गरीबी का स्तर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। सीमित कृषि भूमि, जंगल आधारित आजीविका का कमजोर होना और रोजगार के अवसरों का अभाव परिवारों को मजबूर कर देता है कि वे बच्चों को भी कमाने के लिए आगे बढ़ाएं।

आदिवासी समुदायों की आर्थिक स्थिति प्रायः कमजोर होती है। ये लोग वनों, पहाड़ों और दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी होती है। इन समुदायों की आजीविका मुख्यतः कृषि, वनोपज संग्रह, और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर होती है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और औद्योगिक विकास के कारण आदिवासियों की पारंपरिक जीविका के स्रोत नष्ट होते जा रहे हैं। इस कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय हो जाती है और बच्चों को भी कम उम्र में ही श्रम कार्यों में लगना पड़ता है।

बच्चों की यह मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं, जहां उनके साथ दुर्व्यवहार और शोषण की घटनाएं आम होती हैं।

कई बार उन्हें न्यूनतम मजदूरी से भी कम पैसे दिए जाते हैं और उनके काम के घंटों की कोई सीमा नहीं होती। उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है और वे कानूनी सुरक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस प्रकार बचपन की मासूमियत श्रम के कठोर बंधनों में जकड़ जाती है। मौसमी पलायन इस समस्या को और जटिल बना देता है। मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों से हर वर्ष हजारों परिवार गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हैं। श्रम विभाग और विभिन्न सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट्स बताती हैं कि इन परिवारों के साथ जाने वाले बच्चे अक्सर स्कूल से कट जाते हैं और मजदूरी में शामिल हो जाते हैं। इस प्रकार शिक्षा का अधिकार कागजों तक सीमित रह जाता है।

शिक्षा के संदर्भ में स्थिति चिंताजनक है। आदिवासी बहुल जिलों में ड्रॉपआउट दर भी सामान्य से अधिक पाई गई है, विशेषकर प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर। शिक्षा से यह दूरी पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाले गरीबी के चक्र को मजबूत करती है। वे अपने माता-पिता की तरह असंगठित श्रम में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। जब कुपोषित बच्चे कठोर श्रम में लगते हैं, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास और अधिक प्रभावित होता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

बच्चों की मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं।

सोशल फोरम

घर जो कभी सोता नहीं था

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

लखनऊ के पुराने मोहल्ले कैसरबाग में, पीपल वाले चौराहे से दो गलियां छोड़कर, एक हवेली खड़ी थी, जिसे सब 'जागता घर' कहते थे। 187 साल पुरानी, तीन मंज़िला, 14 कमरों की हवेली। उसकी खिड़कियों से रात के तीन बजे भी पीली रोशनी छनकर सड़क पर गिरती थी। लोग कहते थे कि जब पूरा शहर सो जाता है, तब भी वो घर जागता रहता है। हवेली के आखिरी वारिस थे रघुवीर बाबू। 78 साल की उम्र, कमर झुकी हुई। उनकी दिनचर्या उल्टी थी। जब मोहल्ले में सब्ज़ी वाले की आवाज़ गूंजती, रघुवीर बाबू सोने जाते। जब रात 11 बजे गलियां सुनसान हो जातीं, वो लालटेन जलाकर जाग जाते।

हवेली में घड़ी नहीं थी। रघुवीर बाबू कहते, 'घड़ी का क्या है, वो तो वक़्त को कैद करती है। ये घर वक़्त को जीता है।' रात भर वो क्या करते थे? कभी छत पर बैठकर तारों की गिनती। कभी नीचे तहखाने में अपने दादा के ज़माने के खत पढ़ते। कभी रसोई में आधी रात खिचड़ी चढ़ा देते और कहते, 'हो सकता है कोई मुसाफिर भूखा गुज़र जाए।'

1931 की बात है। रघुवीर बाबू के दादा, ठाकुर शिव प्रताप सिंह, अंग्रेज़ों के खिलाफ पर्चे छापते थे। हवेली का तहखाना क्रांतिकारियों का अड्डा था। रात-रात भर मशीन चलती, पर्चे छपते और जवान लड़के आते-जाते। एक रात अंग्रेज़ सिपाहियों ने छापा मारा। शिव प्रताप ने सबको पिछले दरवाज़े से निकाल दिया, खुद पकड़े गए। जाते-जाते उन्होंने अपनी पत्नी से सिर्फ इतना कहा था, 'चिराग जलता रहना चाहिए। जब तक एक भी क्रांतिकारी बाहर है, ये घर सो नहीं सकता।' उस दिन से हवेली का चिराग नहीं बुझा। शिव प्रताप नौ साल बाद जेल से लौटे, मगर घर की आदत बदल चुकी थी। दिन में सोना, रात में जागना। वो कहते थे, 'रात ईमानदार होती है बेटा। दिन में तो सब मुखौटा पहन लेते हैं।'

ये आदत उनके बेटे को लगी, और बेटे से रघुवीर बाबू को।

2020 आया। लखनऊ बदल रहा था। बिल्डर हवेली के चक्कर काटने लगे। 'बाबू, 12 करोड़ देंगे। क्या करोगे इस भूतहा घर में?' हवेली नहीं बिकी। आज 2026 है। रघुवीर बाबू अब नहीं हैं। पर हवेली वहीं है। अब अविनाश और उनकी पत्नी वहां रहते हैं। उन्होंने हवेली को 'रात लाइब्रेरी' बना दिया है। रात 10 बजे से सुबह पांच बजे तक उसके दरवाज़े खुले रहते हैं। छात्र आते हैं पढ़ने। लेखक आते हैं लिखने। कोई मुसाफिर आता है तो खिचड़ी मिलती है। और हाँ, UPSC वाले लड़के तो वहीं सोते-बैठते हैं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अमेरिका-ईरान तनाव का भारतीय शादियों पर प्रभाव

वर्तमान समय में पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव भारत जैसे देशों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर भारतीय शादियों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है, जो पहले से ही महंगाई और बढ़ते खर्चों के दबाव में हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय तनाव का सबसे बड़ा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उसका असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई देता है। शादी-विवाह के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

शादी समारोहों में बड़ी मात्रा में भोजन तैयार किया जाता है, जिसके लिए गैस सिलेंडरों की आवश्यकता अधिक होती है। कई क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आती हैं। इससे कैटरिंग व्यवसाय और हलवाइयों को काफी परेशानी होती है। कई बार समय पर सिलेंडर न मिलने से भोजन व्यवस्था प्रभावित हो जाती है, जिससे पूरे आयोजन पर असर पड़ता है।

धनीश शर्मा
लेखक

महंगाई का असर केवल गैस तक सीमित नहीं रहता। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन महंगा होता है, जिसका सीधा असर सब्जियों, खाद्य सामग्री, टेंट, सजावट, बैंड-बाजा और अन्य सेवाओं पर पड़ता है। परिणामस्वरूप शादी का कुल खर्च काफी बढ़ जाता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता है, जिनके लिए शादी का बजट संभालना चुनौती बन जाता है।

खाड़ी में तनाव के असर से सोना और चांदी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रतिदिन इनके भाव में होने वाली वृद्धि का सीधा असर भारतीय शादियों पर भी पड़ रहा है। हमारे समाज में विवाह के दौरान आभूषणों का विशेष महत्व होता है, खासकर लड़की पक्ष के लिए। अधिकांश परिवार अपनी बेटी की शादी में सोने-चांदी के गहने देना सामाजिक जिम्मेदारी और सम्मान से जोड़कर देखते हैं, लेकिन जब बाजार में सोने-चांदी के दाम आसमान छूने लगते हैं, तो इसका सबसे अधिक आर्थिक दबाव लड़की वालों पर पड़ता है। कई बार रिश्ते तय होने के बाद विवाह की तारीख आने तक कीमतें इतनी बढ़ जाती हैं कि पहले बनाया गया बजट पूरी तरह बिगड़ जाता है। इससे परिवारों को अतिरिक्त कर्ज लेना पड़ता है या अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। महंगाई का यह बोझ शादी जैसे शुभ अवसर को भी तनावपूर्ण बना देता है।

इन परिस्थितियों में अब कई लोग सादगीपूर्ण शादी की ओर भी बढ़ रहे हैं। वे अनावश्यक खर्चों को कम कर रहे हैं और अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार ही आयोजन कर रहे हैं। इससे आर्थिक बोझ कम होता है और समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर अब हमारी सामाजिक परंपराओं तक पहुंच चुका है। शादी जैसे पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों पर भी वैश्विक राजनीति का प्रभाव दिखाई देने लगा है, हालांकि भारतीय समाज में ऐसे लोग भी हैं, जो दिखावे के साथ करोड़ो रुपये विवाह में खर्चा करने में पीछे नहीं हैं, जिससे मिडिल क्लास के लोगों के घरों में होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम में उसका असर साफ दिखाई देता है। आपसी होड़ में विवाह का बजट पॉकेट के बाहर हो जाता है, जिससे मिडिल क्लास के कई परिवार कर्जो में डूब जाते हैं ये भी भारतीय समाज की कड़वी सच्चाई है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ऐसे हुआ ब्लेड का आविष्कार

शेविंग के इतिहास में 19वीं सदी का दौर एक बड़ा बदलाव लेकर आया। 1800 के मध्य में पुरुषों के बीच क्लीन शेव के साथ मूंछें रखने का ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय होने लगा, लेकिन उस समय आज जैसे आधुनिक ब्लेड उपलब्ध नहीं थे। शुरुआती दौर में लोग कांसे या धातु की गोल, तेज वस्तुओं से शेव करते थे। बाद में 1890 के आसपास स्ट्रेट रेजर का चलन बढ़ा, जिन्हें टिकाऊ और प्रभावी माना जाता था, लेकिन इन्हें इस्तेमाल करना आसान नहीं था और धार बार-बार तेज करनी पड़ती थी।

इसी समस्या ने अमेरिकी आविष्कारक किंग कैंप जिलेट को नया समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। पेशे से ट्रैवलिंग सेल्समैन रहे जिलेट को 1895 में शेविंग करते समय यह अहसास हुआ कि रेजर की धार जल्दी खत्म हो जाती है। उन्होंने ऐसा पतला, सस्ता और आसानी से बदला जा सकने वाला ब्लेड बनाने का विचार किया। शुरुआत में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने इसे असंभव माना, लेकिन बाद में आविष्कारक विलियम निकर्सन की मदद से कई वर्षों की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ। 1903 में पहला सेफ्टी रेजर बाजार में आया और 1904 में इसका पेटेंट कराया गया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कंपनी ने अमेरिकी सैनिकों को शेविंग किट उपलब्ध कराई, जिससे इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। सैनिकों द्वारा लाखों ब्लेड और रेजर के उपयोग ने कंपनी को वैश्विक पहचान दिलाई। आगे चलकर जिलेट ने मल्टी-ब्लेड तकनीक, डिस्पोजेबल रेजर और आधुनिक ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स के जरिए बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। 2005 में प्रॉक्टर एंड गैंबल द्वारा अधिग्रहण के बाद यह ब्रांड आज भी शेविंग इंडस्ट्री का अग्रणी नाम बना हुआ है।

वैज्ञानिक के बारे में

किंग कैंप जिलेट का जन्म 5 जनवरी 1855 को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में हुआ था। उनके पिता एक हार्डवेयर व्यापारी थे, जिससे उन्हें बचपन से ही व्यवसाय और तकनीक में रुचि मिली। युवावस्था में वे एक ट्रैवलिंग सेल्समैन के रूप में काम करते थे, जिसने उन्हें लोगों की जरूरतों को समझने का अवसर दिया। वे केवल आविष्कारक ही नहीं, बल्कि एक विचारक भी थे और समाज सुधार से जुड़े विचार रखते थे। उन्होंने "The Human Drift" नामक पुस्तक भी लिखी। 1932 में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके आविष्कार ने उन्हें अमर बना दिया।

गिद्धों की अद्भुत जीवन रक्षा तकनीक

गिद्ध एक ऐसा पक्षी है, जिसे अक्सर उपेक्षा की दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन वही प्रकृति का सबसे कुशल सफाईकर्मी है। अपनी अद्भुत पाचन शक्ति, अनोखी जीवन रक्षा तकनीक और सामाजिक व्यवहार से गिद्ध पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखते हैं। आसमान में अथाह ऊंचाइयों पर हवा में तैरते, धरती पर पसरे सन्नाटे के साक्षी गिद्धों को देखकर मन में आकर्षण नहीं, बल्कि एक प्रकार की उपेक्षा का भाव ही पैदा होता है। उनका गंजा सिर, भारी सशक्त चोंच और मृत जीवों पर निर्भर जीवनशैली उन्हें 'अप्रिय' पक्षियों की पंक्ति में खड़ा कर देती है। किंतु यदि हम प्रकृति को उसके वास्तविक स्वरूप में समझने का प्रयास करें, तो यही गिद्ध हमें पृथ्वी के सबसे महत्वपूर्ण और कुशल सफाईकर्मी के रूप में दिखाई देते हैं, ऐसे प्रहरी जो बिना किसी पहचान या प्रशंसा के हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

जटायु और संपाती का गौरव

भारतीय संस्कृति और रामायण के अमर प्रसंगों में गिद्ध केवल पक्षी नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों और त्याग के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

शौर्य और त्याग का प्रतीक

जब रावण माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब वृद्ध जटायु ने ही अपनी क्षीण होती शक्ति की परवाह किए बिना उसका मार्ग रोका और वीरतापूर्वक युद्ध किया। यह केवल संघर्ष नहीं, बल्कि नारी-सम्मान की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण था। भगवान राम द्वारा जटायु का अंतिम संस्कार स्वयं करना, इस पक्षी की श्रेष्ठता और त्याग का प्रमाण है। संपाती दूरदृष्टि का अद्भुत उदाहरण जटायु के ज्येष्ठ भ्राता संपाती ने अपनी असाधारण तीक्ष्ण दृष्टि से हजारों मील दूर लंका में सीता जी की उपस्थिति को पहचान लिया था। यह प्रसंग गिद्धों की उस विलक्षण दृष्टि-क्षमता की ओर संकेत करता है, जिसे आज का आधुनिक विज्ञान भी स्वीकार करता है। गिद्ध 3-4 किलोमीटर की ऊंचाई से भी धरती पर पड़े 3 फुट के मवेशी को भी देख लेता है।

पैरों पर विसर्जन: जीवन बचाने की एक अनूठी तकनीक

पहली नजर में यह व्यवहार विचित्र लगता है कि गिद्ध अपने ही पैरों पर मूत्र विसर्जन करते हैं, लेकिन यह कोई असामान्य आदत नहीं, बल्कि उनके लिए एक अत्यंत उपयोगी वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे यूरोहाइड्रोसिस कहा जाता है। गिद्धों के पास पसीने नि:सृत करने वाली ग्रंथियां नहीं होतीं। भीषण गर्मी में, जब अधिकांश जीव पसीने के माध्यम से शरीर का तापमान नियंत्रित करते हैं, ऐसे में पैरों पर तरल का विसर्जन 'वाष्पीकरण द्वारा शीतलन' का कार्य करता है, जो उनके शरीर को ठंडा रखता है।

प्राकृतिक सैनिटाइजर

सड़े-गले मांस के संपर्क में रहने से उनके पैरों पर अनेक हानिकारक जीवाणु चिपक जाते हैं। इनके मूत्र में उपस्थित अम्लीय तत्व इन जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा समाप्त हो जाता है। यह प्रक्रिया उन्हें एक प्रकार की प्राकृतिक रोग-प्रतिरोधक सुरक्षा प्रदान करती है।

सामाजिक सूचना तंत्र और ऊंची उड़ान

गिद्धों की उड़ान अद्वितीय है। वे हवा की गर्म धाराओं का उपयोग करते हुए बिना पंख फड़फड़ाए घंटों तक आकाश में मंडराते रहते हैं, जिससे ऊर्जा की अत्यधिक बचत होती है। इनका सामाजिक व्यवहार भी अत्यंत रोचक है। एक गिद्ध जब मृत पशु देखता है, तो किसी ऊंचे वृक्ष पर बैठकर विशेष प्रकार से 'चैंव-चैंव' की आवाज निकालते हुए गर्दन घुमाकर कुछ संकेत करता है। इस संकेत में यह सूचना होती है कि मरे हुए पशु की किस्म, स्थान और कितने गिद्धों के लिए भोजन उपलब्ध है। इस आवाज को जो भी दूसरा गिद्ध सुनता है, वह उसी तरह का संकेत अपने पीछे वाले गिद्धों के लिए भी कर देता है। भोजन की मात्रा के अनुसार गिद्ध एकत्र होने पर सबसे पहले खबर देने वाले को आगे चलने का सम्मान देते हैं, क्योंकि उसे उस पशु के मांस का सबसे नरम भाग खाने का अधिकार होता है। ऐसी सामाजिकता और न्यायप्रिय उदारता यदि मनुष्यों में भी होती, तो समाज में लूट-खसोट न होती।

सुदृढ़ पाचन शक्ति: प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला

गिद्धों का पाचन तंत्र किसी चमत्कार से कम नहीं। उनके पेट में मौजूद प्रबल अम्ल एंथ्रैक्स, हैजा और बोटुलिज्म जैसे खतरनाक बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देता है। वास्तव में, वे प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला हैं, जो मृत शवों का निस्तारण कर पर्यावरण को संक्रमण मुक्त बनाए रखते हैं।

पारिस्थितिकी संकट और संरक्षण

भारत में एक समय गिद्धों की संख्या में तीव्र गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण पशुओं में प्रयुक्त दवा दर्द निवारक दवा डाइक्लोफेनाक था। इस दवा के अवशेष वाले मृत पशुओं को खाने से गिद्धों की मृत्यु होने लगी। गिद्धों की कमी से पर्यावरण में सड़न और आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ी, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न रक्षक हैं।

उपेक्षा से उपयोगिता की ओर

गिद्ध हमें यह गहरा संदेश देते हैं कि प्रकृति में कोई भी जीव अनावश्यक नहीं होता। उनका हर व्यवहार चाहे वह कितना ही असामान्य क्यों न लगे जीवन के संतुलन के लिए जरूरी होता है। वे गंदगी के बीच रहकर भी संसार को स्वच्छ बनाते हैं और मृत्यु के बीच रहकर भी जीवन की रक्षा करते हैं। वास्तव में, गिद्ध केवल सफाईकर्मी नहीं, बल्कि प्रकृति के ऐसे नेकनीयत रखने वाले नायक हैं, जो बिना किसी पहचान के हमारी पृथ्वी को सुरक्षित और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने में निरंतर लगे हुए हैं।

मरीन लाइफ

जाइंट आइसोपोड : गहरे समुद्र का अद्भुत सफाईकर्मी

विशाल आइसोपोड (Giant Isopod) समुद्र की गहराइयों में पाया जाने वाला एक बेहद अनोखा और रहस्यमय जीव है, जो देखने में जमीन पर पाए जाने वाले कीड़ों या जूं जैसे जीवों से मिलता-जुलता लगता है, लेकिन आकार में उनसे कहीं अधिक बड़ा होता है। सामान्यतः जहां स्थलीय कीट छोटे होते हैं, वहीं यह समुद्री जीव लगभग 16 इंच तक लंबा हो सकता है, जो इसे अपने वर्ग के जीवों में खास बनाता है। यह मुख्य रूप से समुद्र तल यानी डीप-सी (Deep Sea) में रहता है, जहां सूरज की रोशनी तक नहीं पहुंच पाती और तापमान बेहद कम होता है। इतनी कठिन परिस्थितियों में जीवित रहना ही इसे एक अद्भुत जीव बनाता है। विशाल आइसोपोड का शरीर कठोर खोल से ढका होता है, जो इसे बाहरी खतरों से

बचाता है और इसके कई पैर होते हैं, जिनकी मदद से यह समुद्र की सतह पर धीरे-धीरे चलता है। यह जीव मांसाहारी प्रवृत्ति का होता है, लेकिन खुद शिकार करने की बजाय यह अधिकतर समुद्र में मरे हुए जीवों को खाकर जीवित रहता है, जिसे "स्कैवेंजिंग" कहा जाता है। समुद्र की गहराइयों में भोजन की कमी होती है, इसलिए यह जीव लंबे समय तक बिना खाए भी रह सकता है और जब इसे भोजन मिलता है, तो यह एक साथ अधिक मात्रा में खा लेता है।

इसकी सूंघने की क्षमता बहुत तेज होती है, जिससे यह दूर से ही मरे हुए जीवों का पता लगा लेता है। वैज्ञानिकों के लिए यह जीव खास रुचि का विषय है, क्योंकि यह हमें समुद्र के गहरे और कम खोजे गए हिस्सों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। इसके अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पृथ्वी पर जीवन कितनी कठिन परिस्थितियों में भी संभव है। विशाल आइसोपोड न केवल समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह प्रकृति की अद्भुत विविधता और अनुकूलन क्षमता का भी बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, यह जीव अत्यधिक दबाव (pressure) वाली परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रह सकता है, जहां सामान्य जीवों का टिक पाना कठिन होता है। इसकी धीमी जीवनशैली और ऊर्जा बचाने की क्षमता इसे लंबे समय तक जीवित रहने में मदद करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव लाखों वर्षों से लगभग उसी रूप में मौजूद है, जिससे यह 'जीवित जीवाश्म' (living fossil) जैसा प्रतीत होता है। गहरे समुद्र में इसकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि प्रकृति ने हर परिस्थिति के अनुसार जीवन को ढालने की अद्भुत क्षमता विकसित की है।

वैज्ञानिक फैक्ट

क्यों आता है हमें पसीना

पसीना आना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब शरीर का तापमान बढ़ता है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए शरीर पसीना छोड़ता है। यह प्रक्रिया शरीर की प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम की तरह काम करती है।

मानव शरीर में लाखों स्वेद ग्रंथियां होती हैं, जो त्वचा के माध्यम से पसीना बाहर निकालती हैं। जब हम गर्म वातावरण में होते हैं, व्यायाम करते हैं या तनाव महसूस करते हैं, तो हमारा मस्तिष्क शरीर को ठंडा रखने के लिए इन ग्रंथियों को सक्रिय कर देता है। पसीना त्वचा पर आकर वाष्पित होता है, जिससे शरीर का तापमान कम हो जाता है। सौभाग्य से, शरीर में तापमान को महसूस करने और नियंत्रित करने के लिए बहुत ही परिष्कृत तंत्र मौजूद हैं। जैसे ही आपके शरीर का आंतरिक तापमान बढ़ने लगता है, आपका हाइपोथैलेमस (आपके मस्तिष्क का एक छोटा सा क्षेत्र) आपके पूरे शरीर में फैली हुई एक्राइन पसीना ग्रंथियों को बताता है कि पसीना उत्पन्न करके आपको ठंडा करने का समय आ गया है।

हालांकि शरीर को ठंडा करना सिर्फ पसीने के टपकने जितना आसान नहीं है। इस प्रक्रिया के लिए पसीने का कुछ हिस्सा त्वचा से वाष्पित होना जरूरी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि पसीने के जरिए शरीर को ठंडा करने की प्रक्रिया भौतिकी के एक सिद्धांत पर आधारित है, जिसे 'वाष्पीकरण की ऊष्मा' कहा जाता है। पसीने को त्वचा से वाष्पित करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है और वह ऊर्जा ऊष्मा है। शरीर की अतिरिक्त ऊष्मा पसीने की बूंदों को वाष्प में परिवर्तित करने में उपयोग होने लगती है, जिससे आपको ठंडक महसूस होने लगती है।

पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण है गर्मी या शारीरिक गतिविधि। इसके अलावा, भावनात्मक स्थिति जैसे डर, घबराहट या तनाव भी पसीना बढ़ा सकते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि परीक्षा या इंटरव्यू के समय हाथों में पसीना आने लगता है। यह भी शरीर की प्रतिक्रिया ही है। पसीने का एक और महत्वपूर्ण काम शरीर से विषैले तत्वों (toxins) को बाहर निकालना है। पसीने में ज्यादातर पानी और नमक होता है, लेकिन यह शरीर की सफाई में भी मदद करता है। कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, जिसे 'हाइपरहाइड्रोसिस' कहा जाता है। यह एक मेडिकल स्थिति हो सकती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी खास कारण के भी अत्यधिक पसीना आता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है। पसीने से कभी-कभी बदबू भी आती है, जो सीधे पसीने की वजह से नहीं, बल्कि त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के कारण होती है। जब ये बैक्टीरिया पसीने के साथ प्रतिक्रिया करते हैं, तब गंध उत्पन्न होती है। पसीना आना कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर की एक जरूरी प्रक्रिया है। यह हमें गर्मी से बचाता है, शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है और स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक होता है। इसलिए पसीने को लेकर घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि इसे शरीर की एक प्राकृतिक और लाभदायक क्रिया के रूप में समझना चाहिए।

इलाज में सहायक मस्तिष्क कोशिकाओं की आणविक क्रियाएं

आसान नहीं है दर्द को दूर करना। बिछुड़ने के गम और कारोबारी घाटे से अथवा चोट या घाव लगने के दर्द की न्यूरो-फिजियोलॉजी को समझना आसान बिल्कुल नहीं है। आयुर्वेद और भारत की लोकचिकित्सा में बहुत से दर्द निवारक तो बताए गए हैं, लेकिन अवसाद और इससे पैदा दर्द की मॉलिक्यूलर बायोलॉजी बिल्कुल अलग है। मध्यकाल में युद्धों के दौरान लगे घावों से पैदा दर्द के अहसास को दूर करने के लिए योद्धा लोग अक्सर अफीम को साथ रखते थे ताकि वे इसकी कुछ मात्रा के सेवन एक दवा के रूप में कर सकें। इनकी फार्माकोलॉजी और रासायनिक एवं इनके एक्टिंग मैकेनिज्म पर भी बहुत काम हुआ है। लोगों को अफीम के बारे में अमूमन मालूमात हैं, जो एक दर्दनिवारक नशीला पदार्थ है। शरीर विज्ञानियों ने शरीर के भीतर ही छिपे हुए कुदरती दर्दनिवारकों (बॉडीज ऑन नेचुरल ऑपिओइड्स) का पता लगाया है। इन सबको एंटागोनिस्ट कहा जाता है, जो मॉडर्न फार्माकोलॉजी की एक टर्म है। बात अफीमचियों द्वारा नशे के रूप में अफीम का सेवन करने की नहीं है। मॉडर्न क्लिनिकल फार्माकोलॉजी एक और विधा है, जिसमें दवा के असर को जीवों में देखा जाता है। सभी जीव इन कुदरती या शरीर द्वारा बनाए गए दर्द निवारकों को सिंथेसायिज करके लैब में बनाकर देखा जाता और फार्मूला सिद्ध होने के बाद इसे ड्रग इंडस्ट्री द्वारा बड़े स्तर पर एक प्रोडक्ट या दवा के रूप में उपलब्ध कराया जा सकता है। गोली या पेय के प्रति सभी लोग एक जैसी प्रतिक्रिया नहीं देते। दर्द निवारक की अधिक मात्रा, जैसे कि एस्पिरिन में मौजूद एक्टिव पुनर्प्राप्त रसायन एसिटिल सैलीसाइलिक एसिड जिसे सैलीसाइलिक एसिड से हासिल किया जाता है। इसके मॉलिक्यूल प्रोस्टाग्लैंडीन के स्राव को रोकते हैं, जो कि दर्द की अनुभूति के लिए एक मध्यस्थ कुदरती द्रव है।

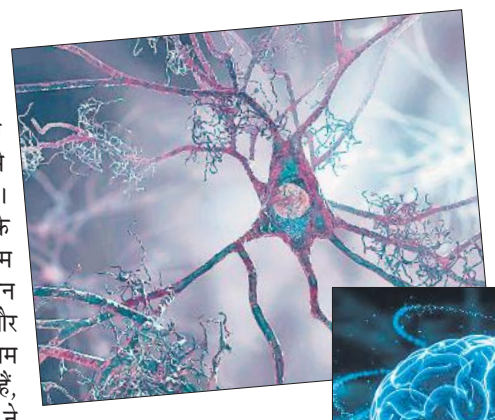

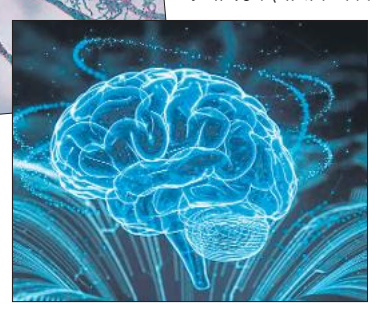

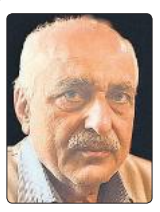

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

प्रोस्टाग्लैंडिन लिपिड यौगिक होते हैं, जो ऊतक क्षति या संक्रमण वाले स्थानों पर स्थानीय रूप से उत्पन्न होते हैं। ये रासायनिक संदेशवाहक के रूप में कार्य करते हैं और सूजन, रक्त प्रवाह और प्रजनन जैसी शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।

पारंपरिक हार्मोनों के विपरीत, प्रोस्टाग्लैंडिन आवश्यकता पड़ने पर शरीर में संश्लेषित होते हैं और आमतौर पर अपने उत्पादन स्थल के निकट ही कार्य करते हैं, साथ ही इनका अर्द्ध-जीवनकाल बहुत कम होता है। एस्पिरिन के काम करने के तरीके में साइक्लोऑक्सीजिनेज एंजाइमों, खास तौर पर साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 और साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को हमेशा के लिए रोकना शामिल है। यह रुकावट एराकिडोनिक एसिड को प्रोस्टाग्लैंडीन और थ्रोम्बोक्सेन में बदलने से रोकती है। ये दोनों कई शारीरिक प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं। साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 के एक्टिव हिस्से में मौजूद एक सेरीन अवशेष को एसिटाइलेट करके, एस्पिरिन प्लेटलेट्स में थ्रोम्बोक्सेन ए-2 के बनने को रोक देती है, जिससे प्लेटलेट्स का जमा होना और खून के थक्के बनना कम हो जाता है। इसलिए हृदयाघात से पीड़ितों को एस्पिरिन की मामूली सी मात्रा नियमित तौर से लेने की सलाह दी जाती है। यह हमेशा रहने वाला असर प्लेटलेट की 7 से 10 दिनों तक की जिंदगी तक बना रहता है। एस्पिरिन द्वारा साइक्लोऑक्सीजिनेज-13 को रोकने की वजह से ही इसमें सूजन-रोधी, दर्द-निवारक और बुखार-रोधी गुण भी होते हैं। कम मात्रा में लेने पर, एस्पिरिन मुख्य रूप से प्लेटलेट्स में मौजूद साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 पर असर डालती है, जिससे दिल की बीमारियों से सुरक्षा मिलती है, लेकिन ज्यादा मात्रा में लेने पर, यह साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को भी रोकती है, जिससे इसके सूजन-रोधी और दर्द-निवारक असर और भी बढ़ जाते हैं।

प्रख्यात विज्ञान पत्रिका साइंस में छपी एक स्टडी के मुताबिक, साइंटिस्ट्स ने ब्रेन की एक ऐसी प्रक्रिया को ईजाद किया है, जिससे मालूम होता है कि कुछ लोगों में क्रोनिक दर्द से डिप्रेशन क्यों होता है, लेकिन दूसरों में नहीं। ये नतीजे इस सोच को चुनौती देते हैं कि लंबे समय तक दर्द से डिप्रेशन होना तय है। जानवरों पर स्टडी के साथ-साथ इंसानों में बड़े पैमाने पर ब्रेन इमेजिंग का इस्तेमाल करके, टीम ने पाया कि लगातार दर्द हिप्पोकैंपस में धीरे-धीरे बदलाव लाता है। यह ब्रेन का एक हिस्सा जो याददाश्त में अपनी भूमिका के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। ये बदलाव इस बात पर असर डालते हैं कि कोई व्यक्ति समय के साथ डिप्रेशन में जाता है या इमोशनली मजबूत रहता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के प्रोफेसर जियानफेंग फेंग ने बताया है कि क्रोनिक दर्द अक्सर डिप्रेशन या एंग्जायटी में बदल जाता है, लेकिन अब तक हम यह नहीं समझ पाए हैं कि ऐसा कुछ लोगों के साथ क्यों होता है और दूसरों के साथ नहीं। शोध के नतीजों से पता चलता है कि हिप्पोकैंपस एक कंट्रोल सेंटर की तरह काम करता है, जो ब्रेन को लंबे समय तक दर्द के प्रति इमोशनल रिस्पॉन्स को रेगुलेट करने में मदद करता है। डिप्रेशन होना इस बात पर निर्भर करता है कि यह सिस्टम समय के साथ कैसे रिस्पॉन्स देता है।

एडल्ट्स को प्रभावित करता क्रोनिक दर्द

क्रोनिक दर्द दुनियाभर में 20 प्रतिशत से ज्यादा एडल्ट्स को प्रभावित करता है और यह एंग्जायटी और डिप्रेशन से बहुत ज्यादा जुड़ा हुआ है, लेकिन लगातार दर्द वाले कई लोगों में ये दिक्कतें कभी नहीं होतीं और इस अंतर के पीछे के बायोलॉजिकल कारण अभी भी साफ नहीं है। इसका पता लगाने के लिए, रिसर्चर्स ने यूनाइटेड किंगडम के बायोबैंक समेत बड़े पॉपुलेशन डेटासेट से ब्रेन स्कैन की जांच की। जिन लोगों को क्रोनिक दर्द था और जिनमें डिप्रेशन नहीं हुआ, उनका हिप्पोकैंपल वॉल्यूम थोड़ा बड़ा था और इस हिस्से में एक्टिविटी ज्यादा थी। उन्होंने कुछ सीखने और याद रखने वाले कामों में भी बेहतर परफॉर्म किया, जिससे पता चलता है कि ब्रेन शुरू में लगातार दर्द के हिसाब से ढल सकता है। इसके उलट, जिन लोगों को क्रोनिक दर्द और डिप्रेशन दोनों थे, उनमें हिप्पोकैंपल वॉल्यूम कम था, एक्टिविटी में रुकावट थी और कॉग्निटिव परफॉर्मेंस खराब थी। लंबे समय के डेटा से पता चला कि ये अंतर एक साथ दिखने के बजाय धीरे-धीरे सामने आते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,913.50	23,997.55
गिरावट	582.86	180.10
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,54,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,42,700 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 1 मई 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2535, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2080, सचिन 2300, सूरज 2080, अवसर 2125, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2440, मोर 2285, चक्र टिन 2505, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490

किराना :- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल (प्रति कु0) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छोंटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी :- द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि का 18 प्रतिशत है यूपी के खातों में

नई दिल्ली, एजेंसी

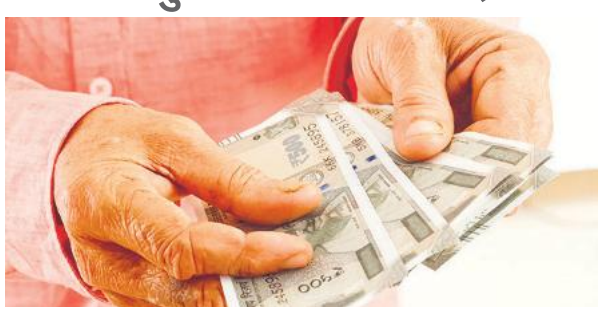

- बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज ने जारी किए आंकड़े
- दूसरे नम्बर पर हैं बिहार और पश्चिम बंगाल, जहां 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं

वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खुले खातों और जमा राशि के मामले में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। राज्य में इस साल अप्रैल तक 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं, जो कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बैंक प्रतिनिधि (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि अप्रैल 2026 तक बढ़कर लगभग 3.07 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

आंकड़ों के अनुसार, आठ अप्रैल 2026 तक जन-धन खातों की कुल संख्या बढ़कर 58.06 करोड़ हो गई जो अप्रैल 2025 में 55.28 करोड़ और अप्रैल 2024 में 52.01 करोड़ थी। जमा राशि में भी इसी अनुपात में बढ़ोतरी देखी गई है।

अप्रैल 2024 के 2.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर यह अप्रैल 2026 में 3.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, भारत सरकार का एक प्रमुख वित्तीय कार्यक्रम है। इसके तहत शून्य राशि यानी बिना किसी रकम के बैंक खाते खोले जाते हैं। इसका उद्देश्य हर परिवार को बैंकिंग सेवा से जोड़ना है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में खोले गए कुल 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं। यह कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। उसके बाद बिहार और पश्चिम बंगाल का स्थान है, जहां क्रमशः 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेज के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) लोकनाथ पांडा ने कहा कि बिजनेस कोरेस्पोंडेंट केंद्र अब बैंक शाखाओं के प्रभावी विस्तार के रूप में कार्य कर रहे हैं। इससे न केवल ग्राहकों की भागीदारी बढ़ी है, बल्कि वित्तीय समावेश के प्रति लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

अन्य बड़े राज्यों की स्थिति

राजस्थान (24,000 करोड़ रुपये), महाराष्ट्र (22,000 करोड़ रुपये) और मध्य प्रदेश (19,000 करोड़ रुपये) के साथ कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों में भी खातों की सक्रियता में तेजी दर्ज की गई है।

जमा में यह बढ़ोतरी बैंक प्रतिनिधि नेटवर्क में तेजी से विस्तार का नतीजा है। बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेंटर बैंक का ऐसा सेवा केंद्र होता है जहां बैंक की शाखा न होते हुए भी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके कारण बैंकिंग सेवाओं को गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

कच्चे तेल में उबाल से फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

- 1,237.5 अंक तक लुढ़कने बाद दोपहर के सत्र में संभला
- निफ्टी भी 180 अंक गिरकर 23,997.55 अंक पर बंद हुआ

कच्चे तेल के ऊंचे स्तर, कमजोर वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स करीब 583 अंक नुकसान में रहा जबकि निफ्टी 180 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 582.86 अंक यानी 0.75 प्रतिशत टूटकर 76,913.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,237.5 अंक तक लुढ़क गया था लेकिन दोपहर के सत्र में कुछ संभल गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 180.10 अंक यानी 0.74 प्रतिशत गिरकर 23,997.55 पर बंद हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग एक प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए थे।

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर :- सन फार्मा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

नुकसान में रहे शेयर :- हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर नुकसान में रहे।

स्मालकैप 0.58% और मिडकैप 0.84% फिसला

मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.84 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड को सर्वाधिक 2.13 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। पीएसयू बैंक खंड में 1.66 प्रतिशत, रियल्टी खंड में 1.44 प्रतिशत और जिंस खंड में 1.36 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,468.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि शुरुआत में घबराहट भरी बिकवाली के बाद बाजार में सुधार देखने को मिला। हालांकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल में आए तेज उछाल की वजह से आई।

बिजनेस ब्रीफ

70 करोड़ से ज्यादा हुए फोनपे के पंजीकृत उपयोगकर्ता

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान मंच फोनपे पर 29 अप्रैल 2026 तक कुल पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। कंपनी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में उसके व्यापक पहुंच और भुगतान तथा वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में उसके डिजिटल मंच के विस्तार को दर्शाती है। यह उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे, और भरोसेमंद डिजिटल भुगतान अनुभव पर कंपनी के लगातार ध्यान को भी प्रतिबिंबित करती है। कंपनी के अनुसार, पहले 10 लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने में उसे 136 दिन लगे थे, जबकि अब इतने ही नए उपयोगकर्ता जोड़ने में लगभग छह दिन लगते हैं।

डीजल निर्यात पर 23 रुपये प्रति लीटर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लागू, घरेलू दरों पर असर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने एक मई से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए डीजल और विमान ईंधन पर संशोधित विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा सड़क और अवसंरचना उपकर की दरें गुरुवार को अधिसूचित कर दी।

वित्त मंत्रालय ने आज जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्र सरकार ने 01 मई से शुरू होने वाले अगले पखवाड़े के लिए डीजल दरों के निर्यात पर शुल्क 23 रुपये प्रति लीटर (विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क-23 रुपये; सड़क एवं अवसंरचना उपकार-शुल्क) अधिसूचित किया है। साथ ही विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क 33 रुपये प्रति लीटर (केवल विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क) होगा।

पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क शून्य बना रहेगा। इससे घरेलू खुदरा कीमतों पर असर नहीं पड़ेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि घरेलू खपत के लिए स्वीकृत पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा उत्पाद शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोल, डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर निर्यात शुल्क (विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क) /सड़क और अवसंरचना उपकर (आरआईसी) गत 27 मार्च से लागू किए गए थे, ताकि पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर निर्यात को हतोत्साहित करके पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। दरों में हर पखवाड़े संशोधन किया जाता है और पिछला संशोधन 11 अप्रैल 2026 से प्रभावी हुआ था।

समाधान योजनाओं को एनसीएलटी की मंजूरी में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

कहा-यह गंभीर स्थिति, युद्धस्तर पर नहीं हुआ समाधान तो दिवाला कानून का उददेश्य ही विफल हो जाएगा

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में समाधान योजनाओं की मंजूरी में हो रही देरी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए स्थिति को 'गंभीर' बताते हुए कहा है कि इस समस्या का युद्धस्तर पर समाधान नहीं हुआ तो दिवाला कानून का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को देशभर की एनसीएलटी पीठों में स्टाफ और बुनियादी ढांचे की कमी को भी रेखांकित किया। इसके साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत के समक्ष रखा जाए ताकि इसे उचित पीठ को सौंपा जा सके।

शीर्ष अदालत में एनसीएलटी की प्रधान पीठ की तरफ से रखी गई रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में 383 आवेदन समाधान योजनाओं की मंजूरी के लिए लंबित हैं, जिनमें देरी एक महीने से लेकर 700 दिनों से अधिक तक की है।

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी ऋणग्रस्त कंपनी को उबारने के लिए कर्ज समाधान योजना पेश की जाती है। इसमें आमतौर पर कंपनी के पुनर्गठन, कर्ज के पुनर्समायोजन या अधिग्रहण के जरिए उसके कारोबार को फिर से पटरी पर लाने की योजना शामिल होती है।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश 2023 में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायालय (एनसीएलएटी) के एक आदेश के खिलाफ दायर दो याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। उच्चतम न्यायालय ने 16 अप्रैल को सुनवाई के दौरान एनसीएलटी से देशभर में लंबित मामलों, उनकी अवधि और देरी के कारणों का विवरण मांगा था।

इसके साथ ही भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड को भी मामले में पक्षकार बनाते हुए आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक में बचत खाता खोल सकते हैं स्वयं सहायता समूह

नई दिल्ली, एजेंसी

डाक विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाले इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक ने स्वयं सहायता समूह बचत खाता आरंभ करने की गुरुवार को घोषणा की। डाक विभाग का कहना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन बढ़ाना और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को बल मिलेगा।

आईपीपीबी के प्रबंध निदेशक और सीईओ आर विश्वेश्वरन ने कहा कि इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक स्वयं सहायता समूह बचत खाता योजना के अंतर्गत न्यूनतम प्रारंभिक जमा राशि तथा मासिक औसत शेष राशि की आवश्यकता नहीं होगी। पर इस सुविधा पर राशि सीमा 2 लाख रुपये लागू होगी। लागू बचत दरों के अनुसार त्रैमासिक ब्याज भुगतान किया जाएगा। नकद जमा और निकासी, प्रति माह खाता विवरण, खाता बंद करने, तथा क्यूआर कार्ड जारी करने जैसी सुविधाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा।

आरबीआई ने पिछली छमाही में 104.23 टन सोना देश में स्थानांतरित किया, 880 टन हुआ भंडार

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मार्च, 2026 को समाप्त छह महीनों में अपने स्वर्ण भंडार का 104.23 टन हिस्सा देश के भीतर स्थानांतरित किया है। विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन पर जारी केंद्रीय बैंक की अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में कुल स्वर्ण भंडार मामूली रूप से बढ़कर 880.52 टन हो गया, जो सितंबर 2025 में 880.18 टन था। 880.52 टन सोने में 680.05 टन सोना घरेलू स्तर पर रखा गया है। इसके अलावा, 197.67 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के पास सुरक्षित रखा गया है जबकि 2.80 टन सोने को स्वर्ण भंडार के रूप में रखा गया है।

एफडीआई नियमों में ढील पर फेमा अधिसूचना जल्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- 10% तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को होगा फायदा

सरकार 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भारत में स्वचालित मार्ग से निवेश की अनुमति देने संबंधी नियमों को जल्द ही विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत अधिसूचित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि अधिसूचना जारी होने के बाद ये बदलाव प्रभावी हो जाएंगे। इससे पहले मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के 2020 में जारी प्रेस नोट-3 में संशोधन को मंजूरी दी थी।

संशोधित प्रावधानों के तहत, ऐसी विदेशी कंपनियां जिनमें चीन या हांगकांग की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक है, उन क्षेत्रों में निवेश कर सकेंगी जहां प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की स्वचालित मार्ग से अनुमति है। हालांकि, यह रियायत चीन, हांगकांग या भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत कंपनियों पर लागू नहीं होगी। सरकार ने यह निर्णय भी लिया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक पूंजीगत उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पॉलीसिलिकॉन और इंगोट-वेफर जैसे क्षेत्रों में आने वाले एफडीआई प्रस्तावों का निपटारा 60 दिनों के भीतर किया जाएगा। इन क्षेत्रों को मंत्रिमंडलीय सचिव की अध्यक्षता वाली सचिवों की समिति द्वारा चिह्नित किया जाएगा।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव जय प्रकाश शिवहरे ने कहा कि आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) को फेमा के तहत अधिसूचना जारी करनी है, जो जल्द ही की जाएगी।

एफडीआई 90 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कुल एफडीआई के 90 अरब डॉलर के पार पहुंच जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सुधारात्मक उपाय, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि देश को अच्छा निवेश आकर्षित करने में मदद कर रही है।

जल्द ही ऋण गारंटी के साथ बिना कुछ गिरवी रखे मिल सकेगा कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कंपनियों के लिए कर्ज गारंटी को लेकर ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था पर काम जारी

सरकार पश्चिम एशिया संकट के बीच कंपनियों के लिए आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसी व्यवस्था शुरू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत कर्ज गारंटी और बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज उपलब्ध कराया जा सकता है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य पात्र इकाइयों को परिचालन दायित्वों को पूरा करने तथा कारोबार फिर शुरू करने में सहायता देना था।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने यहां आयोजित 'सीआईआई एमएसएमई लीडरशिप समिट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था लाने पर विचार जारी है जिसमें बिना कुछ गिरवी रखे ऋण, ऋण गारंटी, कर्ज पुनर्गठन और ऋण स्थगन शामिल हो सकती हैं।

कच्चे माल की खरीद के लिए एनएसआईसी (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि.) कार्यक्रम के तहत भी काम जारी है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामकों से कुछ नियामकीय राहत देने पर भी विचार किया जा रहा है। सिंह ने उद्योग से इन प्रस्तावित उपायों पर प्रतिक्रिया भी मांगी।

पहले लागू आपात ऋण गारंटी योजना में लगभग सभी आर्थिक क्षेत्र शामिल थे और इसके तहत सदस्य ऋण संस्थानों द्वारा दिए गए ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी दी जाती थी।

दस साल, बेमिसाल : यूपीआई बना दुनिया का सबसे बड़ा तत्काल डिजिटल भुगतान मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

कहीं से कहीं को तत्काल भुगतान करने की सुविधा मुठ्ठी में पड़े मोबाइल फोन के जरिए आम लोगों तक पहुंचने वाली यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) नाम की खोज ने बाजार में अपने 10 साल पूरे कर लिये हैं। देखते ही देखते यह ऐप आधारित भुगतान के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म बन गयी है।

भारतीय रिज़र्व बैंक की देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने 11 अप्रैल 2016 को इसका लोकार्पण किया था। एक दशक में यह भारत में डिजिटल पेमेंट्स के पारिस्थितकी तंत्र की रीढ़ बन गया है। इस तरह की अवधारणा को भारत जैसे देश में आम लोगों द्वारा अपनाये जाने को लेकर पहले की तमाम दुविधाओं और आशंकाओं को गलत सिद्ध करते हुए यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक अहम ज़रिया बनकर उभरा है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिये 2016-17 में जहां सिर्फ़ दो करोड़ ट्रांज़ैक्शन हुए थे। वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24,162 करोड़ से ज़्यादा, यानी लगभग 12,000 गुना ज्यादा हो गयी। इसी दौरान ट्रांज़ैक्शन का मूल्य भी वित्त वर्ष 2016-17 में सात हजार करोड़ रुपये से तेज़ी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

विकास | **'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी**

हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील हिमालयीय क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, ढलानों की अस्थिरता और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि सरकार वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है।

वहीं, सुरंग और सड़क परियोजनाओं के लिए भू-वैज्ञानिक जांच और आंकड़ों के आदान-प्रदान हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ भी सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिला यांत्रिकी संस्थान (एनआईआरएम) के साथ मिलकर परियोजनाओं की तकनीकी जांच, डिजाइन की पुष्टि, सुरंगों की सुरक्षा जांच और निगरानी जैसे काम किए जा रहे हैं। गडकरी ने बताया कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें वास्तविक समय पर निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। उत्तराखंड में चारधाम मार्ग के करीब 100 किलोमीटर हिस्से में भूस्खलन की निगरानी और समय रहते चेतावनी देने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित प्रणाली लगाने का भी समझौता किया गया है।

मंत्री ने कहा कि अब सड़क परियोजनाओं की योजना बनाते समय लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और यूएवी जैसी तकनीक का उपयोग कर विस्तृत सर्वे किया जा रहा है, ताकि भूस्खलन की संभावनाओं और पुराने आंकड़ों को ध्यान में रखकर बेहतर और सुरक्षित सड़कें बनाई जा सकें।

एफटीए से निर्यात और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: पीयूष गोयल

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच देने, देश के निर्यात को बढ़ावा देने और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करने में मदद करेंगे।

गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने हाल ही में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत न्यूजीलैंड भारत में 20 अरब डॉलर (करीब दो लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। गोयल ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, "हम भारतीय उद्योग के लिए नए बाजार खोल रहे हैं और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए कदम उठा रहे हैं...।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली में द्वारका गोल्फ कोर्स के तालाब में तीन बच्चों की डूबकर मौत

नई दिल्ली। द्वारका के सेक्टर 24 इलाके में स्थित एक गोल्फ कोर्स के तालाब में बृहस्पतिवार सुबह आठ से 10 साल की उम्र के तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर द्वारका सेक्टर 23 थाने की पुलिस सुबह मौके पर पहुंची। दमकल विभाग सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी बुलाया गया। पुलिस ने बताया, गोल्फ कोर्स परिसर के अंदर तालाब में तीन बच्चों को मृत पाया गया। दमकल विभाग ने शवों को बाहर निकाला। बच्चों के कपड़े किनारे पर मिले, जिससे अनुमान है कि वे नहाने के लिए तालाब में उतरे होंगे। अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

धन शोधन मामले में आई पैक निदेशक विनेश चंदेल को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आई पैक के सह संस्थापक और निदेशक विनेश चंदेल को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने कहा कि ईडी ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। न्यायाधीश बंसल ने जमानत देते हुए कई शर्तें भी लगाई हैं। इससे पहले 14 अप्रैल को अदालत ने ईडी को चंदेल से 10 दिनों तक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दी थी और कहा था कि यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि वह अपराध से अर्जित कई करोड़ रुपये की आय, हेरफेर आदि से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी ने चंदेल को 13 अप्रैल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

नेपाल में बारिश के बीच जीप खाई में गिरने से 20 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के रोल्पा जिले में बृहस्पतिवार को एक जीप पहाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 700 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना थवांग ग्रामीण नगरपालिका के जलजाला क्षेत्र में हुई, जब बारिश के बीच वाहन कीचड़ भरे रास्ते पर फिसल गया और पहाड़ी से नीचे गिर गया। रोल्पा जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सुनील थापा के अनुसार, शुक्रवार को जलजाला में आयोजित बैसाख पूर्णिमा उत्सव में भाग लेने जा रहे स्थानीय लोगों ने निजी जीप किराए पर ली थी।

विमान किराए में मनमानी वृद्धि मामले में टालमटोल पर केंद्र को कड़ी फटकार

तीन तारीखों के बाद भी शपथपत्र न देने और बार-बार वक्त मांगने का कारण बताना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने देश में निजी एयरलाइनों के विमान किरायों और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को सुव्यवस्थित करने संबंधी नियामक दिशानिर्देशों का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर हलफनामा दाखिल नहीं करने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को एक अर्जी के साथ 8 मई तक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें तीन बार समय दिए जाने के बाद भी शपथ पत्र दाखिल न करने की वजह और इसके लिए अतिरिक्त समय मांगने के कारणों का उल्लेख किया गया हो।

पिछले साल 17 नवंबर को, शीर्ष न्यायालय ने सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। लक्ष्मीनारायणन ने नागर विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक सशक्त और स्वतंत्र नियामक की मांग की थी। बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इस पर केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति का हवाला दिया। पीठ ने उनसे पूछा, हलफनामा दाखिल करने में आपको क्या दिक्कत आ रही है। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि वे नियम बनाने पर विचार कर रहे हैं। पीठ ने कहा, आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड पर रखें। आप हलफनामा दाखिल क्यों नहीं कर सकते। केंद्र का यह क्या रुख है। हमने आपको तीन बार समय दिया है।

पिछली सुनवाइयों में सुप्रीम कोर्ट ने मनमानी किराया वृद्धि को बताया था यात्री का शोषण

केंद्र ने 23 फरवरी को उच्चतम न्यायालय को बताया था कि नागर विमानन मंत्रालय याचिका में उठाए गए मुद्दों पर तत्परता से विचार कर रहा है। न्यायालय ने 19 जनवरी को मामले की सुनवाई करते हुए विमान किरायों में होने वाले अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव में हस्तक्षेप करने की बात कही थी और त्योहारों के दौरान होने वाली अत्यधिक वृद्धि पर चिंता जताई थी। न्यायालय ने इस वृद्धि को शोषण करार देते हुए केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले पिछले साल नवंबर में, पीठ ने केंद्र सरकार, डीजीसीए और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी।

इस बार भी मांगा तीन सप्ताह का समय, कोर्ट का साफ इन्कार

केंद्र ने हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। पीठ ने इससे इन्कार कर दिया कहा, 8 मई को हलफनामा मिल जाना चाहिए। जो कुछ कहना चाहते हैं तभी कहें। अगली 11 मई को होगी।

दावा... अनदेखी की जा रही है किराया बढ़ाने की

याचिका में दावा किया गया था कि सभी निजी एयरलाइनों ने बिना किसी ठोस कारण इकोनॉमी श्रेणी के यात्रियों के लिए नि:शुल्क चेक इन सामान की सीमा 25 किलोग्राम से घटा कर 15 किग्रा कर दी और ऐसा कर पूर्व में टिकट के अंतर्गत आने वाली सेवा को राजस्व का एक नया स्रोत बना दिया गया। याचिका में कहा गया है कि चेक इन के तहत केवल एक सामान की अनुमति देने की नई नीति और इस सेवा का लाभ न उठाने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवजा या लाभ न देना मनमाना और भेदभावपूर्ण है। याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान में किसी भी प्राधिकरण को विमान किराये या अन्य शुल्कों की समीक्षा करने या उन पर सीमा लगाने का अधिकार नहीं है, जिसके चलते एयरलाइंस छिपे हुए शुल्कों और अप्रत्याशित मूल्य निर्धारण के माध्यम से उपभोक्ताओं का शोषण कर रही हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम ज़मानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपतियां रखने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने कांग्रेस नेता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। खेड़ा ने कहा कि यदि उन्हें दर्ज मामले में अग्रिम जमानत नहीं मिलती है तो गिरफ्तारी पूर्व जमानत का पूरा उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सुनवाई के विषय हैं और उन्हें गिरफ्तार कर अपमानित करना आवश्यक नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि उनके खिलाफ लगाई गई धाराओं में से कुछ जमानती हैं, जबकि अन्य में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है।

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच डेढ़ घंटे से अधिक समय तक फोन पर चली महत्वपूर्ण वार्ता में ईरान संकट, यूक्रेन संघर्ष और रूस-अमेरिका संबंधों सहित कई वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ईरान युद्ध पर बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रंप को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अमेरिका और इजराइल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिर शुरू करते हैं तो इसके गंभीर परिणाम ईरान या उसके पड़ोसियों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने विशेष रूप से ईरानी भूमि पर किसी भी जमीनी अभियान को अस्वीकार्य और अत्यंत खतरनाक बताया।

क्रेमलिन के अनुसार पुतिन और ट्रंप की बातचीत सौहार्दपूर्ण, स्पष्ट और व्यावसायिक रही। पुतिन ने ईरान संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों के प्रति रूस की प्रतिबद्धता दोहराई और ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद कम करने के लिए कई प्रस्ताव रखे। वार्ता की शुरुआत में वॉशिंगटन हिल्टन होटल में ट्रंप पर हुए कथित हमले के प्रयास को लेकर उनके प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। पुतिन ने ईरान और फारस की खाड़ी क्षेत्र पर चर्चा के दौरान ट्रंप के युद्धविराम बढ़ाने के निर्णय का समर्थन किया और कहा कि इससे वार्ता के लिए अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रूस ईरान, खाड़ी देशों, इजराइल और अमेरिका के साथ परामर्श जारी रखे हुए है। ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर शीघ्र युद्धविराम पर बल दिया और कहा कि उनके प्रतिनिधि रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संपर्क बनाये रखेंगे।

पुतिन ने इस दौरान दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को रणनीतिक बढ़त हासिल है लेकिन वह वार्ता के जरिए समाधान को प्राथमिकता देंगे। रूस ने आगामी विजय दिवस समारोह के दौरान संभावित युद्धविराम की इच्छा भी जताई, जिसे ट्रंप ने ऐतिहासिक महत्व वाला कदम बताया। दोनों नेताओं ने आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्रों में संभावित सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जतायी। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि यह कॉल पुतिन के अनुरोध पर रूसी पक्ष की ओर से शुरू की गई थी।

90 मिनट तक चली बातचीत

- दोनों नेताओं ने फोन पर द्विपक्षीय संबंधों के साथ यूक्रेन युद्ध पर भी की लंबी चर्चा

ईरान के समृद्ध यूरेनियम को संभालने की पुतिन की पेशकश ट्रंप ने ठुकराई

वाशिंगटन। ट्रंप ने दावा किया कि पुतिन ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूस की उस पेशकश को दोहराया, जिसमें वह तीसरे देश के रूप में ईरान के 970 पाउंड समृद्ध यूरेनियम के भंडार को संभालने के लिए तैयार है। ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने उनसे कहा, वह इसमें उनकी मदद करना चाहते हैं और वह संवर्धन में शामिल होने के इच्छुक हैं। इस पर उन्होंने उनसे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने को कहा।

पीएनजी के साथ एलपीजी रखने वालों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। सरकार उन पीएनजी उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की योजना बना रही है, जिन्होंने अब तक अपना पुराना एलपीजी कनेक्शन वापस नहीं किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य एलपीजी सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकना है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार देश में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग को तेजी से बढ़ावा दे रही है। मंत्रालय के अनुसार, अब तक लगभग 6.47 लाख नए ग्राहकों ने पीएनजी के लिए पंजीकरण कराया है, लेकिन एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने वालों की संख्या 43,050 है। सरकार इस संख्या को काफी कम मान रही है और दोहरे कनेक्शन रखने वालों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। संयुक्त सचिव ने कहा कि अभी देशभर में उन घरों का आकलन किया जा रहा है जिनमें पीएनजी के साथ-साथ एलपीजी कनेक्शन भी है। यह आकलन होने के बाद इस तरह के उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

ईरान की दो टूक... परमाणु कार्यक्रम से समझौता नहीं करेंगे

दुबई, एजेंसी

ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका को सीधी सैन्य और रणनीतिक चुनौती देते हुए परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को ईरान की 'अमिट राष्ट्रीय पहचान' करार दिया है। गुरुवार को जारी एक कड़े लिखित बयान में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी वैज्ञानिक और रक्षा संपत्तियों से रत्ती भर भी समझौता नहीं करेगा। खामेनेई ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि फारस की खाड़ी में अमेरिकियों के लिए कोई जगह नहीं है और यदि वे दखल देते हैं, तो उनकी जगह केवल 'समुद्र की गहराइयों' (पानी की तह) में होगी।

- खाड़ी में अमेरिका की जगह सिर्फ 'पानी की तह' में: मुजतबा खामेनेई

खामेनेई का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस रणनीति को बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसमें वे युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए ईरान पर अधिकतम दबाव डाल रहे हैं। खामेनेई ने गर्व के साथ कहा कि देश-विशेष में रहने वाले 9 करोड़ सम्मानित ईरानी, नैनो तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी से लेकर परमाणु और मिसाइल क्षमताओं तक को अपनी राष्ट्रीय विरासत मानते हैं।

हथियार-स्तर का संवर्धन: अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के अनुसार, ईरान ने 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन सफलतापूर्वक कर लिया है, जो परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब है। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु प्रमुख राफेल ग्रोसी के अनुसार, ईरान का अधिकांश उच्च संवर्धित यूरेनियम इस्फहान परमाणु परिसर के सुरक्षित बंकरों में है, जो हालिया हवाई हमलों के बावजूद सुरक्षित माना जा रहा है।

अमेरिका मुक्त भविष्य का संकल्प

खामेनेई ने क्षेत्रीय देशों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि फारस की खाड़ी का भविष्य अमेरिका के बिना लिखा जाएगा। उन्होंने कहा, "ईश्वर की मदद से हम एक ऐसा नया अध्याय शुरू कर रहे हैं, जो बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप से मुक्त होगा।" ईरान ने फिलहाल परमाणु वार्ता को टालने का प्रस्ताव दिया है, जबकि ट्रंप प्रशासन का रुख स्पष्ट है कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे।

वर्तमान स्थिति

युद्धविराम की स्थिति: पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ अस्थायी युद्धविराम फिलहाल बेहद नाजुक स्थिति में है।

आर्थिक मार: अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 4 साल के रिकॉर्ड स्तर पर हैं।

ईरान की मांग: ईरान का कहना है कि वार्ता तभी होगी जब अमेरिका अपनी 'धमकी भरी' नाकेबंदी पूरी तरह हटाएगा।

आपकी आवाज ही बन जाती है आपकी दुश्मन

कल्पना कीजिए, आपको एक अनजान नंबर से फोन आता है। दूसरी तरफ से आपके बेटे या बेटी की रोने की आवाज आती है जो कह रहे हैं कि वे किसी बड़ी मुसीबत में हैं या पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया है। घबराहट में आप पैसे ट्रांसफर कर देते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि आपका बच्चा तो सुरक्षित था। उसने न कोई अपराध किया था, नहीं उसे पुलिस ने पकड़ा था। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि डिजिटल अरेस्ट और एआई वॉयस क्लोनिंग का नया और खतरनाक दौर है। अब अपराधी आपके पैसे लूटने के लिए आपकी भावनाओं और तकनीक का भी सहारा ले रहे हैं।

एआई वॉयस क्लोनिंग

आंकड़े क्या कहते हैं

एक अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा फर्म की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 47 प्रतिशत लोग वॉयस क्लोनिंग स्कैम का शिकार हुए हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसके साथ ऐसा हुआ। एआई अब आपकी आवाज के उतार-चढ़ाव और भावनाओं को भी 95 प्रतिशत सटीकता के साथ कॉपी कर सकता है।

आपके लिए जरूरी बातें

- पैनिक बटन सिंड्रोम यानी अपराधी आपको सोचने का समय नहीं देते। वे इमरजेंसी और इज्जत का हवाला देकर आपको डराते हैं ताकि आप बिना जांचे-परखे तुरंत पैसे भेज दें।
- हम अपनी हर जानकारी, लोकेशन और वीडियो सार्वजनिक रखते हैं। यह कच्चा माल साबित होता है। आपकी एक रील आपकी आवाज का क्लोन बनाने में मदद करती है।
- भारत में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानून नहीं है। कोई भी एजेंसी वीडियो कॉल करके आपको घर में कैद रहने का आदेश नहीं दे सकती, न फोन पर पैसों की मांग करती है।
- मनी ट्रेल का गायब होना, ये ठग आपसे पैसे क्रिप्टोकरेंसी या अनजान म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर करवाते हैं, जिससे पुलिस के लिए उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

एक्सपर्ट टिप्स

- परिवार के साथ एक गुप्त कोड वर्ड तय करें। अगर कभी कोई इमरजेंसी कॉल आए तो उस कोड वर्ड को पूछें। अगर दूसरी तरफ वाला न बता पाए तो समझ लें कि वह एआई की नकल है।
- क्रॉस-वेरिफिकेशन करें, यानी घबराने के बजाय फोन कॉल को काटें और सीधे उस व्यक्ति को फोन लगाएं जिसके बारे में दावा किया जा रहा है। उनके दोस्तों या साथ रहने वालों से संपर्क करें।
- वीडियो कॉल पर गंभीरता से गौर करें। अगर वीडियो कॉल पर चेहरा थोड़ा धुंधला दिखे या होंठों की मूवमेंट आवाज से मेल न खाए तो कॉल काट दें और सच्चाई का पता लगाने का प्रयास करें।
- आपके साथ ऐसा कुछ होता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। शुरुआती 1-2 घंटे में पैसे वापस मिलने की संभावना रहती है।

डिजिटल अरेस्ट... यह है अपराधियों का नया खेल

- ठगों के हाथ में एआई ने वॉयस क्लोनिंग तकनीक नाम का जादुई हथियार थमा दिया है। एआई की मदद से 30 सेकंड की आवाज का सैंपल लेकर उसकी हूबहू नकल तैयार की जा सकती है। आवाज की चोरी सोशल मीडिया से होती है।
- अपराधी खुद को सीबीआई, पुलिस या नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं। वे बैकग्राउंड में असली ऑफिस जैसा सेटअप रखते हैं और पैसे ऐंठने के लिए आपको घंटों कैमरे के सामने रहने को मजबूर करते हैं।
- एआई सिर्फ आवाज ही नहीं, बल्कि वीडियो कॉल पर आपके परिचित का चेहरा भी लगा सकता है, जिससे असलियत को पहचानना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कोई भी आसानी से इसके झांसे में आकर अपराध का शिकार हो सकता है।

पूर्व एफबीआई निदेशक ने मेरी हत्या के लिए कोड संदेश भेजे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी की एक पोस्ट को लेकर दावा किया कि कोमी ने उनकी हत्या का खुफिया संदेश साझा किया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर '86 47' वाक्यांश का उल्लेख करते हुए इसे एक माफिया शब्द (मॉब टर्म) बताया।

- ट्रंप ने लगाए आरोप, ट्रुथ सोशल पर साझा किया खुफिया संदेश

उन्होंने दावा किया कि '86' का उपयोग अपराधी हत्या के लिए करते हैं, जबकि '47' का मतलब अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति यानी स्वयं ट्रंप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जेम्स कोमी ने समुद्र तट पर सीपियों से '86 47' लिखकर उनकी हत्या का संकेत दिया है। गौरतलब है कि '86' शब्द का उपयोग अमेरिका में किसी चीज को हटाने या रद्द करने के लिए किया जाता है। कोमी ने इस तस्वीर को एक राजनीतिक संदेश के रूप में साझा किया था और उन्होंने किसी भी हिंसक इरादे से इन्कार किया है। इस मामले में कोमी पर 28 अप्रैल को राष्ट्रपति के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने 29 अप्रैल को अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उन्हें बिना किसी शर्त रिहा कर दिया गया। कोमी ने खुद को निर्दोष बताते हुए इन आरोपों को खारिज किया है। यह कोमी के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का दूसरा कानूनी मामला है, इससे पहले 2025 में भी उन पर एक मामला चला था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज का दिन अच्छा रहेगा। कला या लेखन से जुड़े जातकों को बड़ा मंच मिल सकता है। पुरानी उधारी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष आज का दिन करियर में स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण है। आपकी कार्यकुशलता की वरिष्ठों द्वारा प्रशंसा होगी।

मिथुन आज व्यावसायिक यात्रा के योग हैं। भाई-बहनों से वैचारिक मतभेद सुलझेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क आज का दिन बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के जातकों के लिए विशेष लाभकारी है। अपनी वाणी के जादू से कठिन कार्य भी करवा लेंगे।

सिंह आज नेतृत्व क्षमता में निखार आएगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा।

कन्या आज कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है। मानसिक शांति के लिए योग करें। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

तुला आज व्यापार में आधुनिक तकनीक का प्रयोग लाभ देगा। संतान की शिक्षा को लेकर चली आ रही चिंता दूर होगी।

वृश्चिक आज अचल संपत्ति या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। माता के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। ऑफिस की राजनीति से खुद को दूर रखें।

धनु आज पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटी दूरी की यात्राएं फलदायी रहेंगी। अपने हुनर के प्रदर्शन का भरपूर मौका मिलेगा।

मकर आज धन संचय के नए रास्ते खुलेंगे। किसी मांगलिक कार्य में धन खर्च होने की संभावना है। सेहत अच्छी रहेगी।

कुंभ आज जो छात्र विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव होगा।

मीन आज खर्चों की अधिकता मानसिक तनाव दे सकती है। बाहरी लोगों पर अधिक भरोसा न करें। धार्मिक स्थल की यात्रा मन को सुकून देगी।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

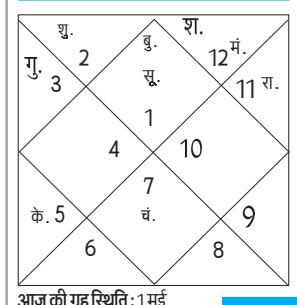

आज की ग्रह स्थिति: 1 मई, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 22.52 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 2 मई 04.35 तक तत्पश्चात विशाखा।

सुडोकू - 135 का हल

7	1	6	4	3	2	9	8	5
4	3	8	9	5	7	6	2	1
5	9	2	6	8	1	4	3	7
8	7	1	3	9	5	2	6	4
2	5	3	1	6	4	7	9	8
9	6	4	2	7	8	1	5	3
6	4	5	8	1	9	3	7	2
1	8	9	7	2	3	5	4	6
3	2	7	5	4	6	8	1	9

सुडोकू -136

4	5							
		1		7	2			
6				9			5	3
7			8	6				
	8						3	
	6			5	1			
2	9							5
			6	3				
		6			4		7	8

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय कला तस्कर सुभाष कपूर और नैन्सी वीनर ने बेचा था अमेरिका में

अमेरिका ने भारत को 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 650 प्राचीन वस्तुएं लौटाईं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाई हैं, साथ ही कहा है कि इस एशियाई देश को चुराई गई कलाकृतियां वापस दिलाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मंगलवार को मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की।

ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गईं, जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं। इन्हें न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा, भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्कर गिरोह का दायरा बहुत बड़ा है, जैसा कि आज 600 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट है। भारत को चुराई गई कलाकृतियां लौटाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग की सराहना की। कहा, उनकी लगातार सतर्कता के कारण इन सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं की बरामदगी और वापसी संभव हो सकी।

- अवलोकितेश्वर की 20 लाख डॉलर मूल्य की कांस्य प्रतिमा शेरों से सजे सिंहासन पर द्विकमल आसन पर विराजमान है। इस पर कारीगर का नाम द्रोणादित्य अंकित है, जो छत्तीसगढ़ के रायपुर के पास सीपुर के निवासी थे। ये प्रतिमा 1939 में लक्ष्मण मंदिर के पास मिली कांस्य प्रतिमाओं के भंडार का हिस्सा थी और 1952 तक रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में शामिल हो गई थी जहां से इसे चुरा लिया गया था।

ये हैं प्रमुख कलाकृतियां

- एक अन्य कलाकृति लाल बलुआ पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है, जिसमें बुद्ध अपना दाहिना हाथ अभय मुद्रा में उठाए खड़े हैं, जो सुरक्षा का संकेत है। इस प्रतिमा के घुटनों के नीचे के पैर टूटे हुए हैं और सिर के पीछे का आभामंडल भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है। संभवत: यह नुकसान उत्तरी भारत से इसे लूटे जाने के दौरान हुआ होगा। करीब 75 लाख डॉलर मूल्य की इस प्रतिमा को कपूर न्यूयॉर्क में तस्करी कर लाया था और इसे एंटीक्विटीज ट्रैफिकिंग यूनिट ने उसकी एक भंडार इकाई से जब्त किया था।

एक अन्य वस्तु नृत्य करते हुए गणेश की बलुआ पत्थर की प्रतिमा है, जिसे कपूर के सहयोगी रंजीत कंवर ने 2000 में मध्य प्रदेश के एक मंदिर से लूटा था। बाद में तस्कर वामन घिया ने इसे न्यूयॉर्क स्थित गैलरी मालिक डोरिस वीनर को बेच दिया था। यह गणेश प्रतिमा 2012 की नीलामी में एक निजी संग्रहकर्ता ने खरीदी थी, जिसने इस वर्ष की शुरू में इसे मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय को सौंपा।

महाराजा चार्ल्स से भारत को कोहिनूर हीरा लौटाने को कहूंगा : ममदानी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह अमेरिका की यात्रा पर आए ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ममदानी ने बुधवार को उनसे मुलाकात करने से पहले यह बात कही। महाराजा दलीप सिंह द्वारा 105.6 कैरेट का कोहिनूर हीरा 1849 में महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था। इसे 1937 में महारानी ने अपने मुकुट में जड़वाया था। भारत ने भी संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन से कोहिनूर हीरे को वापस लाने के तरीकों का पता लगाना जारी रखेगा। कोहिनूर हीरा वर्तमान में लंदन टावर में रखा गया है।

हम वह नहीं कर पाए जिसके लिए मुंबई इंडियंस जानी जाती है। यह सीजन कुछ ऐसा ही रहा है। जब आपको एक-दो मौके मिलते हैं और आप उन्हें लपक लेते हैं, तभी किस्मत और लय बदलती है।
-हार्दिक पंड्या

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 1 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स

समय - शाम 7:30 बजे

गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से लिया पिछली हार का बदला

आईपीएल-2026 : चार विकेट से हराया, गेंदबाजों ने किया शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद, एजेंसी

अशरद खान (तीन विकेट), जेसन होल्डर और राशिद खान (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (43), जॉस बटलर (39) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 25 गेंदें शेष रहते चार विकेट से हरा दिया।

गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। वहीं यह आरसीबी की तीसरी हार है। राहुल तेवतिया ने 17 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद 27 रनों की मैच विजयी पारी खेली। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़। तीसरे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने साई सुदर्शन (छह) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पांचवें ओवर में भुवनेश्वर ने शुभमन गिल को आउट कर गुजरात को दूसरा झटका दिया। गिल ने 18 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 43 रनों की पारी खेली। आठवें ओवर में भुवनेश्वर ने जॉस बटलर को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। बटलर ने दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 39 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर (12) और शाहरुख खान (आठ) को रोमारियो शेफर्ड ने आउट किया। 14वें ओवर में जीत की ओर बढ़ रहीं गुजरात को सुयश शर्मा ने जेसन होल्डर को आउट कर आरसीबी को छठा झटका दिया। जेसन होल्डर ने 10 गेंदों में एक छक्का लगाते हुए 12 रन बनाये। गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवरों में छह विकेट पर 158 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम किया। राशिद खान सात रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने मैच का विजयी चौका लगाया। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिये। रोमारियो शेफर्ड को दो विकेट मिले। सुयश शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने आरसीबी को 19.2 ओवरों मे 155 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया था। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए जेकब बेथेल और विराट कोहली की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज ने जेकब बेथेल (पांच) रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में कगिसो रबाड़ा ने विराट कोहली को आउट कर आरसीबी को दूसरा झटका दिया। विराट कोहली ने 13 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाये। कप्तान रजत पाटीदार (19) को अरशद खान ने आउट किया।

मैच के दौरान बातचीत करते गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और साई सुदर्शन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

155/10 (19.2 ओवर)

जैकब बेथेल का राशिद बो सिराज	05
विराट कोहली का राशिद बो रबाडा	28
देवदत्त पडीक्कल बो राशिद	40
रजत पाटीदार का होल्डर बो अरशद	19
जितेश शर्मा का बटलर बो होल्डर	01
टिम डेविड का होल्डर बो राशिद	09
कृणाल पंड्या का होल्डर बो अरशद	04
रोमारियो शेफर्ड का सुदर्शन बो होल्डर	17
वेंकटेश अय्यर का सुदर्शन बो अरशद	12
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	15
जोश हेजलवुड रन आउट	00

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन** : 1-34, 2-35, 3-79, 4-80, 5-91, 6-96, 7-126, 8-126, 9-155

गेंदबाजी : सिराज 4-0-38-1, रबाडा 4-0-44-1, होल्डर 4-0-29-2, अरशद 3.2-0-22-3, राशिद 4-0-19-2

गुजरात टाइटंस

158/6 (15.5 ओवर)

साई सुदर्शन का जितेश बो भुवनेश्वर	06
शुभमन गिल का कोहली बो भुवनेश्वर	43
जोस बटलर बो भुवनेश्वर	39
वाशिंगटन सुंदर पगबाधा बो शेफर्ड	12
शाहरुख खान का हेजलवुड बो शेफर्ड	08
राहुल तेवतिया नाबाद	27
जेसन होल्डर का पडिक्कल बो सूयश	12
राशिद खान नाबाद	07

अतिरिक्त : 04, **विकेट पतन** : 1-42, 2-57, 3-92, 4-109, 5-111, 6-141

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-28-3, हेजलवुड 4-0-56-0, सूयश 3.5-0-44-1, शेफर्ड 4-0-30-2

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	9	6	3	0	12	0.617
5.	गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	8	3	5	0	6	-1.060
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-400 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-15 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-14 विकेट

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पोलार्ड की सलाह- बुमराह के पीछे न पड़ें

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सत्र अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स के खिलाफ चार ओवर में 54 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मुंबई इंडियन्स ने रेयान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 243 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। जब संवाददाताओं ने बुमराह की मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजी पर सवाल किए तो पोलार्ड ने कहाजब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा उन्होंने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी-कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं। पोलार्ड ने कहा हां, हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई इंडियन्स और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। कभी-कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं क्योंकि हमारी बदकिस्मती है कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं इसलिए जब हम खराब प्रदर्शन करते हैं तो हमेशा उछाला जाता है। पोलार्ड ने कहा कि इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने से उन्हें लंबे समय में फायदा भी हो सकता है।

हाईलाइट

विश्व टीम टेबल टेनिस में भारत ने स्लोवाकिया को हराया

लंदन। भारत की पुरुष टीम ने यहां आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के रोमांचक ग्रुप सात मुकाबले में वापसी करते हुए स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और ग्वाटेमाला के खिलाफ अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। स्लोवाकिया के खिलाफ मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन अंत में भारत ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए जीत हासिल की। स्लोवाकिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली जब दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 51वीं रैंकिंग वाले मानुष शाह को पांच गेम में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हरा दिया।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेगा 56 सदस्यीय दल

नई दिल्ली। भारत का 56 सदस्यीय मुक्केबाजी दल शुक्रवार से उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में एक मजबूत और संतुलित टीम के साथ उतर रहा है। भारतीय अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में 13-13 मुक्केबाज़ शामिल होंगे। ये मुक्केबाज 44-46 किग्रा से लेकर +80 किग्रा तक के अलग वजन वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ चार कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होगा।

मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी यानिक सिनर मैड्रिड ओपन में राफेल जोडार को 6-2, 7-6 (0) से हराकर के अपने पहले सेमीफाइनल पहुंचे। मैड्रिड में जन्मे जोडार हाल ही में कोंडे डी गोडो (बार्सिलोना ओपन) के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट के सरप्राइज पैकेज में से एक रहे हैं, और उन्हें काजा मैजिका में घरेलू मैदान पर मजबूत सपोर्ट मिला। जोडार ने सिनर के खिलाफ सात ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन इटैलियन खिलाड़ी ने एक घंटे, 55 मिनट की जीत में उन सभी को बचा लिया, जिससे बुधवार को उनकी जीत का सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया। बाद में पुरुषों के एक और क्वार्टर फाइनल में, फ्रांस के आर्थर फिल्स ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-3, 6-4 से हराकर सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ई-सिगरेट मामले में पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर बृहस्पतिवार को मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन पर यह जुर्माना मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान कैमरे पर वेपिंग (ई-सिगरेट) करते पकड़े जाने के बाद खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगाया गया।

मंगलवार रात रॉयल्स की पारी के दौरान पराग के इस काम की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। पीटीआई को पता चला है कि मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच खत्म होने के तुरंत बाद मैच रेफरी अमित शर्मा को इस मामले की शिकायत नहीं की थी। उन्होंने ऐसा तब किया जब उन्होंने इसका वीडियो सबूत देखा। इसके बाद शर्मा ने आईपीएल के नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पराग को दोषी पाया। लेवल एक के अपराधों के लिए मैच फीस में से 25 प्रतिशत की कटौती और एक डिमेरिट अंक का प्रावधान है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, रियान ने अपराध और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया है।बयान के अनुसार आईपीएल की साख को बनाए रखने के लिए बीसीसीआई गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

जब पीटीआई ने बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ संभावित कार्रवाई के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा जैसा कि बयान में साफ-साफ लिखा है हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि टीम के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके तहत इनका उत्पादन, बिक्री और वितरण पूरी तरह से वर्जित है। कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की जेल और/या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.21 में कहा गया है कि यह नियम उन सभी प्रकार के आचरणों को अपने दायरे में लाने के लिए बनाया गया है जिनसे खेल की छवि को नुकसान पहुंचता है और जिनका उल्लेख आचार संहिता में कहीं और (विशेष रूप से नियम 2.20 में) स्पष्ट रूप से नहीं किया गया है।

दिल्ली को अपने प्रदर्शन में निरंतरता की जरूरत

जयपुर, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया वहीं दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट हो गए। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली एक रन की हार ने दिल्ली को भावनात्मक रूप से काफी चोट पहुंचाई है। तीन जीत और चार हार के साथ वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं और उन्हें जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव और राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल और रवि बिश्नोई। एजेंसी

राजस्थान का शीर्ष क्रम है बहुत खतरनाक

राजस्थान का शीर्ष क्रम काफी आक्रामक रहा है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिना किसी डर के जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों का शुरू से ही डटकर सामना किया है तो वहीं यशस्वी जायसवाल भी बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज राजस्थान रॉयल्स की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मैच में उतर रही है। हाल ही में उन्होंने पंजाब किंग्स को इस सत्र की पहली हार का स्वाद चखाया था। यह नौ मैच में टीम की छठी जीत थी। राजस्थान के लिए एक और सकारात्मक बात यह है कि धीमी शुरुआत के बाद अब उनका मध्य क्रम भी लय में लौट आया है। इससे उन्हें अधिक संतुलन मिलता है और पूरी पारी में उन्हें रोकना कठिन हो जाता है।दबाव में चल रहे दिल्ली के आक्रमण के खिलाफ राजस्थान की टीम एक बार अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी।दिल्ली के लिए चीजें साफ हैं। बल्लेबाजों को व्यक्तिगत प्रयासों पर निर्भर रहने के बजाय संपूर्ण प्रदर्शन करने की जरूरत है। स्टार्क की वापसी के साथ गेंदबाजों को रन गति पर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे, विशेषकर आक्रामक शीर्ष क्रम के खिलाफ।

- मजबूत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला आज

टीम

राजस्थान रॉयल्स : शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

मुरलीधरन की चिंता | श्रीलंका के महान स्पिनर ने कहा-कम उम्र से हुनर न सीखना बड़ी वजह

गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर

मुंबई, एजेंसी

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है। मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था। आजकल यह मुख्य बात नहीं रही क्योंकि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोच रहा है। वे वनडे क्रिकेट खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कम उम्र में भी वे सिर्फ तेज गेंदबाजी करने और गेंद में विविधता लाने की कोशिश करते हैं, उसे टर्न कराने की नहीं। उन्हें कम उम्र में यह काबिलियत नहीं मिली होती इसलिए वे 18 या 19 साल की उम्र में आकर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर सकते क्योंकि उनकी मसल मेमोरी पहले से ही वैसी बन चुकी होती हैं।

मुरलीधरन ने कहा जब आप 10, 11 या 12 साल के होते हैं तब गेंद को टर्न कराने की कोशिश करें। हमने इसी तरह सीखा था। बल्लेबाज को छकाने के लिए हमें गेंद को टर्न कराना जरूरी होता है। मुरलीधरन ने कहा कि आईपीएल में स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करना थ्रो-डाउन विशेषज्ञों' के खिलाफ अभ्यास करने जैसा है क्योंकि इसमें बस गेंद की लाइन में आकर उसे जोर से मारना होता है। जब उनसे पूछा गया कि वह और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न बल्लेबाजों के अनुकूल हालात में कैसे खेलते तो मुरलीधरन ने कहा कि वे इतने महंगे साबित नहीं होते। मुरलीधरन ने कहा देखिए हम गेंद को टर्न तो जरूर कराते लेकिन हम कोई बड़ा असर नहीं डाल पाते। शायद हम एक या दो विकेट ही ले पाते। वे (फिर भी) हमारे खिलाफ आसानी से 40 रन बना लेते क्योंकि विकेट इतने अच्छे होते हैं।

उन्होंने कहा शेन वॉर्न भी एक कमाल के खिलाड़ी थे क्योंकि वह गेंद को घुमा सकते थे और चमत्कार कर सकते थे। (लेकिन) खेल अब बदल गया है। हम अलग-अलग दौर की तुलना नहीं कर सकते। जिस तरह से खिलाड़ी बल्लेबाजी करते हैं, खिलाड़ियों की मानसिकता... ये वो चीजें हैं जो बदल गई हैं।

निष्पक्ष विकेट बनाने पर दिया जोर

मुरलीधरन ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच मुकाबले में संतुलन बनाने का एकमात्र तरीका निष्पक्ष विकेट (जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान मदद मिले) तैयार करना है। उन्होंने कहा अगर हम निष्पक्ष विकेट दे सकें, लेकिन फिर दर्शक ऊबने लगेंगे। क्रिकेट प्रेमी और बहुत कम उम्र के क्रिकेटर, टी20 के चाहने वाले बहुत अधिक मनोरंजन चाहते हैं। वे चौके और छक्के देखना चाहते हैं इसलिए इस टूर्नामेंट को इसी तरह से तैयार किया गया है और एक अतिरिक्त खिलाड़ी को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाता है जिससे कि टीम को कम स्कोर पर आउट होने से बचाया जा सके। मुरलीधरन ने कहा यह एक मनोरंजन है।

क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की मजबूत टीम से आज भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

थॉमस कप फाइनल्स

भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा।

भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप सी में शीर्ष पर रही चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं। मौजूदा समय के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक चुन-यी ने पिछले महीने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में लक्ष्य सेन को हराकर खिताब जीता था। टीम में 2025 ऑल इंग्लैंड के उपविजेता चिया हाओ ली भी शामिल हैं। युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।